PRGI Reg. No. : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-01 ● अंक- 311 ● भिलाई, बुधवार 24 जून 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

साय कैबिनेट की बैठक संपन्न

ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के लिए 2 नए योजनाओं को मंजूरी दी

रायपुर। संवाददाता

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में नवा रायपुर स्थित महानदी भवन मंत्रालय में आज मंत्रिपरिषद (कैबिनेट) की बैठक आयोजित की गई। बैठक में राज्य से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की गई और कई अहम प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। साय कैबिनेट की बैठक में लिए गए निर्णय- ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार, सशक्तीकरण, विभागीय योजनाओं के अभिसरण और डिजिटल सुशासन को बढ़ावा देने के लिए एक महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए ''विकसित भारत ङ्क रोजगार और आजीविका के लिये गारंटी मिशन (ग्रामीण) : वीबी-जी राम जी योजना छत्तीसगढ़'' के प्रारूप का अनुमोदन किया है। भारत सरकार के अधिनियम, 2025 के अनुरूप लागू की जा रही इस योजना के तहत पात्र ग्रामीण परिवारों के वयस्क सदस्यों को प्रत्येक वित्तीय वर्ष में 125 दिवस अकुशल श्रम आधारित रोजगार की वैधानिक गारंटी प्रदान की जाएगी। इस योजना के तहत जल संरक्षण, प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन, ग्रामीण आधारभूत संरचना निर्माण, आजीविकामूलक परिसंपत्तियों के विकास तथा ग्रामीण क्षेत्रों में टिकाऊ रोजगार के अवसर सृजित किए जाएंगे। इस योजना के अंतर्गत ग्राम पंचायत आधारित समेकित विकास, विभागीय योजनाओं के अभिसरण तथा पीएम गति शक्ति से समन्वय को बढ़ावा मिलेगा। विकास कार्यों की बेहतर कार्ययोजना एवं निगरानी के लिए आधुनिक तकनीक और डिजिटल प्रणालियों का उपयोग करते हुए

पारदर्शिता, सुशासन एवं जवाबदेही को सुदृढ़ किया जाएगा। इस योजना के क्रियान्वयन में केंद्र एवं राज्य के व्यय का अनुपात 60:40 रहेगा तथा वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए राज्य बजट में 4,000 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने और स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर सृजित करने के उद्देश्य से ''अटल आजीविका समृद्धि हाट'' योजना प्रारंभ करने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है। इस योजना के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में सृजन केंद्र (हथकरघा, बुनाई-सिलाई, हस्तशिल्प आदि), प्रसंस्करण इकाइयां (दलहन, तिलहन, राइस मिल, डेयरी आदि), सेवा केंद्र (कोल्ड स्टोरेज, सोलर ड्रायर, कृषि उपकरण मरम्मत, अटल डिजिटल केंद्र आदि), विपणन केंद्र तथा आपूर्ति केंद्र स्थापित किए जाएंगे। इस योजना का उद्देश्य उपलब्ध अधोसंरचना और मशीनरी का बेहतर उपयोग करते हुए स्थानीय उत्पादन, प्रसंस्करण, सेवा और विपणन गतिविधियों को बढ़ावा देना है। इससे ग्रामीणों को अपने क्षेत्र में ही रोजगार और स्वरोजगार के नए अवसर मिलेंगे तथा स्थानीय उत्पादों को बेहतर बाजार उपलब्ध होगा। योजना के क्रियान्वयन के लिए छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन को नोडल एजेंसी तथा पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग को नोडल विभाग बनाया गया है। अटल आजीविका समृद्धि हाट'' के माध्यम से कृषि, खाद्य प्रसंस्करण, सेवा व्यवसाय, डिजिटल तकनीक, हरित ऊर्जा तथा ग्रामीण बाजारों को नई गति मिलेगी और प्रदेश की ग्रामीण आजीविका को मजबूत आधार प्राप्त होगा। छत्तीसगढ़ कम्प्रेस्ड बायोगैस नीति , 2026 के प्रारूप का भी अनुमोदन कैबिनेट की बैठक में किया गया। इस नीति के माध्यम से राज्य में उपलब्ध कृषि अवशेष, नगरीय ठोस अपशिष्ट, पशुधन अपशिष्ट एवं अन्य जैविक संसाधनों का वैज्ञानिक प्रबंधन कर उन्हें स्वच्छ गैसीय ईंधन कम्प्रेस्ड बायोगैस में परिवर्तित किया जाएगा। इस नीति से अपशिष्ट प्रबंधन, पर्यावरण संरक्षण, ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में कमी, जैव उर्वरक उत्पादन तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई गति मिलेगी।

संक्षिप्त समाचार

गोपालगंज में शादी समारोह से लौट रहे दो सगे पड़ोसी युवकों की दर्दनाक मौत

गोपालगंज। जिले के उचकागांव थाना क्षेत्र से एक बेहद दुखद खबर सामने आई है, जहां संत मोड़ के पास रविवार की देर रात हुए एक भीषण सड़क हादसे में दो युवकों की जान चली गई। मृतकों की पहचान हरपुर बाजार निवासी गौरी शंकर मांझी के 17 वर्षीय पुत्र बिक्की कुमार और राजकपूर मांझी के 22 वर्षीय पुत्र जिम्मी कुमार के रूप में हुई है। इस हृदयविदारक घटना के बाद से दोनों परिवारों में कोहराम मच गया है और पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई है। परिजनों से मिली जानकारी के अनुसार, बिक्की कुमार 10वीं कक्षा का छात्र था, जबकि जिम्मी कुमार बीए पार्ट-1 में पढ़ाई कर रहा था। दोनों युवक आपस में गहरे दोस्त और पड़ोसी थे। रविवार को वे वृंदावन गांव में आयोजित एक शादी समारोह में शामिल होने गए थे। जिम्मी अपने चचेरे भाई की बारात में शामिल होने गया था, और बिक्की भी उसके साथ था। शादी समारोह का जश्न मनाने के बाद देर रात दोनों बाइक से वापस अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान, उचकागांव थाना क्षेत्र के संत मोड़ के पास उनकी बाइक अचानक अनियंत्रित हो गई। रफ्तार तेज होने के कारण बाइक का संतुलन ऐसा बिगड़ा कि दोनों सड़क पर दूर जा गिरे।

पुष्पा 2 भगदड़ मामले में सुनवाई 6 जुलाई तक स्थगित, वर्चुअली पेश हुए थे अल्लू अर्जुन

नामपल्ली। अल्लू अर्जुन की फिल्म पुष्पा 2: द रूल के प्रीमियर के दौरान संध्या थिएटर में भगदड़ मची थी। इस दौरान रेवती नाम की एक महिला की मौत और उसके 9 साल के बेटे श्रीतेज के घायल होने की खबर सामने आई। मामले का आरोप अभिनेता पर लगा था, जिसके चलते उन्हें सोमवार को कोर्ट में पेश होने के लिए कहा गया था। ताजा अपडेट है कि नामपल्ली कोर्ट ने सुनवाई 6 जुलाई, 2026 तक के लिए स्थगित कर दी है। रिपोर्ट के मुताबिक, कोर्ट में सोमवार को हुई मामले की सुनवाई के दौरान अल्लू ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए वर्चुअल रूप से कार्यवाही में भाग लिया। संध्या थिएटर की ओर से पेश वकील भानु चंदर ने मीडिया से कहा, आज नामपल्ली कोर्ट में मजिस्ट्रेट के समक्ष जमानतनामा दाखिल करने के लिए पेशी है।

राष्ट्रपति ने किया मंजूर

मोदी सरकार में केंद्रीय राज्य मंत्री जॉर्ज कुरियन ने दिया इस्तीफा.....

नई दिल्ली/ एजेंसी

मोदी सरकार में केंद्रीय राज्य मंत्री जॉर्ज कुरियन ने मंगलवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सलाह पर उनका इस्तीफा तत्काल प्रभाव से स्वीकार कर लिया। जॉर्ज कुरियन अल्पसंख्यक मामलों तथा मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय में राज्य मंत्री के रूप में कार्यरत थे। उनका राज्यसभा कार्यकाल समाप्त होने के बाद यह इस्तीफा सामने आया है। भाजपा के वरिष्ठ नेता कुरियन लंबे समय से संगठन से जुड़े रहे हैं और सुप्रीम

कोर्ट में वकालत भी कर चुके हैं। 65 वर्षीय जॉर्ज कुरियन अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय तथा मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय में राज्य मंत्री के रूप में कार्यरत थे। उनका राज्यसभा कार्यकाल समाप्त हो चुका था, जिसके बाद उन्होंने मंत्री पद से इस्तीफा दिया। वे अगस्त 2024 से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली तीसरी एनडीए सरकार में मंत्री के रूप में जिम्मेदारी संभाल रहे थे। जॉर्ज कुरियन भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेताओं में शामिल हैं। वह वर्ष 1980 में पार्टी की स्थापना के समय से ही संगठन से जुड़े रहे हैं। राजनीति के अलावा उन्होंने भारत के सुप्रीम कोर्ट में वकील के रूप में भी प्रैक्टिस की है। सूत्रों के अनुसार, केरल विधानसभा चुनावों में पार्टी के कमजोर प्रदर्शन के बाद उन्हें दोबारा राज्यसभा के लिए नामित नहीं किया गया।

तालाब में डूबने से दो सगे भाइयों की मौत, बैलों को नहलाने के दौरान गहरे पानी में डूबे

खंडव। मध्यप्रदेश के खंडवा जिले के धनगांव थाना क्षेत्र के पलासी गांव में दर्दनाक हादसा हो गया। यहां तालाब में डूबने से दो सगे भाइयों की मौत हो गई। हादसे के बाद गांव में मातम पसर गया है। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले को जांच में लिया है। दरअसल दोनों भाई बैलों को नहला रहे थे तभी तालाब के गहरे पानी में चले गए और डूबने से दोनों की मौत हो गई। दोनों की उम्र 12 और 15 वर्ष की थी। एक साथ घर के दो चिराग बुझने से परिवार सदमे में हैं। वही पूरे गांव में सन्नाटा सा छा गया है। पुलिस के अनुसार पलासी ग्राम में रहने वाले राजू मजदूरी करते हैं। वह रविवार दोपहर खेत में परिवार के साथ काम कर रहे थे ।

अन्ना हजारे फिर भूख हड़ताल करेंगे

फडणवीस के खिलाफ विरोध का झंडा करेंगे बुलंद-हजारे....

नई दिल्ली/ एजेंसी

सोशल एक्टिविस्ट (समाजसेवी) अन्ना हजारे ने फिर भूख हड़ताल की चेतावनी दी है। अन्ना हजारे ने महाराष्ट्र की देवेंद्र फडणवीस सरकार सूचना के अधिकार यानी आरटीआई के नियमों में किए गए बदलावों का विरोध करते हुए आंदोलन करने की चेतावनी दी है। अन्ना 5 जुलाई से भूख हड़ताल करेंगे। उन्होंने ऐलान किया कि अगर सरकार इन बदलावों को वापस नहीं लेती है, तो भूख हड़ताल पर बैठेंगे। अन्ना हजारे ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को लिखे एक लेटर में दावा किया

कि महाराष्ट्र सूचना के अधिकार के नियम, 2026, आरटीआईएक्ट की धार को कुंद कर देंगे। साथ ही नागरिकों को जानकारी से दूर रखेंगे। 12 जून को किए गए बदलाव आरटीआई एक्ट, 2005 की भावना का उल्लंघन करते हैं और ट्रांसपेरेंसी को कमजोर करते हैं। हजारे ने फीस बढ़ाने पर आपत्ति जताते हुए कहा कि कोई सही वजह या फाइनेंशियल एनालिसिस नहीं दिया गया। सीएम फडणवीस को लिखे लेटर में अन्ना हजारे ने कहा कि आरटीआई कोई रेवेन्यू कमाने वाला कानून नहीं है। अगर 20 साल बाद फीस बढ़ाई जाती है, तो जानकारी देने से मना करने वाले अधिकारियों पर पेनल्टी भी बढ़ाई जानी चाहिए। उन्होंने आईडी प्रूफ को जरूरी बनाने का विरोध किया और तर्क दिया कि आरटीआई एक्ट का सेक्शन 6(2) एप्लीकेंट को पर्सनल डिटेल्स या जानकारी मांगने के कारणों का खुलासा करने की जरूरत नहीं बताता है।

वोटर आई कार्ड रखने के मामले में

प्रकाश राज के खिलाफ गैरजमानती वारंट जारी

नई दिल्ली। बॉलीवुड-साउथ अभिनेता प्रकाश राज के खिलाफ गैर-जमानती वॉरंट जारी हुआ है। बेंगलुरु की एक अदालत ने एक्टर प्रकाश राज के खिलाफ एक गैर-जमानती वॉरंट (एनबीडब्ल्यू) जारी किया है। एक से ज्यादा वोटर ID कार्ड रखने के मामले प्रकाश राज के खिलाफ एक गैर-जमानती वारंट जारी किया गया है। आरोप है कि उनके पास चार राज्यों के मतदाता पहचान पत्र हैं, जो चुनाव नियमों का उल्लंघन है। साउथ अभिनेता प्रकाश राज के खिलाफ ये वारंट वकील दिलीप कुमार की रिपोर्ट पर जारी हुआ है। 2019 में वकील दिलीप कुमार ने हलासूरू गेट पुलिस स्टेशन में दर्ज कराई

थी।शिकायतकर्ता का कहना है कि राज के पास चार राज्यों के मतदाता पहचान पत्र हैं, जिनमें कर्नाटक, तमिलनाडु और तेलंगाना शामिल है। अगर ये साबित हुआ, तो यह चुनाव संबंधी नियमों का उल्लंघन होगा। दिलीप कुमार ने कहा कि पुलिस ने शिकायत पर कोई कार्रवाई नहीं की।

केरल के एर्नाकुलम में यार्ड में मेंटेनेंस के लिए खड़े एक जहाज में लगी भीषण आग

एर्नाकुलम। वाइपिन के एक यार्ड में मेंटेनेंस के लिए खड़े एक जहाज़ में भीषण आग लग गई. आग जहाज के ऊपरी डेक पर सुबह करीब 3 बजे लगी. पुलिस के साथ मिलकर फायर और रेस्क्यू सर्विस अभी आग बुझाने की पूरी कोशिश कर रही है. यह घटना वाइपिन में सरकारी स्कूल के पीछे बने एक यार्ड में हुई. मीडियम साइज के इस जहाज में आग तब लगी जब वह अपनी सर्विस पूरी करके लौटने की तैयारी कर रहा था. शुरुआती जांच से पता चलता है कि शॉर्ट सर्किट की वजह से यह हादसा हुआ. शुरू में ऊपरी डेक पर आग लगने के बाद, आग तेजी से जहाज के दूसरे हिस्सों में फैल गई.

अशोक गहलोत ने बीजेपी पर कसा तंज

भैंस,घोड़े और गधों की तरह बिक रहे एमपी एमएलए-लोकतंत्र के लिए खतरनाक है......

नई दिल्ली। राजस्थान के पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने देश के सांसदों और विधायकों के दल-बदल और खरीद-फरोख्त को लेकर बड़ा बयान दिया है। माननीयों की तुलना जानवरों से करते हुए गहलोतने कहा कि सांसद और विधायक भैंस, घोड़े, गधों और बकरियों के जैसे बिक रहे हैं। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने यह बात जोधपुर के सर्किट हाउस में मीडिया से बातचीत के दौरान कही। इस दौरान उन्होंनें जनप्रतिनिधियों की खरीद-फरोख्त और कई राजनीतिक दलों में हो रही टूट-फूट पर गहरी चिंता व्यक्त की। मंगलवार को जोधपुर पहुंचे अशोक गहलोत ने सर्किट हाउस में प्रेस वार्ता में मीडियाकर्मियों से बातचीत की। इस दौरान उन्होंने कई मुद्दों पर चर्चा भी की। जोधपुर दौरे में गहलोत पावटा अस्पताल और एम्स पहुंचकर हाल ही में गंभीर संक्रमण का शिकार हुई प्रसूताओं से मुलाकात की। उनके परिजनों भी मिले और डॉक्टरों से बात कर प्रसूताओं के स्वास्थ्य की स्थिति तथा चल रहे इलाज की विस्तृत जानकारी ली। अशोक गहलोत ने अपने एक्स हैंडल पर केंद्र सरकार को निशाने पर लेते हुए एक पोस्ट किया। पोस्ट में

उन्होंने लिखा, भाजपा द्वारा लगातार सांसदों की खरीद-फरोख्त करना सीधे तौर पर जनमत को एक खुली चुनौती है। भाजपा ने 2024 के लोकसभा चुनावों में जनता से '400 पार' सीटें जिताने का आह्वान किया था, लेकिन देश की सजग जनता ने उन्हें बहुमत से दूर केवल 240 सीटों पर ही समेट दिया। गहलोत ने कहा कि आज केंद्र में एनडीए गठबंधन की सरकार चल रही है, जिसमें फिलहाल कोई खींचतान भी नजर नहीं आती। इसके बावजूद तृणमूल कांग्रेस, शिवसेना और बीजेडी जैसे दलों के सांसदों को तोड़कर भाजपा और एनडीए में शामिल करना यह साफ़ दिखाता है कि भाजपा धनबल और बाहुबल के आगे जनता के जनादेश को कुछ नहीं समझती। आगे उन्होंने कहा कि पहले तोड़-फोड़ का यह खेल केवल गुजरात तक सीमित था।

पीएम मोदी समेत कई गणमान्य रहे मौजूद

राष्ट्रपति मुर्मु ने 65 हस्तियों को किया सम्मानित गायिका अलका याग्निक को मिला पद्म भूषण

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने मंगलवार को राष्ट्रपति भवन में आयोजित 'नागरिक अलंकरण समारोह-द्वितीय' में देश की विभिन्न क्षेत्रों की 65 विशिष्ट हस्तियों को पद्म पुरस्कारों से सम्मानित किया। इस समारोह में कला, साहित्य, शिक्षा, खेल, जनसेवा और सामाजिक क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाली हस्तियों को पद्म विभूषण, पद्म भूषण और पद्म श्री पुरस्कार प्रदान किए गए। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन को (मरणोपरांत) पद्म भूषण से सम्मानित किया गया, जिसे उनकी पत्नी रूपी सोरेन ने ग्रहण किया। वहीं प्रसिद्ध गायिका अलका याग्निक, मलयालम अभिनेता मम्मूटी और टेनिस दिग्गज विजय अमृतराज भी सम्मानित होने वालों में शामिल रहे। समारोह में उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह समेत कई गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे। देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मानों में शामिल पद्म पुरस्कार हर वर्ष विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान के लिए दिए जाते हैं। बता दें कि इस दौरान पी. नारायणन और जस्टिस (रिटायर्ड)

केटी थॉमस को साहित्य और शिक्षा तथा जन-कार्य के लिए पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया। पद्म भूषण पाने वाले अन्य लोगों में एसकेएम मैलानंदन, मम्मूटी, वेल्लापल्ली नटेसन और दत्तात्रेयुडु नोरी शामिल हैं। आपको बता दें कि इस समारोह में अवॉर्ड पाने वालों की लिस्ट में दो अमेरिकी, एक रूसी और एक जॉर्जियाई नागरिक भी शामिल हैं। राष्ट्रपति मुर्मु ने अलंकरण समारोह में 65 लोगों को पद्म पुरस्कार से सम्मानित किया। समारोह में उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह और कई गणमान्य व्यक्ति भी मौजूद रहे। तो वहीं दूसरे नागरिक सम्मान समारोह में 65 पद्म पुरस्कार प्रदान किए गए हैं, जिनमें दो पद्म विभूषण, सात पद्म भूषण, और 56 पद्म श्री शामिल हैं। इससे पहले राष्ट्रपति ने 25 मई को आयोजित पहले नागरिक सम्मान समारोह में 65 पद्म पुरस्कार प्रदान किए थे, जिनमें दो पद्म विभूषण, छह पद्म भूषण और 57 पद्म श्री शामिल थे। दरअसल देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मानों में से एक पद्म पुरस्कार तीन श्रेणियों में दिए जाते हैं: पद्म श्री, पद्म भूषण और पद्म विभूषण। पद्म पुरस्कार कला, समाजसेवा, जन-कार्य, विज्ञान और इंजीनियरिंग, व्यापार और उद्योग, चिकित्सा, साहित्य और शिक्षा, खेल और सिविल सेवा जैसे अलग-अलग क्षेत्रों में दिए जाते हैं।

5 अफसरों की एसआईटी गठित

अतीक अहमद की बेनामी संपत्तियों पर शिकंजा कसा

नई दिल्ली। अतीक अहमद और उसके करीबियों की कथित बेनामी संपत्तियों की जांच के लिए प्रयागराज पुलिस ने विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया है। एक अधिवक्ता की शिकायत पर की गई इस कार्रवाई को अतीक के आर्थिक नेटवर्क पर एक और बड़ चोट माना जा रहा है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि अतीक अहमद और उसके परिजनों ने अपने परिचित चकिया निवासी मदन लाल भारतीया के नाम पर धूमनगंज क्षेत्र में कई संपत्तियां खरीदी थीं। मामले को गंभीरता से लेते हुए अपर पुलिस आयुक्त (कानून एवं व्यवस्था) डॉ. अजय पाल ने जांच के आदेश जारी किए हैं। गठित एसआईटी में डीसीपी नगर मनीष कुमार शांडिल्य, एडीएम सिटी सत्यम मिश्र, अपर नगर आयुक्त अरविंद ओके राय, एआईजी स्टांप राकेश चंद्रा और पीडीए सचिव विनीत कुमार सिंह को शामिल किया गया है। टीम को संबंधित संपत्तियों के दस्तावेजों की जांच, गोपनीय सूचनाएं जुटाने और संपत्तियों के स्वामित्व व धन के स्रोत की पड़ताल की जिम्मेदारी सौंपी गई है। आदेश के अनुसार एसआईटी को तीन दिनों के भीतर जांच प्रक्रिया शुरू करनी होगी। साथ ही टीम हर सोमवार को संयुक्त हस्ताक्षरयुक्त प्रगति रिपोर्ट अपर पुलिस आयुक्त को सौंपेगी।

CMYK

मुख्यमार्ग पर बाजार से यातायात व्यवस्था पर सवाल

स्टेटहाइवे में संचालित अर्जुनी साप्ताहिक बाजार, साप्ताहिक बाजार बना राहगीरों के लिए सिरदर्द

डोंगरगांव नगर। स्टेटहाइवे में प्रत्येक रविवार को होने वाला अर्जुनी का प्रसिद्ध साप्ताहिक बाजार अब राहगीरों के लिए सिरदर्द बन गया है। बाजार स्थल मेनरोड किनारे स्थित है, लेकिन चहुंओर अर्जुनी सेंटर स्थल होने से भीड़ अत्यधिक हो जाती है। 4 से 7 बजे तक स्टेटहाइवे में चक्काजाम की स्थिति बन जाती है। दरअसल राजनांदगांव से मोहला मानपुर मुख्य मार्ग पर स्थित अर्जुनी का बाजार डोंगरगांव के साप्ताहिक बाजार के बाद दूसरा बड़ा साप्ताहिक बाजार माना जाता है। स्थानीय व्यवसायियों के अलावा राजनांदगांव व डोंगरगांव के बड़े व्यवसायियों के अलावा अन्य ग्रामों के फुटकर व्यवसायी भी अर्जुनी बाजार पहुंचते हैं, जिससे बाजार के दौरान सड़क के दोनों ओर दुकानें सज जाने और

खरीदारों की भारी भीड़ के कारण मुख्य मार्ग लगभग जाम हो जाता है। मेनरोड जाम हो जाने से दोनों छोर वाहनों की लंबी कतारें लगती हैं, जिससे दुर्घटना की आशंका बनी रहती है।

यातायात विभाग व पुलिस बेबस- स्थानीय लोगों की माने तो बाजार क्षेत्र में न तो पर्याप्त पार्किंग की व्यवस्था है, और न ही यातायात नियंत्रण के लिए प्रभावी इंतजाम किए गए हैं। भीड़भाड़ के बीच वाहनों और पैदल यात्रियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। यातायात विभाग द्वारा अर्जुनी बाजार की बेतरतीब भीड़ को लेकर कभी कोई कदम नहीं उठाया गया।

विद्यार्थियों व बुजुर्गों की शामत- साप्ताहिक बाजार दरम्यान मेनरोड जाम होने से सर्वाधिक परेशानी विद्यार्थियों व बुजुर्ग राहगीरों को होती हैं। अनेक बार बड़ी दुर्घटना घट चुकी है। ग्रामीणों ने प्रशासन और ग्राम पंचायत से बाजार व्यवस्था को सुव्यवस्थित करने की मांग की है। अंचल के ग्रामीण ने बाजार क्षेत्र में पार्किंग, यातायात नियंत्रण और सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की है।

कमिश्नर ने किया निरीक्षण, दिखी गंदगी, दुकानदारों पर लगाया जुर्माना

भगत सिंह चौक फ्लाई ओव्हर के नीचे मिली गंदगी, बरती गई सख्ती

राजनांदगांव। सफाई व्यवस्था को लेकर नगर निगम लगातार सख्ती बरतता दिखाई दे रहा है। इसी क्रम में नगर निगम आयुक्त अतुल विश्वकर्मा ने सोमवार को जीई रोड फ्लाई ओव्हर के नीचे साफ -सफाई का जायजा लेकर गंदगी फैलाने वालो पर जुर्माना लगाने के स्वास्थ्य अमला को निर्देश दिए। उन्होंने भगत सिंह चौक फ्लाई ओव्हर के नीचे सफाई का जायजा लेकर उन्होंने होटल एवं ठेला के आस पास साफ सफाई रखने, कचरा फैलाने वालो पर कार्यवाही कर जुर्माना लगाने कहा। विश्वकर्मा ने होटल एवं ठेला के पास गंदगी देख नराजगी व्यक्त करते हुए संबंधित से कहा कि अतिक्रमण कर व्यवसाय न करे और साफ सफाई रखे, अन्यथा जप्ती की कार्यवाही की जाएगी। साफ-सफाई के अभाव में संबंधित से जुर्माना वसूलने के निर्देश दिए। निर्देश के अनुक्रम में सूरज चाय ठेला से 5 सौ रूपये, के.जी.एन. पान सेन्टर एवं सिन्हा चाय ठेला से 2-2 सौ रूपये जुर्माना वसूला गया। आयुक्त ने आस पास के लोगो को साफ-सफाई रखने अतिक्रमण नही करने समझाईस दिए। आयुक्त ने स्वास्थ्य अमला से कहा कि जी.ई.रोड में शहर के अलावा बाहर के लोगों का भी आना जाना लगा रहता है, जहां से हमारे शहर की छवि प्रदर्शित होती है।

एक युद्ध नशे के विरूद्ध अभियान के तहत ग्राम कुसमी बहेरा के ग्रामीण जन को किया गया जागरूक

बेमेतरा। पुलिस उप महानिरीक्षक रामकृष्ण साहू के निर्देशन पर अति. पुलिस अधीक्षक हरीश कुमार यादव, डीएसपी (मुख्यालय) राजेश कुमार झा,एसडीओपी बेमेतरा भूषण एक्का, एसडीओपी बेरला विनय कुमार, डीएसपी कौशिल्या साहू, डीएसपी शशिकला उईके के मार्गदर्शन में बेमेतरा पुलिस द्वारा सामुदायिक पुलिसिंग के लिए हमर पुलिस हमर बजार एवं हमर पुलिस हमर गांव अभियान के तहत एक युद्ध नशे के विरूद्ध अभियान के माध्यम से हॉट/बाजारों, गांव एवं स्कूल, कालेजों में छात्र/छात्राओं, आमजनों को जागरूक करने जागरूकता अभियान चलाया जा रहा हैं। इसी क्रम में आज 21 जून 2026 को ÷हमर पुलिस हमर बजार एवं हमर पुलिस हमर गांव अभियान के माध्यम से थाना प्रभारी बेरला उप निरीक्षक राजकुमार साहू, प्रशिक्षु उप निरीक्षक गीतांजली, प्रधान आरक्षक नोहर यादव, दीनानाथ यादव एवं अन्य स्टाफके द्वारा एक युद्ध नशे के विरूद्ध अभियान चलाकर ग्राम कुसमी बहेरा के ग्रामीणजन को जागरूक किया गया। इस दौरान ग्रामवासियों से संवाद कर नशा मुक्त जीवन की शपथ दिलाई गई। सभी ने नशा मुक्त जीवन की शपथ ली और सभी उपस्थितजन ने जिंदगी को हाँ, नशे को ना का संकल्प लेते हुए नशीली दवाओं के सेवन से दूर रहने और समाज को भी इसके प्रति जागरूक करने का संकल्प लिया। इस दौरान ग्रामीण जन को बताया कि नशा न केवल शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करता है, बल्कि यह सामाजिक और आर्थिक रूप से भी व्यक्ति और परिवार को नुकसान पहुँचाता है। सभी को समाज में नशे के खिलाफ सशक्त संदेश देने तथा दूसरों को भी जागरूक करने की अपील की। बेमेतरा पुलिस द्वारा जिले भर में नशा विरोधी अभियान चलाया जा रहा है, जिसमें जनभागीदारी को विशेष महत्व दिया जा रहा है। बेमेतरा पुलिस का संदेश है जनभागीदारी ही नशा मुक्त समाज की नींव है। आइए, हम सब मिलकर इस सामाजिक बुराई को जड़ से खत्म करें। साथ ही मादक पदार्थों की तस्करी से संबंधित जानकारी साझा करने, मानस नेशनल नारकोटिक्स हेल्पलाइन नंबर 1933 के संबंध में व्यापक प्रचार-प्रसार किया गया।

और बताया गया कि जानकारी देने वाले की पहचान गोपनीय रखी जायेगी।

योग की ऊर्जा से सराबोर हुआ डीएवी परिसर, विद्यार्थियों ने लिया स्वस्थ एवं निरोग जीवन का संकल्प

बेमेतरा। सीबीएसई विद्यालय डी.ए.वी. मुख्यमंत्री पब्लिक स्कूल, जांता में 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस बड़े उत्साह, उमंग एवं गरिमामय वातावरण में मनाया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को योग के महत्व से अवगत कराना तथा स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम का शुभारंभ योग के महत्व पर प्रकाश डालते हुए किया गया। इसके पश्चात विद्यार्थियों, शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं कर्मचारियों ने सामूहिक रूप से विभिन्न योगासन, प्राणायाम, ध्यान, सूर्य नमस्कार, अनुलोम-विलोम, कपालभाति, भ्रामरी तथा अन्य योग क्रियाओं का अभ्यास किया। योगाभ्यास के दौरान शरीर को स्वस्थ, मन को शांत एवं एकाग्र रखने के उपायों की जानकारी भी दी गई। विद्यालय के प्राचार्य पी. एल. जायसवाल ने अपने संबोधन में कहा कि योग केवल व्यायाम नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर एवं संपूर्ण जीवन पद्धति है। योग व्यक्ति के शारीरिक, मानसिक, बौद्धिक एवं आध्यात्मिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। वर्तमान समय में तनावपूर्ण जीवनशैली एवं बढ़ती स्वास्थ्य समस्याओं के बीच योग स्वस्थ एवं संतुलित जीवन का प्रभावी माध्यम बनकर उभरा

है। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रतिदिन योग करने तथा इसे अपने जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि नियमित योगाभ्यास से आत्मविश्वास, अनुशासन, सकारात्मक सोच एवं कार्यक्षमता में वृद्धि होती है। योग न केवल रोगों से बचाव करता है, बल्कि व्यक्ति को मानसिक रूप से भी सशक्त बनाता है। विद्यालय सदैव शिक्षा के साथ-साथ विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास हेतु विभिन्न गतिविधियों का आयोजन करता रहा है और योग दिवस का यह आयोजन भी उसी दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास है। इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों, ग्राम पंचायत के सरपंच, पालकों, ग्रामीणजनों तथा विद्यालय परिवार की सक्रिय एवं उत्साहपूर्ण सहभागिता रही। उपस्थित सभी लोगों ने पर्यावरण संरक्षण, हरित विकास एवं स्वच्छ वातावरण के महत्व पर बल देते हुए पौधों के संरक्षण का संकल्प लिया। विद्यालय प्रबंधन ने बताया कि वृक्षारोपण केवल पर्यावरण संरक्षण का माध्यम नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित एवं हरित भविष्य सुनिश्चित करने का एक महत्वपूर्ण प्रयास है। कार्यक्रम के दौरान सभी ने अधिक से अधिक वृक्ष लगाने तथा उनके संरक्षण की जिम्मेदारी निभाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम को सफल बनाने में डॉ रामकुमार निर्मलकर समाज सेवी व विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं ललित देवांगन, अकलेश पटेल, अनिल चंद्रवंशी, गोविन्द साहू, अजय सेन, आयुषी जैन, विमल साहू, राजा तंतुवाय, अभिषेक दुबे, संदीप कुमार, रेणुका पटेल, साक्षी शर्मा, ऐश्वर्य देशमुख, ममता चंद्राकर, गायत्री सिन्हा, वर्षा वैष्णव, शोभारानी साहू, अनिल कुमार, प्रकाश भोई, प्रीति यादव, प्रांजलि ठाकुर, रौशनी वैष्णव, आर्या निधि, लेखनी चंद्राकर, भुनेश्वरी चंद्राकर एवं कुसुम सहित सुखदेव साहू, रूखमणी यादव, रामेश्वरी यादव, युवराज चंद्राकर, नरेश साहू, विजय चंद्राकर, कुंती यादव तथा अन्य कर्मचारियों एवं सहयोगियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।कार्यक्रम के अंत में सभी विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने नियमित योगाभ्यास करने तथा स्वस्थ, निरोग, अनुशासित एवं सकारात्मक जीवनशैली अपनाने का संकल्प लिया।

शासकीय हाई स्कूल नरी में योग प्रदर्शन एवं योगाभ्यास का आयोजन किया गया

बेमेतरा। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर शासकीय हाई स्कूल नरी में योग प्रदर्शन एवं योगाभ्यास का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि के रूप मे उपस्थित मंडल अध्यक्ष हावेन्द्र वैष्णव ने योग के महत्व पर चर्चा करते हुए नियमित योग करने और स्वस्थ रहने की बात कही। संस्था के व्याख्याता संजय वर्मा ने अपने उद्बोधन में योग के इतिहास, अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की पृष्टभूमि, एवं योग से होने वाले लाभ के विषय मे विस्तृत चर्चा की। व्याख्याता दुर्गा प्रसाद सोनी ने योग के विभिन्न आसनों प्राणायाम, हलासन, मकरासन, शशांकासन, ताड़ासन, पद्मासन आदि का का प्रत्यक्ष प्रदर्शन किया एवं उनके करने से होने वाले लाभ की जानकारी दी, जिसका उपस्थित जनप्रतिनिधियों, शिक्षकों, ग्रामवासियों एवं विद्यार्थियों ने अनुसरण किया।इस अवसर पर शाला प्रबंधन समिति के अध्यक्ष रामकिसुन साहू, किसान मोर्चा अध्यक्ष कौशल सिन्हा, महामंत्री मनोज पुरी गोस्वामी, उप सरपंच जकलू राम साहू, गया पाल, रूप राम साहू, बारले, संस्था के शिक्षक भरत साहू, उमाशंकर साहू सहित ग्रामवासी, शिक्षकगण एवं विद्यार्थीगण उपस्थित थे। संस्था के प्राचार्य सुनील कुमार झा ने एक अच्छे आयोजन के लिए सभी को हार्दिक बधाई प्रेषित की।

भाजपा बेरला मंडल ने विभिन्न ग्रामों में किया सामूहिक योग

बेमेतरा। 12 वे अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस भारत समेत कई देशों में मनाया जाता है इस अवसर पर भाजपा बेरला मंडल ने नगर पंचायत बेरला, ग्राम पंचायत टकसीवा सहित विभिन्न ग्रामों में सामूहिक योग किया, योग एक प्राचीन शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक अभ्यास है जिसकी उत्पत्ति भारत में हुई थी। 'योग' शब्द संस्कृत से लिया गया है और इसका अर्थ है जुड़ना या जुड़ना, जो शरीर और अपने के मिलन का प्रतीक है। आज इसकी प्रैक्टिस विश्व भर में अलग-अलग सिद्धांतों में की गई है और इसका महत्व लगातार बढ़ रहा है इसके सार्वभौमिक आवाहन पर 11 दिसंबर 2014 को संयुक्त राष्ट्र ने संकल्प लिया और 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के रूप में घोषित किया अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का उद्देश्य योग के अभ्यास के बारे में विश्व भर में जागरूकता बढ़ाना है। 21जून 2015 को दिल्ली में प्रथम योग दिवस यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने नेतृत्व में मानाया गया अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की स्थापना के लिए मसौदा प्रस्ताव भारत सरकार द्वारा प्रस्तावित किया गया था और इसे रिकॉर्ड 175 सदस्यों ने समर्थन दिया था। यह प्रस्ताव यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महासभा के 69 वें सत्र के उद्घाटन के दौरान अपनी योजना में प्रस्तुत किया, जिसमें उन्होंने कहाः योग हमारी प्राचीन परंपरा का एक अनमोल उपहार है। योग मन और, विचार और कर्म की एकता का प्रतीक है एक समग्र दृष्टिकोण जो हमारे स्वास्थ्य और कल्याण के लिए शरीर के लिए मूल्यवान है। योग केवल व्यायाम नहीं है; यह स्वयं से, दुनिया और प्रकृति से एकात्म की भावना प्राप्त करने का एक तरीका है। इस प्रस्ताव में व्यक्तित्व और जनसंख्या के लिए स्वस्थ आदर्शों और अच्छे स्वास्थ्य को बढ़ावा देने वाली विचारधारा के महत्व पर ज़ोर दिया। बेरला मंडल अध्यक्ष डोमेन्द्र सिंह राजपूत ने कहा कि योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर है। योग मन, शरीर और आत्मा के बीच संतुलन स्थापित कर व्यक्ति को स्वस्थ, सकारात्मक और ऊर्जावान बनाता है।

नियमित योगाभ्यास से तनाव, चिंता एवं अनेक बीमारियों से मुक्ति मिलती है, इस अवसर पर विधायक प्रतिनिधि अमृत लाल माहेश्वरी, नगर पंचायत अध्यक्ष विशाल राज देशलहरा, नारायण पटेल, पार्षद जनप्रतिनिधि मती लक्ष्मीलता वर्मा, बलराम सिवारे, बलराम यादव, यतीश द्विवेदी, युवा मोर्चा जिला मंत्री शिवझड़ी सिन्हा, युवा मोर्चा अध्यक्ष युगल पाटिल, एससी मोर्चा अध्यक्ष जगदीश कुर्रे,अन्य पिछड़ा मोर्चा अध्यक्ष राजू साहु सहित लेखराम साहु, मिथला साहू पुसऊ सिन्हा तहसीलदार परियोजना अधिकारी सीएमओ, बीईओ, पटवारीगण, महिला स्व-सहायता समूह की बहनें, अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में आम नागरिकों ने सहभागिता कर कार्यक्रम को सफल बनाया।

चिकित्सकों के प्रयासों ने बचाई करैत सर्पदंश से पीड़ित 9 माह की मासूम की जान

कवर्धा। कबीरधाम जिले में करैत जैसे अत्यंत विषैले सर्प के दंश का शिकार हुई मात्र 9 माह की एक मासूम बच्ची को जिला अस्पताल की चिकित्सा टीम ने समय पर उपचार देकर नया जीवन प्रदान किया। घटना उस समय की है जब एक ग्रामीण क्षेत्र में रहने वाली 9 माह की बच्ची को करैत सांप ने काट लिया। शुरुआत में परिजन स्थिति की गंभीरता को समझ नहीं पाए, लेकिन कुछ ही समय में बच्ची की तबीयत तेजी से बिगड़ने लगी। बच्ची सुस्त होने लगी, शरीर में कमजोरी बढ़ने लगी और उसकी हालत चिंताजनक हो गई। परिजनों ने बिना समय गंवाए उसे तत्काल जिला चिकित्सालय कबीरधाम पहुंचाया। अस्पताल पहुंचते ही चिकित्सकों ने बच्ची की गंभीर स्थिति को देखते हुए तत्काल उपचार शुरू कर दिया। कलेक्टर गोपाल वर्मा के निर्देश एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. डीके तुरे के मार्गदर्शन में चिकित्सा अधिकारी डॉ. त्रिभुवन जायसवाल के नेतृत्व में स्वास्थ्य टीम ने बच्ची की स्थिति का मूल्यांकन कर आवश्यक जांच एवं उपचार प्रारंभ किया।

सर्पदंश के प्रोटोकॉल के अनुसार एंटी स्नेक वेनम सहित सभी आवश्यक जीवनरक्षक दवाएं और उपचार उपलब्ध कराए गए। चिकित्सकों और नर्सिंग स्टाफ ने कई घंटों तक लगातार बच्ची की निगरानी की। उपचार के दौरान उसकी श्वसन क्रिया, हृदय गति और अन्य महत्वपूर्ण स्वास्थ्य संकेतकों पर लगातार नजर रखी गई। जिला अस्पताल की स्वास्थ्य टीम ने पूरी तत्परता और समर्पण के साथ कार्य करते हुए बच्ची को हर आवश्यक चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराई।स्वास्थ्य कर्मियों के अथक प्रयासों और समय पर मिले उपचार का सकारात्मक परिणाम सामने आया। कुछ ही घंटों में बच्ची की हालत में सुधार दिखने लगा। और धीरे-धीरे वह खतरे से बाहर आ गई। जब चिकित्सकों ने बच्ची को पूरी तरह सुरक्षित घोषित किया तो परिजनों ने राहत की सांस ली। परिवार के सदस्यों ने जिला अस्पताल की पूरी टीम, विशेष रूप से डॉ. त्रिभुवन जायसवाल के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनकी बेटी को नया जीवन मिला है।

ई-चालान भुगतान के लिए केवल विभागीय वेबसाइट का ही करें उपयोग, फर्जी लिंक एवं साइबर ठगी से रहें सावधान

कवर्धा। छत्तीसगढ़ राज्य में ई-चालान से संबंधित साइबर धोखाधड़ी के मामले सामने आने के बाद परिवहन विभाग ने आम नागरिकों से सतर्क रहने की अपील की है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि कुछ साइबर अपराधी परिवहन विभाग की वेबसाइट की हूबहू नकल (क्लोन पेज) तैयार कर फर्जी ई-चालान संबंधी संदेश भेज रहे हैं और लोगों को ट्रैफिक नियम उल्लंघन का भय दिखाकर उनकी व्यक्तिगत एवं बैंकिंग जानकारी प्राप्त कर आर्थिक नुकसान पहुंचा रहे हैं। जिला परिवहन अधिकारी गौरव पाटले ने बताया कि साइबर ठग मोबाइल पर संदेश या लिंक भेजकर ई-चालान भुगतान के नाम पर लोगों को फर्जी वेबसाइट पर ले जाते हैं, जहां उनकी गोपनीय जानकारी और बैंक खाते से संबंधित विवरण हासिल कर ठगी की जाती है। उन्होंने नागरिकों से अपील की है कि किसी भी संदिग्ध लिंक पर क्लिक न करें तथा ई-चालान भुगतान के लिए केवल परिवहन विभाग की अधिकृत वेबसाइट का ही उपयोग करें। उन्होंने बताया कि अपने वास्तविक ई-चालान की जानकारी प्राप्त करने के लिए नागरिक विभाग की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर ई-चालान अनुभाग में उपलब्ध ''पे ऑनलाइन'' विकल्प का उपयोग करें। वहां चालान क्रमांक एवं कैप्चा कोड दर्ज कर ''गेट डिटेल'' पर क्लिक करने के पश्चात मोबाइल पर प्राप्त ओटीपी के माध्यम से चालान संबंधी जानकारी सुरक्षित रूप से प्राप्त की जा सकती है। जिला परिवहन अधिकारी ने बताया कि पुलिस एवं परिवहन विभाग के प्रवर्तन अमले द्वारा जारी किए गए सभी वैध ई-चालानों की सूचना पंजीकृत मोबाइल नंबर पर विभाग की अधिकृत प्रणाली के माध्यम से ही भेजी जाती है। विभाग कभी भी किसी व्यक्ति से निजी खाते या अज्ञात माध्यम से भुगतान करने के लिए नहीं कहता। परिवहन विभाग ने नागरिकों से अपील की है कि किसी भी अज्ञात व्यक्ति, कॉल, संदेश, लिंक अथवा मोबाइल एप्लीकेशन के माध्यम से भुगतान न करें।

दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर कल्याण योजना से जिले के 20 हजार से अधिक हितग्राही हो रहे लाभान्वित

आर्थिक संबल से मजबूत हो रहे भूमिहीन परिवार

कवर्धा। ग्रामीण परिवारों के जीवन में आर्थिक सुरक्षा और सम्मान का नया भरोसा बनकर उभरी दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर कल्याण योजना कबीरधाम जिले में हजारों जरूरतमंद परिवारों के लिए बड़ी राहत साबित हो रही है। जिले में 20 हजार से अधिक भूमिहीन कृषि मजदूर परिवार इस योजना से लाभान्वित हो रहे हैं और उन्हें प्रतिवर्ष एकमुश्त 10 हजार रुपए की सहायता राशि सीधे बैंक खातों में प्राप्त हो रही है। इसी योजना से लाभान्वित होकर ग्राम मझगांव निवासी भूमिहीन किसान नरेश लहरे के परिवार के जीवन में सकारात्मक बदलाव आया है। नरेश लहरे भूमिहीन किसान हैं और परिवार की आजीविका के लिए राजमिस्त्री का कार्य भी करते हैं। सीमित आमदनी होने से परिवार की दैनिक जरूरतों, बच्चों की पढ़ाई और घरेलू खर्चों को संतुलित करना कई बार चुनौतीपूर्ण हो जाता था। ऐसे समय में शासन की दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर कल्याण योजना उनके लिए सहारा बनकर सामने आई। योजना के तहत पिछले दो वर्षों में लहरे के बैंक खाते में सीधे 20 हजार रुपए की सहायता राशि प्राप्त हुई। उन्होंने बताया कि इस राशि का उपयोग परिवार की आवश्यक जरूरतों को पूरा करने, घरेलू खर्चों में सहयोग तथा बच्चों की पढ़ाई जैसे महत्वपूर्ण कार्यों में किया गया। इससे आर्थिक दबाव कम हुआ और परिवार को आगे बढ़ने का भरोसा मिला। लहरे ने बताया कि योजना के माध्यम से समय पर मिली सहायता से उन्हें यह विश्वास मिला कि शासन जरूरत के समय उनके साथ खड़ा है। छत्तीसगढ़ सरकार की इस महत्वाकांयोजना का उद्देश्य ऐसे परिवारों को आर्थिक सहयोग देना है, जिनकी आय सीमित है और जिनका जीवन मुख्यतः मजदूरी एवं पारंपरिक कार्यों पर आधारित है। यह सहायता राशि परिवारों के लिए केवल आर्थिक मदद नहीं, बल्कि आत्मविश्वास और सुरक्षा का आधार बन रही है।

कैबिनेट मंत्री लखनलाल देवांगन की अनुशंसा पर विभिन्न निर्माण कार्यों के लिए 1 करोड़ 40 लाख रूपए की प्रशासकीय स्वीकृति

कवर्धा। कलेक्टर गोपाल वर्मा द्वारा कबीरधाम जिले के अलग-अलग ग्रामों में निर्माण कार्या के लिए 1 करोड़ 40 लाख 63400 रूपए की प्रशासकीय स्वीकृति दी गई है। निर्माण कार्य के लिए जनपद पंचायत पंडरिया, मुख्य नगर पालिका अधिकारी कवर्धा और बोड़ला को क्रियान्वयन एजेंसी बनाया गया है। कैबिनेट मंत्री लखनलाल देवांगन की अनुशंसा पर मंच निर्माण कार्य, पी एम सेजेस बोडला में नगर पंचायत बोड़ला राशि 6 लाख रूपए, चबूतरा निर्माण कार्य, वार्ड क्र. 10 में खैरमाता बैगाटोला, बोड़ला राशि 1.3 लाख रूपए, सामुदायिक भवन निर्माण कार्य, वार्ड क्र. 10 में राशि 4.88 लाख रूपए, आहाता निर्माण कार्य, वार्ड नंबर 20 नगर पालिका कवर्धा राशि 3.5 लाख रूपए, सामुदायिक भवन का गोदाम निर्माण कार्य, (सेवा सहकारी समिति मर्या. कवर्धा पंजी. क्र. 26 में) कवर्धा राशि 10 लाख रूपए, सी.सी. रोड निर्माण कार्य, वार्ड क्र. 01 में राजनांदगांव रोड कवर्धा में राशि 5.2 लाख रूपए, सामुदायिक भवन निर्माण कार्य, वार्ड क्र. 17 में कवर्धा राशि 10 लाख रूपए की प्रशासकीय स्वीकृति दी है। इसी तरह सी.सी. रोड निर्माण कार्य, आंगनबाड़ी केन्द्र क्र. 01 से रामाधार रात्रे के घर तक (200 मी.) ग्राम दलपुरवा राशि 9.04 लाख रूपए, सी.सी. रोड निर्माण कार्य, शिव कुमार के घर से झगर यादव के घर तक (200 मी.) ग्राम बोडतराखुर्द राशि 9.039 लाख रूपए, सी.सी. रोड निर्माण कार्य। दिनेश मरावी के घर से फागे सतनामी के घर तक (200 मी.) ग्राम मौहामडवा ग्रा.प.निंगापुर राशि 9.04 लाख रूपए, सी.सी. रोड निर्माण कार्य, तिलक के घर मेनरोड से हर्ष शर्मा के घर की ओर (200 मी.) ग्राम बीजाभाठा ग्रा.प.डबरी राशि 9.04 लाख रूपए।

संक्षिप्त समाचार

अवैध कब्जो के खिलाफ बोलने पर ग्रामीणों ने हुक्का पानी बंद किया-पूरन लाल साहू

रायपुर। पूरन लाल साहू पिता स्व. लक्ष्मीनारायण निवासी ग्राम भुरकोनी, पोस्ट-टेकारी, थाना-अभनपुर, जिला-रायपुर निवासी ने प्रेस क्लब रायपुर में आयोजित पत्रकारवार्ता में बताया की उन्हनो स्वंय की लगानी जमीन पर तार-घेरा किया था जिसे हटाने के लिये दिनांक 03 अगस्त 2025 को ग्राम वासियों द्वारा उनके नाम पर आबंटित पट्टे की भूमि के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराये जबकि गांव अन्य निवासी शेष नारायण साहू, कुंजलाल साहू, नंदकुमार निर्मलकर एवं चन्द्रहास साहू ने शासकीय भूमि में खसरा क्र. 244 एवं 221 मकान बनाकर तार लगा कर अवैध कब्जा किया है. ग्रामीणों द्वारा उनका हुक्का पानी बंद कर दिया गया है वे ग्राम वासियों द्वारा ग्राम से बाहर निकाले गये है एक संबंध में पुलिस अधीक्षक रायपुर, कलेक्टर रायपुर एवं सरपंच रवेली को लिखित में ज्ञापन दिया गया था उसका कोई कार्यवाही नहीं हुई है उन्होने राजस्व मंत्री से इस संबंध में संबंधित दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही करने की मांग की है.

ग्राम आसौंदा में लकड़ी तस्करो के खिलाफ वन विभाग नहीं कर रहा कार्यवाही-सुरेन्द्र वर्मा

रायपुर। ग्राम आसौंदा वि.ख. तिलदा खरोरा क्षेत्र के अंतर्गत आता है यहां पर लम्बे समय से अवैध लकड़ी तस्करो द्वारा शीतला मंदिर क्षेत्र नर्सरी परिसर में बड़े पैमाने पर अर्जुन, कहुआ, नीम इमली, बहेड़ा, करही, कसही एवं अन्य बहुमूल्य प्रजाति की लकड़ियो को तस्करो द्वारा बड़े पैमाने पर अवैध कटाई कर बेचा जा रहा है के संबंध में जनपद उपाध्यक्ष श्रीमती दुलारी के पति सुरेन्द्र वर्मा द्वारा वन मंडला अधिकारी एवं रेंजर द्वारा कोई कार्यवाही नहीं की जा रही है ग्राम वासियों ने शासन से मांग की है कि वन विभाग द्वारा पूरी जांच रिपोर्ट को सार्वजनिक किया जाये, अवैध भट्टा संचालन करने वाले जितेन्द्र चंद्राकर एवं अन्य भट्ठा मालिकों के खिलाफ जब्त लकड़ी की वास्तविक कीमत बताई जाये एवं अवैध रूप से भट्टा संचालको एवं अवैध लकड़ी तस्करो के खिलाफ मामला संज्ञान में लेकर उच्चाधिकारी कड़ी कार्यवाही करें.

नाबालिग के साथ गैंग रेप का विरोध करने पर पत्रकार एवं ग्रामीण कांग्रेस के महासचिव की गिरफ्तारी अवैधानिक

रायपुर। सिलयारी क्षेत्र अंतर्गत 18 अप्रैल को नाबालिग 14 वर्षीय लड़की के साथ सामूहिक गैंग रेप का विरोध करने पर तत्कालीन सिलयारी थाना प्रभारी जितेन्द्र दुबे द्वारा पत्रकार मोहम्मद सैंफी एवं कांग्रेस महासचिव ग्रामीण सूरज सिंह ठाकुर को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया मामले को लेकर रायपुर ग्रामीण की पुलिस अधीक्षक को श्वेता सिन्हा को ज्ञापन सौपने पर पुलिस की लापरवाही प्रमाणित होने पर सिलयारी थाना प्रभारी जितेन्द्र दुबे को निर्लंबित किया गया मामले में उक्त दोनों वाताकारों ने प्रेस क्लब रायपुर पहुंच कर पत्रकारवार्ता लेते हुये बताया की उक्त मामले में तीन आरोपी थे जिसमें से दो को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है जबकि तीसरा वार्ताकारों के आरोपानुसार पैसा खिलाकर खुलेआम घूम रहा है उक्त मामले को उठाने पर पुलिस द्वारा बिना किसी सबूत के उनकी गिरफ्तारी अवैधानिक है. उस्मान सैंफी ने पत्रकारवार्ता में कहां की पत्रकार होने के नाते उन्होने सच का साथ दिया है इसलिए पुलिस ने दुर्भावनागत उन्हे गिरफ्तार किया है सैंफी के अनुसार लगातार प्रदेश में पत्रकारो के साथ सत्य निष्ठा से लेखन करने के कारण पुलिस द्वारा दुर्व्यवहार की घटनाएं सामने आ रही है. कांग्रेस महासचिव ग्रामीण सूरज सिंह ठाकुर एवं पत्रकार उस्मान सैंफी ने बताया की नाबालिग के दादा के ऊपर पुलिस द्वारा दबाव डालकर 1 लाख 30 हजार रूपये देकर दोषियों द्वारा मामले को थाने से वापस लेने के लिये कहां गया है, वे नाबालिग लड़की को न्यालय से इंसाफ दिलाने के लिये लड़ते रहेंगे.

लाख की उठाईगिरी का खुलासा, जशपुर से शातिर आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। तमनार थाना पुलिस ने बैंक के बाहर हुई 2 लाख रुपये की उठाईगिरी के मामले में बड़ी सफलता हासिल करते हुए एक शातिर आरोपी को जशपुर जिले से गिरफ्तार किया है। आरोपी बैंक से रकम निकालने वाले लोगों की रेकी कर उनकी मोटरसाइकिल की डिक्की तोड़कर चोरी की वारदात को अंजाम देता था। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल, चोरी की रकम से खरीदी गई नई बाइक तथा डिक्की तोड़ने में इस्तेमाल लोहे के औजार बरामद किए हैं।जानकारी के अनुसार ग्राम गौरबहरी निवासी लोकेश्वर पटेल ने 8 जून को तमनार स्थित अपेक्स बैंक से 2 लाख रुपये निकालकर अपनी मोटरसाइकिल की डिक्की में रखे थे। तहसील कार्यालय में कार्य के दौरान अज्ञात बदमाशों ने डिक्की तोड़कर नकदी पार कर दी। मामले में थाना तमनार में अपराध दर्ज कर जांच शुरू की गई।वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शशि ोहन सिंह के निर्देशन में गठित विशेष टीम ने बैंक और आसपास के सीसीटीवी फुटेज का विश्लेषण किया। जांच में नट गिरोह के सदस्य विशाल उर्फ हरि नट और उसके साथी धर्मेन्द्र मीणा उर्फ धर्मेन्द्र नट की संलिप्तता सामने आई।

मुख्यमंत्री ने राजनांदगांव में विकास कार्यों का किया लोकार्पण-भूमिपूजन

किसान समृद्धि के मॉडल के रूप में उभर रहा है राजनांदगांव-साय

- कृषक उन्नति योजना के तहत धान के स्थान पर दलहन-तिलहन की खेती करने वाले किसानों को मिलेगा प्रति एकड़ 15 हजार रुपये का प्रोत्साहन
- सीएम हेल्पलाइन 1076, ई-डिस्ट्रिक्ट सेवाएं और बिजली बिल समाधान योजना से जनता को मिल रही राहत

रायपुर/ संवाददाता

किसानों की समृद्धि, गांवों का विकास और नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसी संकल्प के साथ राज्य सरकार प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की गारंटी को धरातल पर उतारते हुए प्रदेश में विकास और सुशासन के नए अध्याय लिख रही है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने आज राजनांदगांव के स्टेट हाई स्कूल मैदान में आयोजित प्रगतिशील किसान सम्मेलन एवं लोकार्पण-भूमिपूजन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह बात कही। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह विशेष रूप से उपस्थित थे। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने राजनांदगांव जिले को 510 करोड़ 89 लाख रुपये से अधिक की लागत के 333 विकास कार्यों की सौगात दी। उन्होंने शिवनाथ नदी के मोहारा मेला स्थल से ऑक्सीजन जोन तक सस्पेंशन ब्रिज, ईरा एनीकट निर्माण एवं संरक्षण कार्य, कुमरदा-गेंदाटोला-कल्लूबंजारी मार्ग निर्माण तथा घुमरिया व्यपवर्तन जीर्णोद्धार जैसे महत्वपूर्ण कार्यों की भी घोषणा की। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राजनांदगांव जिले ने फसल चक्र परिवर्तन और जल संरक्षण के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किया है। यहां किसानों को पारंपरिक खेती के साथ दलहन, तिलहन एवं अन्य लाभकारी फसलों की ओर प्रेरित किया गया है, जिसके सकारात्मक परिणाम दिखाई दे रहे हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि खरीफ 2026 से कृषक उन्नति योजना के तहत धान के स्थान पर दलहन, तिलहन अथवा अन्य फसल लेने वाले किसानों को प्रति एकड़ 15 हजार रुपये की आदान सहायता राशि प्रदान की जाएगी। इससे किसानों को फसल विविधीकरण के लिए प्रोत्साहन मिलेगा और उनकी आय में वृद्धि होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, कृषक उन्नति योजना, समर्थन मूल्य पर धान खरीदी और अन्य किसान हितैषी योजनाओं के माध्यम से किसानों को आर्थिक सुरक्षा प्रदान की जा रही है। राज्य सरकार किसानों को खेती के लिए आवश्यक खाद और बीज समय पर उपलब्ध कराने के लिए भी प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि सुशासन को मजबूत बनाने के लिए राज्य सरकार ने सीएम हेल्पलाइन 1076 प्रारंभ की है, जहां नागरिक अपनी समस्याएं दर्ज कराकर निर्धारित समय-सीमा में समाधान प्राप्त कर सकते हैं। इसी प्रकार ई-डिस्ट्रिक्ट प्रणाली के माध्यम से आय, जाति, निवास सहित विभिन्न विभागों की 400 से अधिक सेवाएं घर बैठे उपलब्ध कराई जा रही हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री बिजली बिल समाधान योजना के माध्यम से जरूरतमंद उपभोक्ताओं को राहत प्रदान की जा रही है। वहीं प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के जरिए आम नागरिकों को बिजली बिल से दीर्घकालिक राहत देने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने लोगों से अपने घरों में रूफटॉप सोलर लगाने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य केवल विकास कार्यों का निर्माण नहीं, बल्कि प्रत्येक परिवार तक शासन की योजनाओं का लाभ पहुंचाना है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की मंशा के अनुरूप आवास, बिजली, पानी, सड़क और डिजिटल सेवाओं का विस्तार तेजी से किया जा रहा है।

डिजिटल गवर्नेंस और ग्रासरूट ब्यूरोक्रेसी का बस्तर माडल.....

- जब फाइलें नहीं, बल्कि जनता के द्वार खुद चलकर पहुंचा प्रशासन
- तकनीक और जन-समन्वय से बदला राजस्व सेवाओं का चेहरा,एक पुरानी समस्या का नया समाधान

रायपुर। संवाददाता

प्रशासनिक व्यवस्था में किसी भू-स्वामी की मृत्यु के पश्चात उनके वारिसों के नाम जमीन ट्रांसफर करने यानी फौती नामांतरण को एक बेहद जटिल प्रक्रिया माना जाता रहा है। ग्रामीण अंचलों में जानकारी के अभाव, बिचौलियों के जाल और लंबी कागजी औपचारिकता के कारण ये मामले दशकों तक अदालतों में लटके रहते हैं। इससे न केवल पारिवारिक विवाद बढ़ते हैं, बल्कि कृषि क्षेत्र का विकास भी प्रभावित होता है। इस पारंपरिक ढर्रे को पूरी तरह बदलते हुए छत्तीसगढ़ के जनजातीय बहुल जिले बस्तर ने सुशासन का एक ऐसा सक्रिय माडल प्रस्तुत किया है, जो राज्य के अन्य जिलों के लिए एक मार्गदर्शक केस स्टडी बन सकता है। आमतौर पर राजस्व विभाग में यह परंपरा रही है कि जब पीड़ित परिवार आवेदन लेकर दफ्तर पहुंचता है, तब प्रक्रिया शुरू होती है। बस्तर जिला प्रशासन ने इस रिएक्टिव (प्रतिक्रियात्मक) रवैये को बदलकर प्रोएक्टिव (सक्रिय) रुख अपनाया। प्रशासन ने तय किया कि वह खुद चलकर जनता के दरवाजे तक जाएगा। इस विशेष अभियान के तहत मात्र चार महीनों के भीतर 12 जून 2026 तक संकलित आंकड़ों के अनुसार जिले के 611 गांवों से डेटा जुटाकर, लंबित फौती नामांतरण प्रकरणों का शत-प्रतिशत निराकरण कर भूमि अभिलेखों को अपडेट कर दिया गया है। इस प्रोएक्टिव गवर्नेंस माडल की सफलता केवल फाइलों या डिजिटल पोर्टल तक सीमित नहीं थी।

कोयला चोरी और मिलावट मामले में फरार आरोपी गिरफ्तार

बिलासपुर। सकरी थाना पुलिस ने कोयला चोरी और मिलावट के चर्चित मामले में फरार चल रहे आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी घटना के बाद से लगातार पुलिस की गिरफ्त से बच रहा था, जिसे घेराबंदी कर पकड़ा गया। पुलिस ने आरोपी को न्यायालय में पेश कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है। पुलिस के अनुसार 10 जून 2026 को भाटिया एनर्जी एंड कोल बेनिफिकेशन प्रा. लि. लोखंडी के प्रतिनिधि आर.के. पाण्डेय ने शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में बताया गया था कि दीपका कोल माइंस से मंगाए गए एफजी ग्रेड कोयले की गुणवत्ता जांच के दौरान गड़बड़ी सामने आई। जांच में पाया गया कि ट्रेलरों में लाया गया कोयला निर्धारित ग्रेड का नहीं था। ट्रेलर चालकों से पूछताछ में खुलासा हुआ कि कोयले की चोरी कर उसमें मिलावट की गई थी।

विभागीय सचिवों की ली उच्च स्तरीय बैठक

मुख्य सचिव विकासशील ने विभागीय योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की....

रायपुर/ संवाददाता

मुख्य सचिव श्री विकासशील ने आज यहां मंत्रालय महानदी भवन में राज्य शासन के समस्त विभागों के भार सादक सचिवों की बैठक ली। बैठक में विभागों के महत्वपूर्ण कार्यों एवं योजनाओं के क्रियान्वयन एवं प्रगति की समीक्षा की। मुख्य सचिव सभी ऑनलाइन सेवाओं को सेवा सेतु में लाने के लिए कार्यवाही करने के निर्देश अधिकारियों को दिए है। मुख्य सचिव ने आगामी 13 जुलाई से 17 जुलाई 2026 तक आयोजित छत्तीसगढ़ विधानसभा सत्र के लिए विभागों के अंतर्गत सभी जरूरी तैयारियों के साथ विभागीय अधिकारियों को विधानसभा में उपस्थित रहने के निर्देश दिए है। मुख्य सचिव ने विभागीय अधिकारियों को शासन के सर्वोच्च प्राथमिकता वाले कार्यों को वरीयता देने के निर्देश दिए है। मुख्य सचिव ने योजनाओं के क्रियान्वयन एवं प्रगति की लगातार मानिटरिंग करने के निर्देश दिए है। बैठक में ई-ऑफिस, लोक सेवा गारंटी, नियद नेल्लानार डेसबोर्ड, सुघ्घर छत्तीसगढ़, पीएम प्रगति पोर्टल, ई-प्रगति सीजी स्टेट पोर्टल, डी रेगुलेशन ई-गजट, सेवा सेतु, मनरेगा, पीएम सूर्य घर बिजली सहित अन्य महत्वपूर्ण योजनाओं की प्रगति के बारे में अधिकारियों से जानकारी ली गई। मुख्य सचिव ने अधिकारियों को विभागों के अंतर्गत रिक्त पदों की सूची अद्यतन करने एवं कर्मचारी चयन मंडल के कार्यों की प्रगति की विस्तार से जानकारी सामान्य प्रशासन विभाग के अधिकारियों से ली। बैठक में गृह एवं जेल विभाग की प्रमुख सचिव श्रीमती निहारिका बारिक सिंह, विधि एवं विधायी विभाग की प्रमुख सचिव श्रीमती सुषमा सावंत, आदिम जाति विकास विभाग के प्रमुख सचिव श्री सोनमणि बोरा, महिला एवं बाल विकास विभाग की प्रमख सचिव श्रीमती शहला निगार, मुख्यमंत्री एवं लोक निर्माण विभाग के सचिव श्री मुकेश कुमार बंसल।

महाराष्ट्र सरकार अपनाएगी छत्तीसगढ़ का धान खरीदी मॉडल:परिणय फुके

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ की धान खरीदी व्यवस्था के अध्ययन करने आए महाराष्ट्र सरकार के विधायक प्रतिनिधियों एवं अधिकारियों के दल ने कहा कि यहां के धान खरीदी मॉडल का विस्तृत रूप से अध्ययन कर इस पूरी प्रणाली को महाराष्ट्र सरकार को भी अपनाने के लिए सुझाव देंगे। विधायक दल समिति के अध्यक्ष डॉ परिणय फुके ने कहा कि छत्तीसगढ़ की धान खरीदी व्यवस्था की इस प्रणाली को अपनाने के लिए सरकार को भी रिपोर्ट सौंपेंगे। छत्तीसगढ़ की धान खरीदी वास्तव में किसान हितैषी है। प्रतिनिधियों ने किसानों के पंजीयन से लेकर विक्रय तक की व्यवस्थाएं जैसे ऑनलाईन टोकन व्यवस्था, इलेक्ट्रानिक तौल, सिस्टमेटिक मॉनिटरिंग, बारदाना खरीदी, नजदीकी धान उर्पाजन केन्द्रों सहित धान खरीदी व्यवस्था में लिकेज और गड़बड़ी को रोकने के लिए शुरू की गई इंटिग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर की प्रशंसा की। गौरतलब है कि खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री दयाल दास बघेल की अध्यक्षता में आज अटल नगर नवा रायपुर स्थित नवीन विश्राम भवन के कॉन्फ्रेंस हाल में छत्तीसगढ़ धान खरीदी प्रणाली की अध्ययन करने महाराष्ट्र से आए विधायकों एवं अधिकारियों के प्रतिनिधि मंडल के साथ बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में खाद्य मंत्री दयाल दास बघेल ने कहा कि धान खरीदी सरकार के लिए फायदे का सौदा नहीं बल्कि किसानों का हित ही एक मात्र उद्देश्य है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में हमारी सरकार किसानों को सहूलियत प्रदान करने के लिए तत्परता के साथ कार्य कर रही है। हमारी सरकार द्वारा लिए गए नीतिगत फैसलों से प्रदेश के किसानों की आर्थिक समृद्धि बढ़ी है और रहन-सहन में बदलाव हुआ है। उन्होंने धान खरीदी व्यवस्था के संबधों में विस्तार से जानकारी दी। बैठक में धान खरीदी व्यवस्था पर विस्तार पूर्वक चर्चा की गई। चर्चा के दौरान मंत्री बघेल ने छत्तीसगढ़ में धान खरीदी व्यवस्था, किसानों के हित में संचालित योजनाओं, कृषि क्षेत्र में किए जा रहे सुधारों तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने के लिए किए जा रहे प्रयासों के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। मंत्री बघेल ने कहा कि छत्तीसगढ़ कृषि प्रधान राज्य है और यहां की बड़ी आबादी खेती-किसानी पर निर्भर है।

रायपुर कोर्ट में पकड़या फर्जी वकील, जमानत दिलाने के नाम पर ठगे 10 हजार रुपए

रायपुर। राजधानी रायपुर के न्यायालय परिसर में एक फर्जी वकील का मामला सामने आया है। अधिवक्ता संघ प्रबंधकारिणी की सतर्कता से आरोपी को पकड़कर सिविल लाइन्स पुलिस के हवाले किया गया। आरोपी खुद को अधिवक्ता बताकर लोगों से संपर्क कर रहा था और कानूनी मामलों में मदद के नाम पर रकम वसूल रहा था।जानकारी के अनुसार, आरोपी ने अपनी पहचान हरीश डहरिया के रूप में बताई थी और न्यायालय परिसर में वकालत से जुड़े कार्य करता पाया गया। संदेह होने पर अधिवक्ता संघ ने उससे शैक्षणिक और पेशेवर दस्तावेज मांगे। जांच में उसकी असली पहचान मनीष कुर्रे के रूप में सामने आई।अधिवक्ता संघ के पदाधिकारियों ने बताया कि आरोपी ने अपने विजिटिंग कार्ड और व्हाट्सएप प्रोफाइल पर खुद को वकील दर्शा रखा था। जांच के दौरान यह भी पता चला कि उसने एक पक्षकार से जमानत कराने के नाम पर 10 हजार रुपए लिए थे।पूछताछ में आरोपी ने दावा किया था कि वह बीए, बीकॉम, एलएलबी और एलएलएम की डिग्रीधारी है, लेकिन वह किसी भी दावे के समर्थन में वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका। उसके आधार कार्ड में उम्र मात्र 20 वर्ष दर्ज पाई गई।पूछताछ के दौरान आरोपी ने यह भी स्वीकार किया कि उसके साथ पांच अन्य लोग जुड़े हुए हैं।

मुख्यमंत्री के निर्देश लगातार कार्रवाई से अवैध खनन गतिविधियों पर लग रहा है प्रभावी अंकुश

- बलौदाबाजार में 6 क्रशर सीलबंद, सारंगढ़-बिलाईगढ़ में अवैध रेत उत्खनन में प्रयुक्त चौन माउंटेन जब्त
- ड्रोन सर्वे के माध्यम से की गई जांच, खनिज विभाग की केंद्रीय उड़नदस्ता टीम ने की बड़ी कार्रवाई

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य में अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण के विरुद्ध लगातार कार्रवाई हो रही है। शासन की मंशा खनिज संसाधनों के संरक्षण, उनके नियमानुसार उपयोग तथा अवैध गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश सुनिश्चित करने की है। इसी कड़ी में खनिज साधन के विभाग के सचिव और संचालक के निर्देशानुसार केंद्रीय खनि उड़नदस्ता की संयुक्त टीम ने प्राप्त शिकायतों के आधार पर 21 एवं 22 जून 2026 को विभिन्न जिलों में औचक निरीक्षण एवं जांच अभियान चलाकर कार्रवाई की। इस दौरान जिला बलौदाबाजार के ग्राम खपरीडीह में गौण खनिज निम्न श्रेणी चूनापत्थर से संबंधित स्वीकृत अस्थायी भंडारण अनुज्ञप्ति स्थलों एवं खदानों का निरीक्षण किया गया। जांच में विभिन्न प्रकार की अनियमितताएं पाए जाने पर 06 क्रशर इकाइयों को सीलबंद किया गया तथा संबंधित संचालकों को जवाब प्रस्तुत करने हेतु नोटिस जारी किए गए। इसी प्रकार जिला सारंगढ़-बिलाईगढ़ के ग्राम दहिदा में महानदी क्षेत्र का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान एक चौन माउंटेन मशीन द्वारा अवैध रूप से रेत उत्खनन किया जाना पाया गया। खनिज अधिनियम के प्रावधानों के तहत उक्त मशीन को जब्त कर आगामी आदेश तक सीलबंद किया गया। मशीन को मशीन ऑपरेटर की सुपुर्दगी में दिया गया है तथा मशीन स्वामी को नोटिस जारी कर जवाब प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। उक्त सभी स्थलों की जांच एवं सत्यापन ड्रोन सर्वेक्षण तकनीक के माध्यम से भी किया गया, जिससे खनन गतिविधियों का सटीक आकलन सुनिश्चित किया जा सके। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा है कि प्रदेश में अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण की गतिविधियों को किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण तथा खनिज संपदा के नियमानुसार उपयोग को सुनिश्चित करने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है और नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी।

प्रदेश का सबसे मॉडल शहर बनेगा रायगढ़ : वित्तमंत्री ओ.पी. चौधरी

शहर में चल रहे विकास कार्यों का किया निरीक्षण गुणवत्ता और समय-सीमा पर दिया विशेष जोर.....

- मरीन ड्राइव, आईएसबीटी, ऑक्सीजोन और जल संरक्षण परियोजनाओं का लिया जायजा

रायपुर/ संवाददाता

वित्त मंत्री एवं रायगढ़ विधायक श्री ओ.पी. चौधरी ने सोमवार को रायगढ़ नगर निगम क्षेत्र में संचालित विभिन्न महत्वाकांक्षी विकास परियोजनाओं का निरीक्षण कर कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने मरीन ड्राइव, अंतर्राज्यीय बस स्टैंड (आईएसबीटी), एफसीआई ऑक्सीजोन, मिट्ठुमुड़ा तालाब, किसान राइस मिल ऑक्सीजोन तथा कयाघाट पुल सहित कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं का स्थल पर पहुंचकर अवलोकन किया और अधिकारियों को गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय-सीमा में कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान वित्त मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि रायगढ़ को प्रदेश के सबसे आधुनिक, सुव्यवस्थित और सुविधासंपन्न शहर के रूप में विकसित करना उनका संकल्प है। उन्होंने कहा कि सड़क, परिवहन, पर्यावरण, जल संरक्षण और नागरिक सुविधाओं से जुड़ी ये परियोजनाएं पूर्ण होने के बाद रायगढ़ विकास का नया मॉडल बनकर उभरेगा। प्रगति नगर स्थित निर्माणाधीन मरीन ड्राइव का निरीक्षण करते हुए वित्त मंत्री ने कार्यों की गुणवत्ता और प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने मुख्य बॉक्स कल्वर्ट एवं डायवर्सन निर्माण कार्य समय पर पूरा होने पर संतोष व्यक्त किया और संबंधित एजेंसियों की सराहना की।उन्होंने कहा कि मरीन ड्राइव केवल यातायात सुविधा का माध्यम नहीं, बल्कि रायगढ़ की नई पहचान बनने जा रही है। इससे शहर की सुंदरता बढ़ेगी, यातायात व्यवस्था सुगम होगी तथा नागरिकों को एक आकर्षक सार्वजनिक स्थल भी मिलेगा। उन्होंने अधिकारियों को आगामी नवंबर तक परियोजना पूर्ण करने के निर्देश दिए। वित्त मंत्री ने निर्माणाधीन अंतर्राज्यीय बस स्टैंड (आईएसबीटी) का निरीक्षण करते हुए कहा कि यह परियोजना आगामी चार दशकों की जरूरतों को ध्यान में रखकर विकसित की जा रही है।

संपादकीय

सुरक्षित नहीं बचपन, अस्पतालों तक पहुंचा बाल तस्करी का संगठित कारोबार

सवाल है कि मानव तस्करी के खिलाफ सख्त कानून के बावजूद इससे जुड़े गिरोह आसानी से बच्चों का अपहरण कर उनकी खरीद-फरोख्त कैसे करते हैं? इसमें दोराय नहीं कि यह पुलिस व्यवस्था और निगरानी तंत्र की लापरवाही और कर्तव्य में कोताही का ही नतीजा है।सरकार के तमाम दावों के बावजूद देश में बाल तस्करी पर अंकुश नहीं लग पा रहा है। इसका जाल देश के भीतर ही नहीं, बल्कि सीमा पार तक फैला हुआ है। विभिन्न राज्यों में सक्रिय गिरोह छोटे बच्चों से लेकर नवजात शिशुओं का अपहरण करते हैं और बाद में उनकी खरीद-फरोख्त की जाती है। हैरत इस बात की है कि इन आपराधिक गतिविधियों में ऐसे लोगों के नाम भी सामने आ रहे हैं, जो लोगों का जीवन बचाने के पेशे से जुड़े हुए हैं।दिल्ली में गुरुवार को बाल तस्करी करने वाले एक अंतरराज्यीय गिरोह का पर्दाफाश होना बड़ी सांठगांठ की ओर इशारा करता है। पुलिस का दावा है कि इस गिरोह में एक चिकित्सक एवं अस्पताल का मालिक भी शामिल है, जो निन्संतान दंपतियों में से संभावित खरीदारों की पहचान करता था। अगर देश की राजधानी के किसी अस्पताल में ही इस तरह की आपराधिक गतिविधियों को अंजाम दिया जा रहा है, तो दूसरे शहरों में कानून-व्यवस्था की स्थिति क्या होगी, इसका अंदाजा सहज ही लगाया जा सकता है।सवाल है कि मानव तस्करी के खिलाफ सख्त कानून के बावजूद इससे जुड़े गिरोह आसानी से बच्चों का अपहरण कर उनकी खरीद-फरोख्त कैसे करते हैं? इसमें दोराय नहीं कि यह पुलिस व्यवस्था और निगरानी तंत्र की लापरवाही और कर्तव्य में कोताही का ही नतीजा है। दिल्ली पुलिस ने बाल तस्करी में जिन तेरह आरोपियों को गिरफ्तार किया है, वे काफी समय से विभिन्न राज्यों में सक्रिय थे। वे बच्चों का अपहरण कर उन्हें दिल्ली लाते थे और यहां एक निजी अस्पताल में उन्हें रखा जाता था। पुलिस के मुताबिक, यह गिरोह पिछले डेढ़ साल में तीस से अधिक बच्चों को बेच चुका है।सवाल यह भी कि पुलिस को इस गिरोह की भनक पहले क्यों नहीं लग पाई? क्या पुलिस का निगरानी एवं खुफिया तंत्र इतना कमजोर है कि उसे अस्पताल जैसे सार्वजनिक संस्थानों में चल रही आपराधिक गतिविधियों की भी जानकारी नहीं मिल पाती है? जाहिर है कि जब तक पुलिस प्रणाली को चुस्त-दुरुस्त और जवाबदेह नहीं बनाया जाएगा, तब तक किसी भी तरह के अपराध पर अंकुश नहीं लग पाएगा।

भारत 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने का संकल्प लेकर चल रहा है, लेकिन जिस देश में दुनिया की सबसे बड़ी कुपोषित आबादी बसती हो, वहां यह संकल्प किस आधार पर खड़ा होगा? केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से हाल ही में जारी राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-छह के आंकड़े देश में बाल-पोषण की जो तस्वीर प्रस्तुत करते हैं, वह एक साथ कुछ उत्साह और अधिक चिंता का विषय है। यह सर्वेक्षण देश के सैकड़ों जिलों में लाखों परिवारों के बीच कराया गया।

हर तीसरा बच्चा विकास से पीछे, कुपोषण का कुचक्र तोड़ने की सबसे बड़ी चुनौती

(सुनिधि मिश्रा)

इसके निष्कर्ष बताते हैं कि जिन मोर्चों पर सरकारी योजनाओं ने प्रगति दिखाई है, उन्हीं के समांतर पोषण-सूचकांकों की एक परेशान करने वाली तस्वीर भी सामने है। पांच वर्ष से कम आयु के बच्चों में अवरुद्ध विकास अर्थात कद छोटा रहने की दर में पिछले सर्वेक्षण की तुलना में कुछ गिरावट अवश्य आई है, लेकिन इसका सीधा अर्थ यह है कि देश का हर तीसरा बच्चा अपनी उम्र के अनुसार समुचित ऊंचाई नहीं पा सका है।

तीव्र कुपोषण अर्थात कद के अनुपात में कम वजन की स्थिति और भी विकट है। राष्ट्रीय स्तर पर पांच में से एक बच्चा इस अवस्था से पीड़ित है और कुछ राज्यों में तो यह हर चौथे बच्चे तक पहुंच गया है। कम वजन वाले बच्चों की संख्या में भी वास्तविक सुधार नहीं हुआ है। राष्ट्रीय औसत लगभग वहीं ठहरा हुआ है, जहां पिछले सर्वेक्षण में था। तीव्र कुपोषण की यह अवस्था बच्चे की तात्कालिक दुर्दशा का संकेत है, यानी वह इस समय भूखा है, बीमार है और उसके शरीर की मांग के अनुसार उसे भोजन नहीं मिल रहा।

एक पहलू जो विशेष रूप से सोचने को विवश करता है, वह है एनीमिया से संबंधित आंकड़ों की अनुपस्थिति। पिछले सर्वेक्षण ने जब बताया था कि पांच वर्ष से कम आयु के दो-तिहाई से अधिक बच्चे और आधी से अधिक महिलाएं रक्ताल्पता की शिकार हैं, तो वे आंकड़े न केवल चौंकाने वाले थे, बल्कि 'एनीमिया मुक्त भारत अभियान' जैसी महत्त्वाकांक्षी सरकारी योजना की जमीनी विफलता को भी उजागर करते थे। सर्वेक्षण में इन संकेतकों को सूची से ही बाहर कर दिया गया है।

किसी भी लोकतंत्र में सार्वजनिक स्वास्थ्य के आंकड़े नीति-निर्माण का आधार होते हैं। जब वे आंकड़े ही गायब हो जाएं, तो नीति किस आधार पर बनेगी और जनता किस आधार पर जवाब मांगेगी? यह प्रश्न अनुत्तरित नहीं रहना चाहिए।

शिशु पोषण के क्षेत्र में स्तनपान और पूरक आहार की स्थिति भी गंभीर चिंता पैदा करती है। कुछ ही वर्षों में छह माह तक स्तनपान की दर में उल्लेखनीय गिरावट आई है। जो माताएं पहले अपने शिशुओं को पर्याप्त समय तक स्तनपान कराती थीं, उनकी संख्या तेजी से घट रही है। इससे भी अधिक चिंताजनक यह है कि छह से तेईस माह के केवल बारह फीसद बच्चों को ही न्यूनतम स्वीकार्य आहार मिल पा रहा है।

पोषण-विज्ञान बार-बार यह रेखांकित करता है कि जन्म से दो वर्ष की आयु तक के एक हजार दिन बच्चे के शारीरिक और मानसिक विकास की दृष्टि से सर्वाधिक निर्णायक होते हैं। यदि इस अवधि में पोषण कम हो जाए, तो उसकी भरपाई उम्र भर नहीं होती। यह तथ्य इन आंकड़ों को और भी गहरा और कठोर बना देता है।

यह समझना आवश्यक है कि कुपोषण का यह संकट एक समान नहीं फैला है। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों, उच्च और निम्न आय वर्गों, सामान्य और अनुसूचित जाति तथा जनजातीय समुदायों के बीच पोषण की विषमता गहरी है। जो जिले पहले से ही विकास की दौड़ में पीछे हैं, वहां बच्चों और महिलाओं के शरीर में खून की कमी भी सबसे अधिक है। कुपोषण के सभी रूप विकट हैं। गरीबी, पिछड़ापन और कुपोषण एक-दूसरे को और गहरा करते हैं।

सवाल यह है कि जब विकास के लाभ इन खाइयों को नहीं पाट पाते, तो राष्ट्रीय औसत किसकी कहानी बयान कर रहा है? कुपोषण को केवल स्वास्थ्य विभाग का विषय मानना उसकी गहराई और व्यापकता को नकारना होगा। एक कुपोषित बच्चे का मस्तिष्क उतना विकसित नहीं हो पाता। विश्व स्वास्थ्य संगठन मानता है कि कुपोषण से होने वाली उत्पादकता की हानि राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था पर भारी बोझ डालती है।

भारत 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने का संकल्प लेकर चल रहा है, लेकिन जिस देश में दुनिया की सबसे बड़ी कुपोषित आबादी बसती हो, वहां यह संकल्प किस आधार पर खड़ा होगा? यह प्रश्न केवल आर्थिक नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय और राष्ट्रीय नैतिकता का भी है।

महंगाई ने निर्धन परिवारों की थाली से दाल, हरी सब्जियां और दूध को और दूर कर दिया है। उधर, बाजार ने गांवों में पोषणरहित प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों की पहुंच सुनिश्चित कर दी है, जिनमें शर्करा और वसा तो भरपूर होती है, लेकिन शरीर के लिए आवश्यक सूक्ष्म पोषक तत्त्व नहीं। सर्वेक्षण-छह स्वयं इस दोहरे बोझ की ओर इशारा करता है। एक तरफ अल्पपोषण और दूसरी तरफ बड़ी संख्या में वयस्कों में मोटापे और मधुमेह की बढ़ती दर।

इसके साथ ही जलवायु परिवर्तन भी खाद्य विविधता पर अप्रत्यक्ष प्रहार कर रहा है। असमान वर्षा और बढ़ते तापमान से छोटे किसानों का उत्पादन प्रभावित होता है।

किशोरियों और गर्भवती महिलाओं के पोषण की अनदेखी की समस्या बेहद गंभीर है। कुपोषित माता से जन्मा शिशु कम वजन का होता है और जन्म के पहले दिन से ही पोषण की कमी का बोझ उठाता है। पिछले सर्वेक्षण ने बताया था कि देश की अधिकांश किशोरियां और गर्भवती महिलाएं रक्ताल्पता से पीड़ित हैं। यह संख्या इतनी बड़ी है कि इसे अपवाद नहीं कहा जा सकता। जब तक किशोरावस्था से लेकर मातृत्व तक के पूरे जीवन-चक्र में पोषण सुनिश्चित नहीं होता, तब तक यह कुचक्र नहीं टूटेगा।

इस परिदृश्य में सरकारी प्रयासों का तटस्थ मूल्यांकन भी आवश्यक है। पोषण अभियान और आंगनबाड़ी के अंतर्गत लाखों केंद्रों को संसाधन और प्रशिक्षण दिए गए हैं। प्रधानमंत्री पोषण योजना के माध्यम से स्कूलों में पका भोजन करोड़ों बच्चों तक पहुंच रहा है। सर्वेक्षण-छह यह भी बताता है कि प्रसव लगभग पूरी तरह संस्थागत हो चुके हैं और बच्चों का टीकाकरण भी संतोषजनक स्तर तक पहुंच गया है। ये उपलब्धियां वास्तविक हैं।

मगर राशन की गुणवत्ता तथा विविधता अभी भी संतोषजनक नहीं है। केवल अनाज और दाल वितरित करने से पोषण नहीं मिलता। इसके लिए परिवार में यह जागरूकता भी होनी चाहिए कि क्या खाना है और क्या नहीं।

इस संकट से पार पाने का रास्ता किसी एक विभाग या किसी एक योजना से नहीं निकलेगा। कृषि, स्वास्थ्य, शिक्षा, महिला एवं बाल विकास और पेयजल-स्वच्छता, इन सभी क्षेत्रों के बीच वास्तविक और क्रियाशील समन्वय बेहद जरूरी है।

स्थानीय और पारंपरिक अनाज जैसे बाजरा, ज्वार, रागी और कोदो की थाली में वापसी तभी संभव होगी, जब वे सस्ते हों और आम लोगों के लिए सुलभ हों। साथ ही उनके पोषण-गुणों के बारे में परिवारों को जानकारी होनी चाहिए। सरकार का 'श्री अन्न' कार्यक्रम सही दिशा में है, लेकिन उसे जन-जागरूकता और बाजार-सुलभता से जोड़े बिना वह नीतिगत घोषणा से आगे नहीं बढ़ पाएगा।

कानून सम्मत 'अनैतिकता' के दौर में भारतीय राजनीति

(रंगनाथ सिंह)

पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी ने पहली बार सरकार बनाकर इतिहास रचा मगर इससे ज्यादा चर्चा तृणमूल कांग्रेस के टूट को लेकर हो रही है। शायद यह पहली बार हो रहा है कि चुनाव के ठीक बाद सत्ता में रहे दल के दो-तिहाई विधायक और सांसद बगावत कर बैठे हों।

ज्यादातर राजनीतिक विश्लेषक टीएमसी विधायक दल और संसदीय दल के टूटने के कानूनी नुक्तों की व्याख्या कर रहे हैं। ऐसा ही एक नुक्ता था, दो-तिहाई संसदीय दल को अलग होने के लिए किसी दल में विलय करना होगा। फिर खबर आयी कि टीएमसी के बागी सांसद एक नामालूम से क्षेत्रीय दल एनसीपीआई में शामिल हो रहे हैं।

इसी तरह की नुक्ताचीनी टीएमसी के बागी विधायक दल के नेता ऋतब्रत बनर्जी को नेता विपक्ष का दर्जा देने को लेकर भी की गयी। राजनीतिक जानकार इस बात की खाल निकाल रहे हैं कि सदन में विधायक दल का नेता चुनने का अधिकार पार्टी का है या विधायक दल खुद ही अपना नेता चुन सकता है।

टीएमसी के अंदर फूट का मुद्दा अभी ठण्डा भी नहीं हुआ था कि शिव सेना (यूबीटी) के अन्दर टूट की खबर आ गयी। शिव सेना चार साल पहले ही टूटी थी। तब पार्टी नेता एकनाथ शिंदे ने पार्टी की कमान और निशान पर नियंत्रण हासिल कर लिया था। पार्टी संस्थापक बालासाहब ठाकरे के बेटे उद्धव ठाकरे के गुट ने अपना नाम शिव सेना - यूबीटी (उद्धव बालासाहब ठाकरे) रखा। अब वह गुट भी टूट गया। शिव सेना के अलावा महाराष्ट्र के एक अन्य दिग्गज शरद पवार की पार्टी एनसीपी में भी टूट हुई और वह दो धड़ों में बँट गयी।

टीएमसी से ठीक पहले आम आदमी पार्टी के राज्य सभा सांसदों की बगावत और भाजपा में विलय का मुद्दा राजनीतिक शुचिता के बजाय दलबदल कानून की नुक्ताचीनी का शिकार हो कर रह गया। इस तरह के मामलों की लिस्ट बनाते जाएँ तो पिछले एक दशक में दस से ज्यादा मामले याद दिलाए जा सकते हैं जिनमें खुली राजनीतिक अनैतिकता को कानूनी नुक्ते से विश्लेषित करने की होड़ लगी रही।

टीएमसी के दो-तिहाई सांसदों द्वारा पार्टी तोड़कर किसी अन्य दल में शामिल होना कानूनी रूप से सही हो तब भी यह नहीं झुठलाया जा सकता है कि इनमें से ज्यादातर टीएमसी के टिकट पर चुनाव जीते थे और उनकी जीत में ममता बनर्जी और उनकी पार्टी का बड़ा योगदान है। चूँकि लोक सभा चुनाव 2029 में होने हैं इसलिए इन नेताओं को तत्काल जनता के बीच जाने का डर नहीं है। कुछ को यह भी भरोसा होगा कि जिस तरह विधान सभा चुनाव में हिन्दुत्व की लहर चली उसी तरह आगामी लोक सभा में भी बंगाल में भगवा लहराएगा। इसलिए इन सांसदों ने कानून-सम्मत अनैतिकता का रास्ता चुन लिया।

भारत विभाजन के बाद जब नए देश के संविधान का निर्माण हुआ तब किसी नीति-निर्माता को इस तरह की स्थिति का अंदाज नहीं था। आजादी मिलने के बाद कई दशकों तक ऐसे किसी कानून की जरूरत नहीं महसूस की गयी। दलबदल कानून संविधान लागू होने के करीब 35 साल बाद राजीव गांधी शासन में बना। मगर दलबदल कानून बनने के बावजूद इस प्रवृत्ति पर रोक नहीं लग सकी क्योंकि जिस समाज में नैतिकता का ह्रास होने लगे वहाँ कानून की सीमा संकुचित हो जाती है।

अब दलबदल नैतिकता या जनता को धोखा देने का मसला नहीं रहा बल्कि कानूनी नुक्ते दुरुस्त रखने का विषय हो चुका है। अगर सारे कानूनी पेंच चुस्त रखें जाएँ तो अपना दल या दूसरे का दल तोड़ने में किसी को संकोच नहीं होता बस सत्ता मिलनी चाहिए। टीएमसी के मामले में भी ऐसा ही हुआ है। टीएमसी समर्थकों के बिफरने पर आलोचकों ने उन्हें याद दिलाया कि साल 2021 में मेघालय कांग्रेस के 17 में से 12 विधायकों ने टीएमसी में अपना विलय कर लिया था। यानी टीएमसी को भी तब नैतिकता की याद नहीं आयी जब दूसरी पार्टी के विधायक अपनी पार्टी तोड़कर उसमें शामिल हो रहे थे। कहना न होगा, वर्तमान भारतीय राजनीति कानून सम्मत अनैतिकता के दौर में जी रही है। लगता है कि किसी नेता या पार्टी की आत्मा पर राजनीतिक शुचिता का बोझ नहीं बचा है। इसलिए अब जनता को ही फैसला करना होगा कि दलबदलुओं को दुबारा वोट देना चाहिए या नहीं!

(यह लेखक के अपने विचार है)

दृष्टिकोण बदलते ही खुलने लगती हैं जीवन की नई संभावनाएं

(संध्या अग्रवाल)

मनुष्य की सबसे बड़ी विशेषता यही है कि वह सीख सकता है और बदल सकता है। हम एक ऐसे दौर में जी रहे हैं जहां तुलना बहुत सहज हो गई है। हम अक्सर जीवन को एक तय कहानी की तरह देखने लगते हैं। जैसे हम वही हैं जो इस समय हैं और हमारे भीतर बदलने की कोई विशेष गुंजाइश नहीं है। हम अपनी पहचान को अपने वर्तमान हालात, उपलब्धियों या असफलताओं के आधार पर स्थिर मान लेते हैं। मगर सच यह है कि मनुष्य का जीवन किसी स्थिर रूप में बंधा हुआ नहीं होता। वह हर दिन अपने विचारों, अनुभवों और निर्णयों से बनता और बदलता रहता है। जीवन केवल घटनाओं का क्रम नहीं, बल्कि उन्हें देखने और समझने की प्रक्रिया भी है।

हम अपने बारे में जो मान लेते हैं, वही धीरे-धीरे हमारे व्यवहार का आधार बन जाता है। यदि कोई व्यक्ति स्वयं को कमजोर मानता है, तो वह चुनौतियों का सामना करने से पहले ही पीछे हटने लगता है। वह जोखिम लेने से बचता है और अवसरों को खो देता है। इसके विपरीत, जो व्यक्ति स्वयं को सीखने और बदलने योग्य मानता है, वह कठिन परिस्थितियों में भी रास्ते खोजने लगता है।यही अंतर आगे चलकर उसके जीवन की दिशा निर्धारित करता है। यहीं से यह समझ विकसित होती है कि जीवन केवल परिस्थितियों का परिणाम नहीं है, बल्कि दृष्टिकोण का भी परिणाम है। कोई समस्या मानकर रुक जाता है, तो कोई उसे अवसर मानकर आगे बढ़ता है।

हम एक ऐसे दौर में जी रहे हैं जहां तुलना बहुत सहज हो गई है। सोशल मीडिया और बाहरी दुनिया की चमक ने हमारे देखने के तरीके को प्रभावित किया है। हम दूसरों के जीवन का वह हिस्सा देखते हैं, जो सबसे बेहतर होता है, लेकिन उसके पीछे छिपा संघर्ष नहीं देख पाते।

परिणाम यह होता है कि हम अपने जीवन को कमतर आंकने लगते हैं और यह मान लेते हैं कि हम पीछे हैं। यह तुलना धीरे-धीरे हमारे आत्मविश्वास को कमजोर करती है। व्यक्ति अपनी क्षमताओं पर संदेह करने लगता है। जबकि वास्तविकता यह होती है कि वह केवल एक अधूरी तस्वीर के आधार पर खुद को परख रहा होता है। यह स्थिति व्यक्ति को अपने वास्तविक स्वरूप से दूर कर देती है।

कई बार हम अपने अतीत के अनुभवों को ही अपनी पहचान बना लेते हैं। कुछ असफलताएं, कुछ गलत निर्णय या कुछ सीमित अवसर हमारे भीतर यह धारणा बना देते हैं कि हम ऐसे ही हैं और इससे आगे नहीं बढ़ सकते। धीरे-धीरे यह धारणा हमारी सोच की सीमा बन जाती है। अगर हम ठहरकर विचार करें, तो यह स्पष्ट होता है कि अतीत केवल एक अनुभव है, अंतिम सत्य नहीं।

मनुष्य की सबसे बड़ी विशेषता यही है कि वह सीख सकता है और बदल सकता है। इतिहास और समाज में ऐसे अनेक उदाहरण मिलते हैं, जहां लोगों ने विपरीत परिस्थितियों के बावजूद अपने जीवन की दिशा बदली है। यह बदलाव किसी चमत्कार से नहीं, बल्कि सोच में आए परिवर्तन से संभव हुआ है।

परिवर्तन का आरंभ भीतर से होता है। जब हम खुद को नए नजरिए से देखने लगते हैं, तो हमारी संभावनाएं भी खुलने लगती हैं। जो बातें पहले असंभव लगती थीं, वे धीरे-धीरे संभव लगने लगती हैं। यह बदलाव एक दिन में नहीं आता, बल्कि छोटे-छोटे प्रयासों और निरंतर अभ्यास से विकसित होता है। जो व्यक्ति हर समस्या को केवल बाधा मानता है, वह जल्दी हार मान लेता है। मगर जो व्यक्ति उसी समस्या को सीख के रूप में देखता है, वह समाधान खोजने का प्रयास करता है। धीरे-धीरे यही प्रयास उसे आगे बढ़ाते हैं और व्यक्ति अपने भीतर नई क्षमताएं विकसित कर लेता है। यहां यह समझना भी जरूरी है कि सकारात्मक दृष्टिकोण का अर्थ समस्याओं को नकारना नहीं है। इसका अर्थ यह है कि हम समस्याओं को स्वीकार करते हुए भी उनसे घबराते नहीं हैं, बल्कि उनका सामना करने की मानसिक तैयारी रखते हैं। यही तैयारी व्यक्ति को मजबूत बनाती है।

हम अक्सर बाहरी बदलावों के पीछे भागते हैं– बेहतर नौकरी, बेहतर साधन, बेहतर माहौल। मगर भीतर का नजरिया नहीं बदलता, तो बाहर की उपलब्धियां भी स्थायी संतोष नहीं दे पातीं। इसके विपरीत, व्यक्ति का दृष्टिकोण संतुलित और सकारात्मक हो, तो वह सीमित परिस्थितियों में भी संतोष और अर्थ खोज सकता है।

इसीलिए जीवन का सबसे महत्त्वपूर्ण प्रश्न यह नहीं है कि हमारे पास क्या है, बल्कि यह है कि हमारे पास जो है, उसे किस दृष्टि से देख रहे हैं। एक ही स्थिति किसी के लिए अभाव बन सकती है और किसी के लिए अवसर। यह पूरी तरह हमारे सोचने के तरीके पर निर्भर करता है।

धीरे-धीरे यही सोच हमारे जीवन का स्वरूप तय करती है। अगर हम खुद को सीमाओं में देखेंगे, तो हमारा जीवन भी सीमित होता जाएगा, लेकिन हम अपने भीतर संभावनाएं देखना शुरू करेंगे, तो जीवन का विस्तार अपने आप होने लगेगा। यही वह बिंदु है, जहां व्यक्ति अपने जीवन की जिम्मेदारी स्वयं लेने लगता है। यह समझना आवश्यक है कि जीवन कोई स्थिर ढांचा नहीं है। यह एक निरंतर बनने और बदलने वाली प्रक्रिया है। इस प्रक्रिया में सबसे महत्त्वपूर्ण भूमिका हमारे विचारों, दृष्टिकोण और निर्णयों की होती है। हम जैसे अपने जीवन को देखते हैं, वैसा ही जीवन धीरे-धीरे हमारे सामने आकार लेने लगता है। आज के समय में, जब मानसिक तनाव, असंतोष और आत्म-संदेह जैसी समस्याएं तेजी से बढ़ रही हैं, यह और भी जरूरी हो जाता है कि हम अपने दृष्टिकोण पर ध्यान दें। केवल बाहरी उपलब्धियों से जीवन संतुलित नहीं होता, बल्कि भीतर की स्पष्टता और संतोष भी उतने ही आवश्यक हैं। अगर हम अपने भीतर सकारात्मक और यथार्थवादी

आदिवासी अधिकारों की सुरक्षा को लेकर 15 सूत्रीय मांग पत्र सौंपा

सर्व समाज प्रमुखों ने राज्यपाल के नाम कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

बीजापुर। जिले के विभिन्न आदिवासी सामाजिक, सांस्कृतिक, युवा एवं जनसंगठनों के प्रतिनिधियों तथा सर्व समाज प्रमुखों ने सोमवार को राज्यपाल के नाम एक संयुक्त ज्ञापन कलेक्टर बीजापुर को सौंपा गया। ज्ञापन में आदिवासी समुदाय के संवैधानिक, सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक अधिकारों के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए ठोस पहल करने की मांग की गई। ज्ञापन में बताया गया कि 6 जून 2026 को रायपुर के वृंदावन हॉल में आयोजित संयुक्त बैठक में सर्वसम्मति से पारित प्रस्तावों के आधार पर यह मांगपत्र तैयार किया गया है। प्रतिनिधियों ने कहा कि छत्तीसगढ़ की बड़ी आबादी आदिवासी समुदाय से संबंधित है तथा राज्य का लगभग 61 प्रतिशत भूभाग पांचवीं अनुसूची क्षेत्र में आता है, इसलिए संविधान प्रदत्त अधिकारों का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाना आवश्यक है। ज्ञापन में प्रमुख रूप से जनगणना में पृथक आदिवासी धर्म कोड की मान्यता, परिसीमन के दौरान आदिवासी प्रतिनिधित्व की सुरक्षा, अनुसूचित क्षेत्रों में स्थानीय युवाओं को रोजगार में प्राथमिकता, आरक्षण व्यवस्था की समीक्षा, निजीकरण पर रोक तथा जल, जंगल और जमीन की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की गई। इसके अलावा आदिवासी भूमि पर अवैध कब्जों की जांच, भू-माफिया नियंत्रण कानून, भूमि अधिग्रहण और खनन परियोजनाओं में ग्राम सभा की अनिवार्य सहमति, खनिज संपदा से होने वाले लाभ में स्थानीय समुदायों की हिस्सेदारी तथा नक्सल मामलों में जेलों में बंद निर्दोष आदिवासी युवाओं की रिहाई की मांग भी प्रमुखता से उठाई गई। ज्ञापन में धर्म परिवर्तन के आधार पर अनुसूचित जनजाति का दर्जा समाप्त करने के किसी भी प्रयास का विरोध, देवगुड़ियों, सरना स्थलों, गोटुल और अन्य पारंपरिक आस्था केंद्रों को कानूनी संरक्षण देने, पेसा कानून एवं वन अधिकार मान्यता अधिनियम (एफआरए) के पूर्ण क्रियान्वयन तथा आदिवासी शिक्षा और मातृभाषा संरक्षण के लिए विशेष कदम उठाने की मांग भी शामिल है। सर्व समाज प्रमुखों ने राज्यपाल से आग्रह किया कि आदिवासी समाज की अस्मिता, स्वशासन, परंपरागत अधिकारों और संवैधानिक सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर आवश्यक हस्तक्षेप करते हुए प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। ज्ञापन सौंपने के दौरान सर्व आदिवासी समाज के जिला अध्यक्ष जग्गूराम तेलामी, कंवर समाज अध्यक्ष कमलेश पैंकरा, गोंड समाज अध्यक्ष पांडुराम तेलाम, मुरिया समाज के पाकलु तेलम, उरांव समाज अध्यक्ष पीआर भगत, तेलगा समाज प्रमुख मंगल रोटेल, महिला प्रभाग की सावित्री हपका, रानी पुनेम, सरोजना ताती, रैनू ओयाम, गुड्डू मोडीयम सहित विभिन्न सामाजिक संगठनों के पदाधिकारी और समाज प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

किसान उत्सव दिवस में स्व-सहायता समूहों और ग्रामीण संस्थाओं ने निभाई सक्रिय भागीदारी

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की 23वीं किस्त जारी किया

बीजापुर। भारत सरकार के ग्रामीण विकास मंत्रालय के ग्रामीण आजीविका प्रभाग ने सभी राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों के राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन को निर्देश जारी कर शनिवार को जून 2026 को आयोजित होने वाले पीएम-किसान उत्सव दिवस को स्व-सहायता समूहों एवं सामुदायिक संस्थाओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश पर बस्तर जिला मुख्यालय सहित सभी विकासखंड में स्व सहायता समूहों ने सहभागिता निभाई। ज्ञात हो कि कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, भारत सरकार द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 20 जून 2026 को पश्चिम बंगाल के तारकेश्वर, हुगली से प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की 23वीं किस्त जारी किया।

इस अवसर को देशभर में पीएम-किसान उत्सव दिवस के रूप में मनाया गया। ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा पीएम-किसान योजना पात्र किसान परिवारों को प्रत्यक्ष लाभ अंतरण के माध्यम से आर्थिक सहायता प्रदान करने वाली केंद्र सरकार की प्रमुख योजना है। इस कार्यक्रम के माध्यम से किसानों को कृषि, आजीविका और ग्रामीण विकास से जुड़ी अन्य योजनाओं की जानकारी पहुंचाने का अवसर मिला।ग्राम पंचायत, ब्लॉक एवं जिला स्तर पर आयोजित कार्यक्रमों में स्व सहायता समूहों सदस्यों, किसान परिवारों, ग्रामीण युवाओं और सामुदायिक संस्थाओं की अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित करने कहा गया था। साथ ही स्व सहायता समूहों की बैठकों, ग्राम संगठनों, सी एल एफ एवं अन्य माध्यमों से कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश थे। जिसके परिपालन में कार्यक्रम के दौरान गांवों, ग्राम पंचायतों और ब्लॉक स्तर पर प्रधानमंत्री के कार्यक्रम के लाइव प्रसारण की व्यवस्था की गई थी जिसमें जिले के कृषि, कृषि आधारित गतिविधियों एवं आजीविका कार्यों से जुड़े स्व-सहायता समूहों के सदस्यों को सक्रिय रूप से शामिल हुए।

ग्राम सभा की अनूठी पहल: रावबेड़ामारी में एक दिन में बने 60 हजार से अधिक सीड बॉल

केशकाल। पर्यावरण संरक्षण और सामुदायिक भागीदारी का अनूठा उदाहरण प्रस्तुत करते हुए केशकाल विकासखंड के रोफरा ग्राम पंचायत अंतर्गत रावबेड़ामारी में एक दिवसीय सीड बॉल निर्माण कार्यशाला का आयोजन किया गया। ग्राम सभा के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों, युवाओं, महिला समूहों और ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए एक ही दिन में 60 हजार से अधिक सीड बॉल तैयार किए। इस कार्यशाला में प्रतिभागियों को जंगलों के पारिस्थितिकी तंत्र, जैव विविधता संरक्षण तथा वनीकरण की वैज्ञानिक विधियों की जानकारी दी गई। राज्य स्तरीय प्रशिक्षक दल के लखन लाल साहू, भुनेश्वर मरकाम, बृजलाल मंडावी और प्रमोद साहू ने बताया कि सीड बॉल एक प्रभावी जापानी वनीकरण तकनीक है, जिसमें मिट्टी, जैविक खाद और स्थानीय प्रजातियों के बीजों को मिलाकर गेंद के आकार में तैयार किया जाता है। वर्षा ऋतु में ये सीड बॉल अंकुरित होकर पौधों में विकसित होते हैं और बंजर क्षेत्रों को हरित बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। मुख्य अतिथि सुनीता कावड़े ने कहा कि ऐसे आयोजन पर्यावरण संरक्षण के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने के साथ लोगों को प्रकृति से जोड़ने का कार्य करते हैं। वहीं पूर्व जनपद सदस्य प्रमिला गोटा ने जंगलों के संरक्षण और उनसे मिलने वाली आजीविका के महत्व पर प्रकाश डाला। इस दौरान ग्राम सभा अध्यक्ष संगीता परचापी, रामनाथ पद्दा, राकेश आचला, जानकी परचापी सहित कई जनप्रतिनिधि एवं सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन राजेश आँचला ने किया। आयोजन को प्रकृति शिक्षण एवं विज्ञान यात्रा दल, बुमियार कृषक उत्पादक प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड, वन मंडल केशकाल तथा नवोदित समाज सेवी संस्था का विशेष सहयोग रहा।

खेती-किसानी सीजन में डीजल की भारी किल्लत विधायक मंडावी ने किसानों के साथ निकाली ट्रैक्टर रैली

खेती-किसानी के मौसम में सरकार किसानों को भरपूर डीजल उपलब्ध कराए- विक्रम मंडावी

बीजापुर। मानसून पूर्व खेती-किसानी के कार्य तेज होने वाले हैं, लेकिन बीजापुर जिले में डीजल की भारी कमी और लगातार बढ़ती कीमतों ने किसानों को गहरी चिंता में डाल दिया है। इस समस्या को लेकर सोमवार को बीजापुर विधायक विक्रम मंडावी ने सैकड़ों किसानों के साथ विशाल ट्रैक्टर रैली निकाली और सरकार से तत्काल पर्याप्त डीजल उपलब्ध कराने की मांग की। रैली नैमेड स्थित नए बस स्टैंड से शुरू हुई। सैकड़ों ट्रैक्टरों की लंबी कतार में शामिल किसान नारेबाजी करते हुए जिला मुख्यालय पहुंचे।

रैली का मार्ग विभिन्न डीजल पंपों के सामने से होकर गुजरा, जहां किसानों ने डीजल उपलब्ध कराने की मांग की। अंत में रैली नए बस स्टैंड पर पहुंचकर सभा और धरना प्रदर्शन में परिवर्तित हो गई।

किसानों की पीड़ा: किसानों ने बताया कि पंपों पर पहुंचने पर संचालक पर्याप्त मात्रा में डीजल नहीं दे रहे हैं। इससे खेती-किसानी के कार्य बुरी तरह प्रभावित हो रहे हैं। किसानों ने कहा, ट्रैक्टर खरीदने के लिए बैंक से कर्ज लेते हैं। खेती से जो आय होती है, उसी से कर्ज चुकाना होता है। लेकिन डीजल ही नहीं मिलेगा तो खेती कैसे करेंगे और फसल कैसे बोएंगे? किसानों का यह भी आरोप है कि सरकार एक तरफ डीजल की सप्लाई नहीं कर रही, वहीं दूसरी ओर कीमतों में लगातार बढ़ोतरी कर रही है, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति और खराब हो रही है। रैली में शामिल लोगों को संबोधित करते हुए विधायक विक्रम मंडावी ने कहा, मानसून आ रहा है। किसानों को खेती-किसानी की तैयारियां करनी हैं, लेकिन अभी तक वे डीजल के लिए धक्के खा रहे हैं। सरकार को बिना किसी परेशानी के किसानों को पर्याप्त मात्रा में डीजल उपलब्ध कराना चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि यह स्थिति बनी रही तो किसानों के साथ मिलकर बड़ा आंदोलन किया जाएगा। इसके साथ ही विधायक विक्रम मंडावी ने किसानों के साथ मिलकर जिला कलेक्टर को एक ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में, जिले के पेट्रोल पंपों पर डीजल की भारी किल्लत है, लंबी-लंबी कतारें लग रही हैं और किसान खरीफफसल की जोताई-बुआई नहीं कर पा रहे हैं।

कलेक्टर को सौंपे गए ज्ञापन में, जिले के सभी पेट्रोल पंपों पर पर्याप्त मात्रा में डीजल उपलब्ध कराये जाने। किसानों को ट्रैक्टरों के लिए पर्याप्त मात्रा में डीजल दिये जाने। आवश्यकता अनुसार किसानों को ड्रमों में डीजल उपलब्ध कराये जाने। कुटरू, गंगालूर, भैरमगढ़, आवापल्ली, बासागुड़ा एवं मद्देड क्षेत्रों में नए पेट्रोल पंप खोले जाने। और वर्तमान में किसानों को पर्याप्त मात्रा में खाद एवं बीज नहीं मिल रहे हैं, इसलिए इनकी भी तत्काल व्यवस्था किए जाने की मांग प्रमुखता से की गई है। इस मौके पर पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष शंकर कुड़ियम, जिला पंचायत सदस्य नीना रावतिया उद्दे, जिला पंचायत सदस्य लच्छू राम मौर्य, पूर्व जिला पंचायत सदस्य बसंत राव ताटी, सोमरू राम कश्यप, दशरत कुंजाम, ज्योति कुमार, नकुल ठाकुर, पुरुषोत्तम सल्लूर, सुनील उद्दे, पुरुषोत्तम खत्री, के जी सत्यम, रमेश यालम, मंगल राना, सोनू पोटाम, शंकर जुमड़े, मनोज यालम, मनोज अवलम, गीता कमल, बबीता झाड़ी, वीरेंद्र ठाकुर, शैलेश मंडावी, महेश हेमला, एजाज़ सिद्दीकी, विजय पाल शाह मंडावी, अखिलेश उप्पल, रतन कश्यप, लक्ष्मण कड़ती, लक्ष्मण कुरसम और जगदेव यादव सहित जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आये बड़ी संख्या में किसान और ग्रामीण उपस्थित थे।

हिड़मा नहीं, असली हीरो हमारे जवान व नक्सलक्षेत्र में कार्य करने वाले पत्रकार हैं: प्रियंका कौशल

सुकमा। शबरी माता जनकल्याण सेवा समिति, जिला सुकमा द्वारा आद्य पत्रकार देवर्षि नारद जयंती के अवसर पर पत्रकार सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिले के दो दर्जन से अधिक पत्रकारों का सम्मान किया गया। इस अवसर पर सीआरपीएफ के डीआईजी अरविंद सिंह राजपुरोहित मुख्य अतिथि, वरिष्ठ पत्रकार प्रियंका कौशल मुख्य वक्ता तथा छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की सदस्य एवं अधिवक्ता दीपिका शोरी, वरिष्ठ समाजसेवी जितेंद्र सिंह भदौरिया, श्रमजीवी पत्रकार संघ के अध्यक्ष पी. राजेंद्र तथा जनसंपर्क अधिकारी सुखसागर बारे विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

बस्तर के सामने चुनौतियां, विभाजनकारी ताकतों से सतर्क रहने की जरूरत : प्रियंका

मुख्य वक्ता वरिष्ठ पत्रकार प्रियंका कौशल ने कहा कि बस्तर आज भी अनेक चुनौतियों का सामना कर रहा है और समाज को विभाजनकारी शक्तियों को पहचानने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि आज कुछ लोग खूंखार नक्सली हिड़मा और उसके परिवार को महिमामंडित करने का प्रयास कर रहे हैं, जबकि असली नायक वे जवान हैं जिन्होंने देश और समाज की रक्षा के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया। उन्होंने सवाल उठाया कि कितने लोग शहीद पुलिस एवं सीआरपीएफ जवानों के परिवारों तक पहुंचे हैं।

देवर्षि नारद से सीखनी चाहिए चार महत्वपूर्ण बातें

प्रियंका कौशल ने कहा कि देवर्षि नारद से पत्रकारों को लोकमंगल की भावना, गतिशीलता, निर्भीकता और विश्वसनीयता का संदेश मिलता है। उन्होंने कहा कि बस्तर के पत्रकारों ने विषम परिस्थितियों में भी पत्रकारिता का धर्म निभाया है। नक्सलवाद के खिलाफ संघर्ष में उनकी भूमिका अविस्मरणीय रही है। कई पत्रकारों ने अपने परिजनों को खोने के बावजूद अपने कर्तव्यों से कभी पीछे नहीं हटे।

नक्सलवाद के खात्मे में मीडिया की भूमिका अहम : डीआईजी राजपुरोहित

सीआरपीएफ के डीआईजी अरविंद सिंह राजपुरोहित ने कहा कि छत्तीसगढ़ से नक्सलवाद के खात्मे में मीडिया की भूमिका को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। मीडिया ने आम जनता को जागरूक करते हुए नक्सलियों की गलत विचारधारा को उजागर किया। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में पत्रकारिता अत्यंत चुनौतीपूर्ण है और समाचारों में तथ्यों की शुद्धता एवं विश्वसनीयता का विशेष ध्यान रखा जाना चाहिए। उन्होंने विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि सुकमा के पत्रकार सकारात्मक पत्रकारिता के माध्यम से समाज और सुरक्षा बलों के बीच सेतु का कार्य कर रहे हैं।

पत्रकार समाज और लोकतंत्र के सशक्त स्तंभ : दीपिका शोरी

छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की सदस्य एवं अधिवक्ता दीपिका शोरी ने कहा कि पत्रकार समाज और लोकतंत्र के सशक्त स्तंभ हैं। जनहित के मुद्दों को प्रमुखता से उठाते हुए पत्रकार निरंतर समाज को जागरूक करने का महत्वपूर्ण कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि देवर्षि नारद को आद्य पत्रकार के रूप में स्मरण करते हुए सत्य, निष्पक्षता और जनसेवा की भावना के साथ कार्य करने का संकल्प लेना चाहिए। उन्होंने पत्रकारों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए सभी को शुभकामनाएं दीं।

मीडिया से समाज को हमेशा रहती है उम्मीद : जितेंद्र सिंह भदौरिया

वरिष्ठ समाजसेवी जितेंद्र सिंह भदौरिया ने कहा कि समाचारों की प्रस्तुति समाज को दिशा देने का कार्य करती है।

आज छोटे से लेकर बड़े मुद्दों तक समाज की अपेक्षाएं मीडिया से जुड़ी हुई हैं। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार देवर्षि नारद संदेशवाहक की भूमिका निभाते थे।

वॉयस ऑफ़बस्तर कार्यक्रम के तहत मिताली वर्मा द्वारा लड़कियों को विभिन्न विषयों की दी जा रहीं हैं जानकारी

किरंदुल। युवा लड़कियों को ज्ञान और आत्मविश्वास से मज़बूत बनाने की कोशिश में, वॉयस ऑफ़बस्तर,जो युवाओं के नेतृत्व वाली एक जागरूकता पहल हैं और जिसे किरन्दुल निवासी मिताली वर्मा ने शुरू किया हैं, सरकारी स्कूलों में लड़कियों के लिए एजुकेशनल सेशन का आयोजन किया जा रहा हैं। यह प्रोग्राम साइबर सिक्योरिटी, संवैधानिक अधिकार, मानवाधिकार, पर्सनल सुरक्षा और डिजिटल ज़िम्मेदारी जैसे ज़रूरी विषयों पर फोकस करता हैं। इन सेशन के दौरान, स्टूडेंट्स को सुरक्षित इंटरनेट प्रैक्टिस,ऑनलाइन फ्रॉड, साइबरबुलिंग से सुरक्षा और पर्सनल जानकारी को सुरक्षित रखने के महत्व के बारे में बताया जाता हैं।यह पहल लड़कियों को उनके संवैधानिक और मानवाधिकारों से भी परिचित कराती हैं,जिससे उन्हें नागरिक के तौर पर उन्हें मिले अधिकारों और सुरक्षा को समझने में मदद मिलती हैं। प्रैक्टिकल सुरक्षा उपायों और रोज़ाना की सावधानियों पर खास ज़ोर दिया जाता हैं,जिन्हें लड़कियां ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों तरह से अपना सकती हैं। इंटरैक्टिव चर्चाओं और असल ज़िंदगी के उदाहरणों के ज़रिए,स्टूडेंट्स को भेदभाव, हिंसा और शोषण के खिलाफ़ बोलने के लिए प्रोत्साहित किया जाता हैं,साथ ही समाज के जानकार और ज़िम्मेदार सदस्य बनने के लिए भी।वॉयस ऑफ़ बस्तर कार्यक्रम का मकसद ग्रामीण और आदिवासी इलाकों में लड़कियों के सामने मौजूद जानकारी की कमी को आसान और काम की जागरूकता शिक्षा देकर पूरा करना हैं।युवा लड़कियों को उनके अधिकारों और सुरक्षा के बारे में जानकारी देकर, इस पहल का मकसद अगली पीढ़ी में आत्मविश्वास, हिम्मत और लीडरशिप बनाना है। मिताली वर्मा का कहना ? हैं कि जागरूकता एम्पावरमेंट की ओर पहला कदम हैं और हर लड़की को ऐसी जानकारी मिलनी चाहिए जो उसे सोच-समझकर फैसले लेने,खुद को बचाने और अपने समुदाय में अच्छा योगदान देने में मदद कर सके।

सुकमा में 'खेती बचाओ अभियान' के तहत जैविक एवं प्राकृतिक खेती कार्यशाला आयोजित

सुकमा। सुकमा जिले में किसानों को प्राकृतिक और जैविक खेती के लिए प्रोत्साहित करने तथा टिकाऊ कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कृषि विभाग एवं कृषि विज्ञान केंद्र (केवीके) सुकमा के संयुक्त तत्वावधान में 'खेती बचाओ अभियान' के तहत एक दिवसीय जैविक एवं प्राकृतिक खेती कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में किसानों ने भाग लेकर आधुनिक एवं प्राकृतिक खेती की तकनीकों की जानकारी प्राप्त की। कार्यशाला में मुख्य अतिथि बस्तर सांसद महेश कश्यप ने विभिन्न शासकीय योजनाओं के तहत किसानों और मत्स्य पालकों को आवश्यक सामग्री वितरित की। इस दौरान 4 मत्स्य पालकों को मत्स्याखेट के लिए आधुनिक जाल एवं आइस बॉक्स प्रदान किए गए, जिससे वे मछलियों का सुरक्षित भंडारण कर बेहतर बाजार मूल्य प्राप्त कर सकेंगे। इसके साथ ही कृषि विभाग द्वारा किसानों को उन्नत एवं उच्च गुणवत्ता वाले बीजों का निःशुल्क वितरण किया गया, जिससे कृषि उत्पादन बढ़ाने और किसानों की आय में वृद्धि करने में सहायता मिलेगी।

बैलाडीला योग समिति के तत्वाधान में मनाया गया अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

किरंदुल। बैलाडीला योग समिति किरंदुल के तत्वाधान में एनएमडीसी किरंदुल परियोजना के विद्यालय के सभागार में रविवार रात 08 बजे योगाभ्यास कर अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। उल्लेखनीय है कि 27 सितंबर 2014 को भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा संयुक्त राष्ट्र संघ में 21 जून को योग दिवस मनाए जाने के संबंध में प्रस्ताव रखे जाने के बाद से 11 दिसम्बर 2014 को संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा इस पर सहमति व्यक्त करते हुए 21 जून 2015 से प्रति वर्ष अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाए जाने की घोषणा की गई थी ।इस ही तारतम्य में बैलाडीला योग समिति किरंदुल के तत्वाधान में किरंदुल परियोजना के सौजन्य से प्रति वर्ष अंतरराष्ट्रीय योग दिवस धूमधाम से मनाया जाता रहा है ।सर्वप्रथम मुख्य अतिथि एनएमडीसी किरंदुल परियोजना के अधिशासी निदेशक रबिन्द्र नारायण ,मुख्य महाप्रबंधक उत्पादन के पी सिंह एवं अन्य अतिथियों ने माँ भारती के तैलचित्र पर दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की । तत्पश्चात स्कूली बच्चों और योग शिक्षकों के द्वारा योग की विभिन्न क्रियाओं का शानदार प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि के करकमलों से योग का उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चों और योग शिक्षकों का सम्मान भी किया गया।इस दौरान एनएमडीसी किरंदुल प्रबंधन के साथ साथ बैलाडीला योग समिति के संरक्षक ए के सिंह , सचिव दिनेश साहू, जितेंद्र गुप्ता ,,नरोत्तम ध्रुव ,मनोज छलिवाल ,छबील साहू विशेष रूप से मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन बैलाडीला योग समिति के सचिव दिनेश साहू ने किया।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस : चिलकुटी और बाबूसेमरा के स्कूलों में गूंजा करो योग, रहो निरोग का नारा

जगदलपुर। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के गरिमामय अवसर पर बस्तर जिले के ग्रामीण अंचल और शैक्षणिक संस्थानों में योग के प्रति जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। विकासखंड जगदलपुर के अंतर्गत आने वाले संकुल केंद्र बाबूसेमरा और ग्राम चिलकुटी के विद्यालयों में विशेष योगाभ्यास कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिसमें शिक्षकों और विद्यार्थियों ने मिलकर स्वास्थ्य और सजगता का संदेश दिया। ग्राम चिलकुटी स्थित शासकीय प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालय में सुबह की ताजी हवा के बीच स्कूल प्रांगण में छात्र-छात्राओं और शिक्षक-शिक्षिकाओं ने एक साथ विभिन्न आसनों और प्राणायाम का अभ्यास किया। इस दौरान बच्चों को योग का महत्व समझाते हुए बताया गया कि योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं है, बल्कि यह मानसिक एकाग्रता बढ़ाने का सबसे सशक्त माध्यम है। शिक्षकों ने बच्चों को योग से होने वाले लाभों की जानकारी देते हुए प्रेरित किया कि नियमित योग करने से रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है, याददाश्त तेज होती है और मौसमी बीमारियों से बचाव होता है। इसके साथ ही विद्यार्थियों को प्रतिदिन कम से कम 15-20 मिनट योग को अपनी दिनचर्या में अनिवार्य रूप से शामिल करने का संकल्प भी दिलाया गया। इसी क्रम में संकुल केंद्र बाबूसेमरा में भी अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर भव्य कार्यक्रम का आयोजन हुआ, जहां संकुल के अंतर्गत आने वाले विभिन्न विद्यालयों के शिक्षकों, कर्मचारियों और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने इस सामूहिक योगाभ्यास में पूरे उत्साह के साथ हिस्सा लिया। विशेषज्ञों के मार्गदर्शन में सभी ने सूर्य नमस्कार, ताड़ासन, वृक्षासन, अनुलोम-विलोम और भ्रामरी प्राणायाम जैसे कई महत्वपूर्ण आसनों का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में उपस्थित वक्ताओं ने इस बात पर विशेष जोर दिया कि आज की भागदौड़ भरी जिंदगी और मानसिक तनाव से मुक्ति पाने के लिए योग एक अचूक औषधि है। विशेषकर स्कूली बच्चों के सर्वांगीण विकास और अनुशासित जीवन शैली के निर्माण में योग की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है, और इस पूरे आयोजन ने न केवल विद्यार्थियों को शारीरिक रूप से जागरूक किया बल्कि बस्तर के ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य के प्रति एक सकारात्मक संदेश भी प्रसारित किया।

संक्षिप्त समाचार

अल नीनो के प्रभाव को देखते हुए किसानों को वैकल्पिक फसल एवं जल संरक्षण उपाय अपनाने की सलाह

बिलासपुर। जिले में इस वर्ष अल नीनो के प्रभाव के कारण मानसून की अनिश्चितता और सामान्य से कम वर्षा की संभावना को देखते हुए कृषि विभाग ने किसानों को वैकल्पिक कृषि रणनीतियां अपनाने की सलाह दी है। विभाग ने किसानों से उपलब्ध वर्षा एवं जल संसाधनों के अनुरूप कम अवधि वाली धान की किस्मों का चयन करने तथा जल संरक्षण तकनीकों को अपनाने का आग्रह किया है। कृषि विभाग ने किसानों को एमटीयू-1010, एमटीयू-1156, एमटीयू-1153 तथा आईआर-64 जैसी कम अवधि वाली धान किस्मों की खेती करने की सलाह दी गई है। साथ ही पारंपरिक रोपाई के स्थान पर डायरेक्ट सीडेड राइस (डीएसआर) अथवा खुर्रा बुवाई जैसी तकनीकों के उपयोग से पानी की बचत करने पर जोर दिया गया है। विभाग ने बताया कि जिन किसानों द्वारा खुर्रा बुवाई की जा चुकी है, वे वर्षा में विलंब की स्थिति में उपलब्ध संसाधनों से हल्की सिंचाई कर बीज अंकुरण सुनिश्चित करें तथा प्रारंभिक अवस्था में खरपतवार नियंत्रण पर विशेष ध्यान दें। यदि लंबे समय तक वर्षा नहीं होती और पुनर्बुवाई की आवश्यकता पड़ती है, तो किसान दन्तेश्वरी, इंदिरा बरानी एवं सहभागी जैसी कम अवधि वाली धान किस्मों का चयन कर सकते हैं। अत्यधिक विलंबित बुवाई की स्थिति में किसानों को खुर्रा बोनी के स्थान पर लेही पद्धति अपनाने तथा रोपाई के लिए बोरवेल अथवा अन्य उपलब्ध सिंचाई स्रोतों की सहायता से नर्सरी तैयार रखने की सलाह दी गई है, ताकि पर्याप्त वर्षा होने पर तुरंत रोपाई की जा सके। कृषि विभाग ने किसानों को धान के साथ-साथ कोदो, कुटकी, रागी, कुल्थी, उड़द, मूंग, तिल, रामतिल और मूंगफली जैसी कम पानी की आवश्यकता वाली फसलों को अपनाने के लिए भी प्रोत्साहित किया है। इसके अलावा उपलब्ध जल संसाधनों का विवेकपूर्ण उपयोग करने तथा स्प्रिंकलर एवं ड्रिप सिंचाई जैसी सूक्ष्म सिंचाई प्रणालियों को बढ़ावा देने की अपील की गई है। विभाग ने किसानों से प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना का लाभ लेने तथा मौसम एवं फसल संबंधी तकनीकी सलाह के लिए कृषि विभाग और कृषि विज्ञान केंद्र के संपर्क में नियमित रूप से बने रहने का आग्रह किया है, ताकि संभावित अल्पवृष्टि अथवा सूखे की स्थिति में फसल नुकसान के जोखिम को कम किया जा सके।

ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम-2026 पर 24 जून को बिलासपुर में एक दिवसीय कार्यशाला

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल, क्षेत्रीय कार्यालय बिलासपुर द्वारा ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम-2026 के प्रभावी क्रियान्वयन एवं जनजागरूकता के उद्देश्य से 24 जून 2026 को एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया है। कार्यशाला दोपहर 12 बजे से देवकीनंदन सभागृह, लाल बहादुर शास्त्री स्कूल परिसर, शनिचरी बाजार, बिलासपुर में आयोजित होगी। क्षेत्रीय कार्यालय से जारी पत्र के अनुसार माननीय उच्चतम न्यायालय में विचाराधीन सिविल अपील प्रकरण में पारित आदेश के परिपालन तथा 1 अप्रैल 2026 से लागू ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम-2026 के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए यह कार्यशाला आयोजित की जा रही है। इसमें नगरीय निकायों, ग्रामीण निकायों, बल्क वेस्ट जनरेटरों तथा ईपीआर (श्वक्क) प्रतिनिधियों सहित विभिन्न हितधारकों को नियमों की जानकारी प्रदान की जाएगी। कार्यशाला में बिलासपुर, मुंगेली, जांजगीर-चांपा, सक्ती तथा गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिलों के संबंधित अधिकारियों एवं प्रतिनिधियों की सहभागिता रहेगी। आयोजन का उद्देश्य ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के नए प्रावधानों, दायित्वों तथा पर्यावरण संरक्षण से जुड़े उपायों के संबंध में जागरूकता बढ़ाना और नियमों के प्रभावी क्रियान्वयन को सुनिश्चित करना है छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल ने सभी संबंधित विभागों एवं हितधारकों से कार्यशाला में अनिवार्य रूप से उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की।

जनदर्शन में सुनी लोगों की समस्याएं

कलेक्टर ने अधिकारियों को दिए त्वरित निराकरण के निर्देश

बिलासपुर। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल के निर्देश पर आज नगर निगम आयुक्त श्री प्रकाश कुमार सर्वे ने जिला कार्यालय में आयोजित साप्ताहिक जनदर्शन में लोगों की समस्याएं सुनी। शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों से आए लोगों ने उनसे मिलकर निजी एवं सामुदायिक शिकायत संबंधी आवेदन दिया। उन्होंने अधिकांश मामलों में मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को परीक्षण कर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इस दौरान एडीएम श्री शिवकुमार बनर्जी एवं जिला पंचायत सीईओ श्री संदीप अग्रवाल ने भी लोगों की समस्याएं सुनी। जनदर्शन में आज तखतपुर विकासखण्ड के ग्राम पंचायत चितावर के सरपंच ने नगर निगम आयुक्त को ज्ञापन सौंपते हुए मीडिल स्कूल में पर्याप्त शिक्षकों एवं अध्ययन सामग्री उपलब्ध कराने की मांग की। उन्होंने कहा कि शिक्षकों की कमी से बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। इस संबंध में पूर्व में भी डीईओ एवं बीईओ कार्यालय में आवेदन दिया गया परंतु आज दिनांक तक समस्या का निराकरण नहीं हो पाया है। मस्तुरी ब्लॉक के ग्राम जेवरा के ग्रामीणों ने सामुदायिक भवन निर्माण के लिए चिन्हित शासकीय भूमि पर कुछ लोगों द्वारा कथित कब्जा किए जाने की शिकायत करते हुए प्रशासन से भूमि मुक्त कराने और सामुदायिक भवन निर्माण की मांग की। ग्राम मेण्ड्रा के वार्ड क्रमांक 3, 4 और 5 के निवासियों ने लंबे समय से खराब विद्युत व्यवस्था का हवाला देते हुए नया ट्रांसफार्मर लगाने की मांग की। ग्रामीणों का कहना है कि पुराने ट्रांसफार्मर पर अधिक भार होने के कारण बार-बार बिजली बाधित हो रही है। बेलगहना तहसील के ग्राम करवां के निवासी रामजी ने बताया कि सुमन गिलहरे द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत मकान का निर्माण कराया जा रहा है। मकान का निर्माण निस्तारी रास्ते पर हो रहा है जिससे आने जाने में

काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने सार्वजनिक आवागमन मार्ग प्रभावित होने की शिकायत करते हुए निर्माण कार्य की जांच और आवश्यक कार्रवाई की मांग की है। बोदरी के नगपुरा की निवासी दुवासा बाई ने परिवार की आर्थिक स्थिति का हवाला देते हुए शासन की योजना के अंतर्गत स्वरोजगार के लिए किराना दुकान खोलने हेतु ऋण उपलब्ध कराने की मांग की है। उन्होंने उद्योग विभाग से लोन दिलाने का आग्रह किया जिससे वह स्वयं का रोजगार कर सके। तखतपुर ब्लॉक के ग्राम बराही निवासी श्री दीपचंद कश्यप ने एक वर्ष से लंबित सीमांकन जल्द करवाने की मांग की। उन्होंने बताया कि विगत एक वर्ष से उनका सीमांकन का प्रकरण लंबित है। विकासखंड के ग्राम छतौना निवासी किसान धनवार साहू ने खेत की सिंचाई के लिए कृषि बिजली कनेक्शन नहीं मिलने पर अपना ज्ञापन नगर निगम कमिश्नर को सौंपा। उन्होंने कहा कि उन्होंने 6 मार्च 2024 को कृषि बिजली कनेक्शन के लिए आवेदन किया था, लेकिन लगभग दो वर्ष बीत जाने के बाद भी कनेक्शन नहीं दिया गया। बिजली कनेक्शन के अभाव में खेतों की सिंचाई प्रभावित हो रही है, जिससे फसल उत्पादन में कमी और आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। बिलासपुर क्षेत्र की पुरानी बस्ती सिरगिट्टी निवासी वृद्ध काशी ने रूकी हुई निराश्रित पेंशन की राशि दिलाने की गुहार लगाई। उन्होंने कहा कि जनवरी 2026 से उन्हें निराश्रित राशि नहीं मिल रही है। जिससे जीवन यापन करना कठिन हो गया है। आज जनदर्शन में आवास, वृद्धावस्था पेंशन और राजस्व संबंधी शिकायतें मिली। नगर निगम आयुक्त श्री सर्वे ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही करने एवं समस्याओं का निराकरण करने के निर्देश दिए।

सघन कुष्ठ खोज अभियान को गति, 38 हजार से अधिक लोगों की हुई जांच.....

बिलासपुर। राष्ट्रीय कुष्ठ उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत जिले में 15 जून से 15 जुलाई 2026 तक सघन कुष्ठ खोज अभियान संचालित किया जा रहा है। जिला प्रशासन के निर्देशानुसार मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. शुभा गरेवाल के निर्देशन तथा जिला कुष्ठ अधिकारी डॉ. रक्षित के मार्गदर्शन में अभियान को प्रभावी ढंग से क्रियान्वित किया जा रहा है। अभियान की प्रगति एवं विभिन्न गतिविधियों की समीक्षा के लिए आज नगर निगम आयुक्त प्रकाश सर्वे की अध्यक्षता में कलेक्टर सभाकक्ष में अंतर्विभागीय समन्वय समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में बताया गया कि कुष्ठ एक जीवाणुजनित रोग है, जिसका समय पर पता लगने और नियमित उपचार से पूर्णतः नियंत्रण एवं विकृति की रोकथाम संभव है।

अभियान के सफल संचालन हेतु विभिन्न विभागों के सहयोग से विकासखंड स्तर पर लक्ष्य आधारित टीमों का गठन किया गया है। स्वास्थ्य कर्मी एवं मितानिन घर-घर पहुंचकर लोगों की जांच कर रहे हैं तथा कुष्ठ रोग के लक्षणों के प्रति जागरूकता भी फैला रहे हैं। अभियान के अंतर्गत अब तक जिले में 38 हजार 220 व्यक्तियों की जांच की जा चुकी है। जांच के दौरान 9 व्यक्तियों को संदेहास्पद चिन्हित किया गया है, जिनकी आगे आवश्यक चिकित्सकीय जांच एवं परामर्श की प्रक्रिया जारी है। जिले में वर्तमान में 372 कुष्ठ रोगी उपचाररत हैं। इनमें 29 असंक्रामक प्रकार के मरीज हैं, जिनका उपचार छह माह तक चलेगा, जबकि 343 संक्रामक प्रकार के मरीजों का उपचार 12 माह तक निर्धारित है। सभी मरीज नियमित उपचार प्राप्त कर रहे हैं। बैठक में नागरिकों से अपील की गई कि यदि शरीर पर सुन्न धब्बे, त्वचा का रंग बदलना या संवेदना में कमी जैसे लक्षण दिखाई दें

टीएल बैठक में योजनाओं की समीक्षा, लंबित आवेदनों के त्वरित निराकरण के निर्देश.........

बिलासपुर। नगर निगम आयुक्त श्री प्रकाश सर्वे ने आज आयोजित टीएल बैठक में शासन की विभिन्न प्राथमिकता एवं फ्लैगशिप योजनाओं की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को लंबित प्रकरणों का शीघ्र निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री संदीप अग्रवाल तथा वनमंडलाधिकारी श्री नीरज भी उपस्थित थे। बैठक में मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, सुशासन तिहार, पीएम पोर्टल, पीजीएन, ई-समाधान, समय-सीमा प्रकरण, जनदर्शन, मुख्यमंत्री घोषणाओं के क्रियान्वयन, पौधारोपण अभियान, खाद-बीज की उपलब्धता एवं वितरण सहित विभिन्न योजनाओं और कार्यक्रमों की विभागवार समीक्षा की गई। आयुक्त श्री सर्वे ने अधिकारियों से प्रगति की जानकारी लेते हुए शेष आवेदनों और शिकायतों का

समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने जिला पंचायत की स्थायी उप समितियों की बैठकें नियमित रूप से आयोजित करने पर जोर देते हुए कहा कि नियमानुसार प्रत्येक दो माह में इन समितियों की बैठक होना आवश्यक है। सभी संबंधित विभाग निर्धारित समय-सीमा में बैठकें आयोजित करना सुनिश्चित करें। बैठक में आयुक्त श्री सर्वे ने बताया कि बिलासपुर जिले को राज्य शासन की महत्वाकांक्षी 'सुग्घर छत्तीसगढ़ योजना' में शामिल किया गया है। इस योजना के अंतर्गत शासन की 31 प्रमुख योजनाओं में शत-प्रतिशत संतृप्ति स्तर प्राप्त करने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने सभी विभागों को अपनी-अपनी योजनाओं के निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए विशेष प्रयास करने के निर्देश दिए। उन्होंने आगामी शाला प्रवेश उत्सव एवं विद्यार्थियों को कॉपी-किताब वितरण की तैयारियों की भी समीक्षा की। अधिकारियों ने बताया कि 1 जुलाई को जिला स्तरीय प्रवेशोत्सव का आयोजन किया जाएगा। इस पर आयुक्त ने स्थानीय जनप्रतिनिधियों को कार्यक्रम में आमंत्रित करने तथा उत्सव को व्यापक जनभागीदारी के साथ सफल बनाने के निर्देश दिए।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर योग कार्यक्रम एवं सम्मान समारोह

कोरबा। मारवाड़ी युवा मंच दर्री-जमनीपाली द्वारा सरस्वती उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, प्रगतिनगर में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर योग एवं स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं मंच पदाधिकारियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता कर विभिन्न योगासनों का अभ्यास किया तथा योग को दैनिक जीवन में अपनाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच के राष्ट्रीय संयोजक एवं निवर्तमान प्रदेश अध्यक्ष श्री मनीष अग्रवाल जी, प्रांतीय संयोजक श्री विकास अग्रवाल जी, प्रांतीय चेयरमैन श्री अरुण केडिया जी, शाखा अध्यक्ष श्री आशीष अग्रवाल जी, पूर्व अध्यक्ष श्री दिनेश अग्रवाल जी, विद्यालय के प्राचार्य श्री लक्ष्मी नारायण जायसवाल जी, योग प्रशिक्षक आचार्य श्री चंद्रपाल यादव जी, आचार्यगण श्री दुर्गा प्रसाद नामदेव जी, श्री अशोक कुमार चंद्रवंशी जी, श्री ललित तिवारी जी, श्री मुरारी साहू जी, श्री ज्ञानेश्वर दास कुलदीप जी, श्रीमति शैल कैवर्त जी, श्रीमति बिंदु जायसवाल जी, सुश्री सोनी महंत जी, सहित विद्यालय के समस्त शिक्षकगण एवं छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे। अपने उद्बोधन में श्री मनीष अग्रवाल जी ने कहा कि योग भारत की प्राचीन ऋषि परंपरा की अमूल्य धरोहर है, जो मनुष्य को शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक रूप से सशक्त बनाती है। वर्तमान समय में स्वस्थ एवं संतुलित जीवन के लिए योग को अपनी दिनचर्या का अनिवार्य हिस्सा बनाना आवश्यक है। विद्यालय के प्राचार्य श्री लक्ष्मी नारायण जायसवाल जी ने अपने संबोधन में कहा कि योग विद्यार्थियों में अनुशासन, एकाग्रता, आत्मविश्वास एवं सकारात्मक सोच का विकास करता है।

एसईसीएल मुख्यालय में एमएमडीआर अधिनियम के अंतर्गत अधिकृत अधिकारियों हेतु चार दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया

बिलासपुर। साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) मुख्यालय, बिलासपुर स्थित प्रबंधन विकास संस्थान में खनिज एवं खनन (विकास एवं विनियमन) अधिनियम, 1957 (एमएमडीआर एक्ट) की धारा 22, 23बी एवं 24 के अंतर्गत अधिकृत एसईसीएल अधिकारियों के लिए चार दिवसीय जागरूकता एवं क्षमता संवर्धन प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ आज निदेशक (मानव संसाधन) श्री बिरंची दास के मुख्य आतिथ्य में किया गया। भारत सरकार द्वारा जारी राजपत्र अधिसूचना के अनुसार एसईसीएल, सीआईएसएफ टीएसआर तथा मध्यप्रदेश राज्य औद्योगिक सुरक्षा बल (एसआईएसएफ) के अधिकारियों को एमएमडीआर अधिनियम की उक्त धाराओं के अंतर्गत अवैध कोयला खनन एवं कोयला चोरी के मामलों में कार्रवाई हेतु अधिकृत किया गया है। इस प्रावधान के तहत अधिकृत अधिकारी न्यायालय में सीधे परिवाद प्रस्तुत कर सकेंगे, जिससे कोयला चोरी एवं अवैध खनन से संबंधित मामलों के त्वरित एवं प्रभावी निस्तारण में सहायता मिलेगी। इस चार दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रशिक्षण प्रदान

करने हेतु झारखंड पुलिस के पूर्व महानिरीक्षक (आईजी) एवं सेवानिवृत्त भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) अधिकारी श्री विपुल शुक्ला को विषय विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया है। वर्तमान में वे बीसीसीएल में वरिष्ठ सलाहकार (सुरक्षा) के रूप में सेवाएं दे रहे हैं। प्रशिक्षण के दौरान वे प्रतिभागियों को एमएमडीआर अधिनियम के विभिन्न प्रावधानों, अवैध खनन एवं खनिज परिवहन से संबंधित मामलों में कानूनी कार्रवाई, जांच प्रक्रिया, साक्ष्य संकलन तथा सुदृढ़ अभियोजन प्रतिवेदन तैयार करने के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान करेंगे। 23 जून से 26 जून 2026 तक आयोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में विभिन्न बैचों में एसईसीएल के वरिष्ठ अधिकारी, क्षेत्रीय सुरक्षा नोडल अधिकारी, महाप्रबंधक, अभिकर्ता (एजेंट), प्रबंधक, मानव संसाधन विभाग एवं सुरक्षा विभाग के अधिकारी-कर्मचारी, सीआईएसएफ टीएसआर तथा एसआईएसएफ (मध्यप्रदेश) के कार्मिक सहभागिता कर रहे हैं। प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य एमएमडीआर अधिनियम के अंतर्गत अधिकृत अधिकारियों को उनके अधिकारों, दायित्वों एवं कानूनी प्रक्रियाओं के संबंध में जागरूक करना तथा अवैध खनन एवं कोयला चोरी की रोकथाम से संबंधित मामलों में उनकी कार्यकुशलता को और सुदृढ़ बनाना है।

संरक्षा के सजग प्रहरियों को महाप्रबंधक ने किया सम्मानित

बिलासपुर। रेल परिचालन में संरक्षा दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की सर्वोच्च प्राथमिकता है। सजगता एवं बेहतर संरक्षा कार्य में सहभागिता निभाने वाले रेल संरक्षा के सजग प्रहरी कर्मचारियों का सम्मान महाप्रबंधक, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के द्वारा हर माह आयोजित संरक्षा बैठक के दौरान किया जाता है। इसी कड़ी में आज दिनांक 23 जून, 2026 को दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में कार्यरत संरक्षा कोटि के 05 कर्मचारियो को उनके उत्कृष्ट एवं सराहनीय संरक्षा संबंधी कार्य निष्पादन के लिए महाप्रबंधक श्री तरुण प्रकाश के द्वारा सम्मानित किया गया। बिलासपुर रेल मण्डल के ट्रैक मेंटेनर-ड्ड / बाराद्वार, श्री उमाशंकर रत्नाकर टी एम् -1 ने दिनांक 01मई, 2026 को अपने ड्यूटी के दौरान खरसिया-जूनाडीह के मध्य (चरू 624/11-13) पर स्श्वछ्ठ टंग रेल में फ्रैक्चर देखा, तुरंत आवश्यक प्रोटेक्शन कर इसकी सूचना अविलम्ब सर्वसम्बंधित को दिया। तत्पश्चात, आवश्यक कार्यवाही कर ट्रैक को ठीक किया गया। इस प्रकार श्री उमाशंकर रत्नाकर चाबीदार की सजगता एवं सतर्कता से ट्रेन परिचालन में संरक्षा सुनिश्चित हुई। बिलासपुर रेल मण्डल के वेंकटनगर सेक्शन के चाबीदार श्री दिनेश कुमार ने दिनांक 24 मई, 2026 को अपने ड्यूटी के दौरान खरसिया- जूनाडीह के मध्य पर स्श्वछ्ठ टंग रेल में फ्रैक्चर देखा तब तुरंत

आवश्यक प्रोटेक्शन कर इसकी सूचना अविलम्ब सर्वसम्बंधित को दिया। तत्पश्चात, आवश्यक कार्यवाही कर ट्रैक को ठीक किया गया। इस प्रकार श्री उमाशंकर रत्नाकर चाबीदार की सजगता एवं सतर्कता से ट्रेन परिचालन में संरक्षा सुनिश्चित हुई। रायपुर रेल मंडल के भाटापारा के वरिष्ठ ट्रेन मैनेजर श्री राम नारायण टंडन ने अपने ड्यूटी के दौरान देखा कि गाड़ी संख्या ह्ब्क्रमें देख कर सर्वसंबंधित को सूचित किया जिसके उपरांत निरीक्षण के दौरान वैगन में ष्ठक्रष्ट (ष्ठक्रष्ट ह्रश्वद्ग ड्डह्म्द्वद्गठ्ठ) पाया गया। तत्पश्चात, आवश्यक कार्यवाही कर गाड़ी का सुरक्षित संचालन किया गया। इस प्रकार, इनकी सजगता एवं सतर्कता से ट्रेन परिचालन में संरक्षा सुनिश्चित हुई। बिलासपुर मंडल के लोको पायलट (मेल-एक्सप्रेस) श्री राम खेलावन रविदास ने ड्यूटी के दौरान बैकुंठङ्कसिलियारी सेक्शन के मध्य तेज आंधी, तूफान और भारी बारिश के कारण किलोमीटर संख्या 799/07ङ्क09 पर एक पेड़ टूटकर अप लाइन पर गिर गया था, जिससे रेल मार्ग बाधित हो गया था। इन्होने अपनी सूझबूझ एवं त्वरित निर्णय क्षमता का परिचय देते हुए नियंत्रण कक्ष को सूचित कर अप लाइन पर आते हुए एक गाड़ी को सुरक्षित खड़ा करवाया जिससे की एक संभावित बड़ी रेल दुर्घटना को टाला जा सका। इस प्रकार, इनकी सजगता एवं सतर्कता से ट्रेन परिचालन में संरक्षा सुनिश्चित हुई। इन्हें पूर्व में भी रेलवे बोर्ड स्तर पर एवं चक्रधरपुर मण्डल (दक्षिण पूर्व रेलवे) से अपने ड्यूटि के दौरान ट्रेन परिचालन में संरक्षा सुनिश्चित करने हेतु सम्मानित किया जा चुका है। नागपुर मंडल के वरि.यात्री गाड़ी प्रबंधक, श्री मुरली गोस्वामी दिनांक 13 मार्च, 2026 को गाड़ी संख्या 11202 (शहडोल नागपुर एक्सप्रेस) में ट्रेन मैनेजर के पद पर कार्यरत रहते हुए, श्री मुरली गोस्वामी, खैररंजी पैसेंजर हॉल्ट के पास इन्हे अचानक एक तेज़ झटका लगा, एवं इन्होने ट्रेन के पीछे धूल का एक घना गुबार उठता देखा, जो कि ट्रेन का संभावित पटरी से उतरने का संकेत था। तत्काल इन्होने गार्ड डब्बे के आपातकालीन वाल्व के माध्यम से तुरंत ब्रेक लगाया और ट्रेन को रोकने के लिए वॉकी-टॉकी पर लोको पायलट से संपर्क किया। इनके इस त्वरित और निर्णायक कदम से ट्रेन के पिछले एस.एल.आर.कोच के पटरी से उतरने का उपर्युक्त समय पर पता चल सका जिसकी वजह से संभावित बड़े हादसे को रोका जा सका और यात्रियों, रेल संपत्ति तथा ट्रेन संचालन की संरक्षा सुनिश्चित हुई।

नैनो डीएपी से बदल रही खेती की तस्वीर, किसान तिहारू राम साहू बने मिसाल

बिलासपुर। कृषि क्षेत्र में आधुनिक तकनीकों और नवाचारों को अपनाकर जिले के किसान अब कम लागत में बेहतर उत्पादन प्राप्त कर रहे हैं। जिले के ग्राम कछार के प्रगतिशील किसान श्री तिहारू राम साहू इसकी एक उत्कृष्ट मिसाल बनकर उभरे हैं। उन्होंने अपनी खेती में नैनो डीएपी का उपयोग कर न केवल उर्वरक लागत में कमी लाई, बल्कि फसल उत्पादन और गुणवत्ता में भी उल्लेखनीय सुधार हासिल किया। किसान श्री तिहारू राम साहू ने बताया कि वे पहले पारंपरिक डीएपी उर्वरक का उपयोग करते थे, जिससे लागत अधिक आती थी। कृषि विभाग के मार्गदर्शन एवं प्रशिक्षण के बाद उन्होंने नैनो डीएपी का प्रयोग किया। इसके सकारात्मक परिणाम सामने आए। फसल की वृद्धि बेहतर हुई, पौधों का विकास संतुलित रहा तथा उत्पादन में वृद्धि दर्ज की गई। उन्होंने बताया कि वे लगभग सवा एकड़ में सब्जी के साथ अन्य फसलों की खेती करते है। नैनो डीएपी के उपयोग से खेतों में फसले लहलहा रही है। उन्होंने सभी किसानों से नैनो डीएपी का उपयोग करने की अपील की है। कृषि विभाग के अधिकारियों ने बताया कि नैनो डीएपी एक आधुनिक एवं प्रभावी उर्वरक है, जो पौधों को आवश्यक पोषक तत्व अधिक दक्षता के साथ उपलब्ध कराता है। इसके उपयोग से रासायनिक उर्वरकों की खपत कम होती है। विभाग द्वारा किसानों को नैनो डीएपी एवं अन्य आधुनिक कृषि तकनीकों के उपयोग के लिए लगातार प्रोत्साहित किया जा रहा है।

घर में ताजी गुलाब की पंखुड़ियां रखना क्यों माना जाता है शुभ?

आमतौर पर लोग अपने घरों को सजाने के लिए कई तरह के फूलों और पौधों का रखते हैं, लेकिन वास्तु शास्त्र में कुछ फूलों को विशेष महत्व दिया गया है. इन्हीं में से एक है गुलाब. यह फूल अपनी मनमोहक सुगंध और आकर्षक रंगों के कारण सभी को प्रिय होता है. गुलाब को न केवल सजावट के तौर पर उत्तम माना जाता है बल्कि ये पॉजिटिव एनर्जी का प्रतीक भी माना जाता है.

बहुत से लोग मानते हैं कि घर में ताजे गुलाब की पंखुड़ियां रखने से वातावरण में एक अनोखी ताजगी का एहसास होता है. गुलाब की प्राकृतिक सुगंध न केवल पूरे घर में फैलती है बल्कि मन को भी शांत करती है. यही कारण है कि पूजा घर, बैठक और घर के मुख्य द्वार के पास गुलाब की पंखुड़ियां रखने एक परंपरा है.

पूर्व दिशा में रखें गुलाब की पंखुड़ियां

कुछ लोग गुलाब की पंखुड़ियां पानी में डालने को आर्थिक समृद्धि और खुशहाली से भी जोड़ते हैं. हालांकि, यह पूरी तरह से आस्था और पारंपरिक मान्यताओं पर आधारित है. वास्तु शास्त्र में घर के पूर्व दिशा में गुलाब की पंखुड़ियों से भरा कटोरा रखना शुभ माना जाता है. ऐसा माना जाता है कि इससे पॉजिटिव एनर्जी का प्रवाह बढ़ता है और घर में संतुलित और सुखद वातावरण बना रहता है इसलिए अगर आप अपने घर में प्राकृतिक सुगंध और ताजगी बनाए रखना चाहते हैं, तो ताजी गुलाब की पंखुड़ियां एक आसान विकल्प हो सकती है.

कांच के कटोरे में रखें गुलाब

वास्तु शास्त्र के अनुसार, एक साफ कांच के कटोरे में पानी भरकर उसमें ताजी गुलाब की पंखुड़ियां डालने से घर का वातावरण बेहतर हो सकता है. इस कटोरे को ताजी हवा वाली जगह पर रखना अच्छा माना जाता है. इससे गुलाब की हल्की खुशबू पूरे घर में फैल जाती है, जिससे ताजगी भरा वातावरण बनता है. कई लोग गुलाब की पंखुड़ियों का इस्तेमाल प्राकृतिक रूम फ्रेशनर के रूप में भी करते हैं. इसकी खासियत यह है कि इसमें किसी कृत्रिम सुगंध या रसायन की जरूरत नहीं होती. गुलाब की खुशबू ही घर में सकारात्मक और शांतिपूर्ण वातावरण बनाने में मदद करती है. वास्तु शास्त्र के अनुसार, गुलाब की सुगंध मन को शांत करने में सहायक मानी जाती है. ऐसा माना जाता है कि यह तनाव को कम करती है और परिवार के सदस्यों के बीच प्रेम और सद्भाव का वातावरण बनाती है.

सावन अमावस्या पर सूर्य ग्रहण, रक्षाबंधन पर चंद्र ग्रहण

ज्योतिष शास्त्र में ग्रहों और नक्षत्रों की चाल का हमारे जीवन पर गहरा प्रभाव माना जाता है. जब भी आकाश मंडल में कोई बड़ी खगोलीय घटना होती है, तो उसका असर न केवल आम आदमी पर, बल्कि देश और दुनिया की राजनीति और पर भी देखने को मिलता है. साल 2026 का सावन का महीना कुछ ऐसे ही बड़े और संवेदनशील बदलावों का गवाह बनने जा रहा है. इस बार भगवान शिव के प्रिय महीने सावन में केवल 16 दिनों के भीतर दो बड़े ग्रहण लगने जा रहे हैं.सावन अमावस्या पर जहां साल का सबसे बड़ा सूर्य ग्रहण लगेगा, वहीं सावन पूर्णिमा यानी रक्षाबंधन के पावन पर्व पर चंद्र ग्रहण का साया रहेगा. ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, जब भी 15 या 16 दिनों के छोटे अंतराल में दो या दो से अधिक ग्रहण लगते हैं, तो उसे प्राकृतिक और आध्यात्मिक दृष्टिकोण से बेहद संवेदनशील और बड़े बदलावों का संकेत माना जाता है. आइए जानते हैं इन दोनों ग्रहणों की तारीख और इनका देश-दुनिया पर क्या असर होने जा रहा है.

सावन अमावस्या पर लगेगा सूर्य ग्रहण

ज्योतिषीय गणनाओं के अनुसार, 12 अगस्त 2026 को लगने वाला यह ग्रहण पूर्ण सूर्य ग्रहण होगा. यह मुख्य रूप से उत्तरी गोलार्ध के कई हिस्सों में दिखाई देगा. अमावस्या तिथि खुद ही आध्यात्मिक साधना और पितरों के स्मरण के लिए महत्वपूर्ण मानी जाती है. ऐसे में इस दिन सूर्य ग्रहण का योग बनने से इसकी धार्मिक और ज्योतिषीय महता और बढ़ जाती है. मान्यता है कि सूर्य ग्रहण के दौरान वातावरण में थोड़े से परिवर्तन होते हैं, इसलिए इस समय पूजा-पाठ, मंत्र जाप और भगवान का ध्यान करना शुभ माना जाता है. हालांकि ग्रहण काल में भोजन करने और शुभ कामों की शुरुआत करने से बचने की सलाह दी जाती है.

रक्षाबंधन पर लगेगा चंद्र ग्रहण

सूर्य ग्रहण के करीब 16 दिन बाद 28 अगस्त 2026 को सावन पूर्णिमा और रक्षाबंधन के दिन आंशिक चंद्र ग्रहण लगेगा. जो कि भारत में दिखाई नहीं देगा. पूर्णिमा का संबंध चंद्रमा से माना जाता है और चंद्र ग्रहण भी पूर्णिमा तिथि पर ही लगता है. रक्षाबंधन भाई-बहन के प्रेम और विश्वास का पर्व है, ऐसे में इस दिन ग्रहण लगने की खबर ने लोगों को चिंता बढ़ा दी है.ज्योतिषियों के अनुसार चंद्र ग्रहण का प्रभाव व्यक्ति की भावनाओं, मानसिक स्थिति और निर्णय क्षमता पर पड़ सकता है. हालांकि इसका असर हर व्यक्ति पर समान नहीं होता, बल्कि उसकी जन्म कुंडली और ग्रह-नक्षत्रों की स्थिति के अनुसार अलग-अलग हो सकता है.

क्या एक ही महीने में दो ग्रहण होना अशुभ संकेत है?

ज्योतिष शास्त्र में जब 15 दिनों के भीतर दो ग्रहण लगते हैं, तो उसे सामान्य घटना नहीं माना जाता. कई विद्वान इसे बड़े परिवर्तन, मौसम में बदलाव, प्राकृतिक गतिविधियों और देश-दुनिया के स्तर पर कुछ महत्वपूर्ण घटनाओं के संकेत के रूप में देखते हैं. हालांकि इसका मतलब यह नहीं है कि

यह पूरी तरह अशुभ ही होगा. ज्योतिष के अनुसार, ग्रहण परिवर्तन का प्रतीक है. इसलिए इसे केवल डर या नकारात्मकता से जोड़कर नहीं देखना चाहिए.

पसंदीदा ड्राई फ्रूट्स भी पहुंचा सकते हैं नुकसान!

काजू, बादाम, अखरोट और कई दूसरे ड्राई फ्रूट्स को सेहत के लिए वरदान माना जाता है. लेकिन इन्हें खाने में की गई गलती की वजह से ये हानिकारक तक साबित हो सकती है. आमतौर पर ड्राई फ्रूट्स को सर्दियों में खाया जाता है क्योंकि इनमें ज्यादातर की तासीर गर्म होती है. सूखे मेवों में हेल्दी फैट, प्रोटीन, विटामिन्स और कई मिनरल्स होते हैं. इन्हें लिमिट में खाना बेस्ट रहता है. इनमें कैलोरी की मात्रा ज्यादा होती है इसलिए कुछ लोगों को वजन बढ़ने की शिकायत हो सकती है. दूसरी तरफ किशमिश, खजूर और अंजीर में नेचुरल शुगर ज्यादा होती है और डायबिटीज के मरीजों का शुगर लेवल बिगड़ सकती है. वैसे इन्हें गर्मी में कैसे खाना चाहिए इसका हमें खास ध्यान रखना चाहिए. अगर आप ड्राई फ्रूट्स के शौकीन हैं तो घबराएं नहीं, आइए जानते हैं आयुर्वेद के अनुसार इनका सही तरीके से सेवन कैसे करें?

क्या कहते हैं एक्सपर्ट

आशा आयुर्वेद से डॉक्टर चंचल शर्मा का मानना है कि गर्मियों में ड्राई फ्रूट्स का सूखा सेवन करना आपके पित्त को खराब कर सकता है, इसलिए कोशिश करें कि सूखे मेवों का सेवन ना करें या जब भी खाएं तो भीगोकर खाएं. भिगोकर खाने से इनका फाइटिक एसिड निकल जाता है, गर्मी का उत्पादन कम हो जाता है और पोषक तत्व आसानी से अवशोषित हो जाते हैं.

रोजाना करीब 20-30 ग्राम से ज्यादा न खाएं क्योंकि अधिक सेवन से मुहांसे या गर्मी के मौसम में पेट खराब हो सकता है. बताए गए तरीके से सेवन करने पर, ये आपके शरीर में कूलिंग एजेंट की तरह काम करेंगे और आपको गर्मी में होने वाली परेशानियों से भी बचाएंगे.

सबसे गर्म तासीर वाले ड्राई फ्रूट्स कौन से हैं?

छुआरा : यह खजूर का सूखा रूप है, इसकी तासीर इतनी गर्म होती है कि सर्दियों में सर्दी-खांसी, जोड़ों के दर्द से बचने और फेफड़ों को ताकत देने के लिए इसका दूध में इस्तेमाल किया जाता है. गर्मियों में इसका सीधा सेवन शरीर में अत्यधिक गर्मी बढ़ा सकता है.

अखरोट: अखरोट दिमाग के लिए जितना अच्छा है, तासीर में उतना ही गर्म होता है. इसमें ओमेगा-3 फैटी एसिड और भारी तत्व होते हैं, जिन्हें पचाने के लिए शरीर को ज़्यादा ऊर्जा लगानी पड़ती है, जिससे शरीर का तापमान बढ़ता है.

बादाम (बिना भीगे): सूखे या भुने हुए बादाम की तासीर बहुत गर्म होती है. अगर इन्हें बिना भिगोए गर्मी में खाया जाए, तो ये पेट में जलन या मुंहासे पैदा कर सकते हैं.

पिस्ता: पिस्ता भी तासीर में काफी गर्म और कसैला होता है. यह सर्दियों में शरीर को कफ और ठंड से बचाता है, लेकिन गर्मी में इसका सेवन बहुत सीमित होना चाहिए.

इसका मतलब ये नहीं कि इन ड्राई फ्रूट्स को खाने के लिए आपको सर्दी का इंतजार करना पड़ेगा, बताए गए ड्राई फ्रूट्स भले ही तासीर में गर्म हो पर इन्हें सही तरीके से खाया जाए तो ये सेहतमंद हो सकते हैं.

डॉक्टर ने बताया पैनिक अटैक और हार्ट अटैक में क्या अंतर है

पैनिक अटैक और हार्ट अटैक एक दूसरे से जुड़े हुए हैं। दोनों में एक जैसे लक्षण नजर आते हैं जो डराने वाले हो सकते हैं। अगर सीने में दर्द, पसीना आना, हाथों का सुन्न होना और दिल की धड़कन तेज होने जैसा महसूस हो तो अक्सर लोग इसे दिल के दौरे से जोड़कर चिंतित हो जाते हैं। लेकिन ऐसा पैनिक अटैक आने पर भी होता है। आइये जानते हैं कि पैनिक अटैक और हार्ट अटैक में क्या अंतर होता है। क्या पैनिक अटैक वास्तव में हार्ट अटैक का कारण बन सकता है।

पैनिक अटैक और हार्ट अटैक के लक्षण

डॉक्टर ने बताया कि पैनिक अटैक और हार्ट अटैक के लक्षण बहुत हद तक मिलते-जुलते हैं। सीने में दर्द, पसीना आना, हाथों का सुन्न होना दोनों स्थिति में महसूस हो सकते हैं। लेकिन क्या पैनिक अटैक से हार्ट अटैक आता है तो ऐसा हेल्दी लोगों के साथ नहीं है। हालांकि दोनों के लक्षण काफी एक जैसे होते हैं। लेकिन अंदर का मैकेनिज्म एकदम अलग है। हार्ट अटैक में कोरोनरी धमनियों में से किसी एक में रुकावट हो सकती है। जबकि पैनिक अटैक में तनाव हार्मोन की बाढ़ सी आ जाती है।

इंस्टाग्राम पर बोर्ड

सर्टिफाइड कार्डियोवैस्कुलर सर्जन डॉक्टर जेरेमी लंदन ने एक पोस्ट शेयर कर पैनिक अटैक और हार्ट हेल्थ के बीच संबंध और दोनों के बीच पाए जाने वाले अंतर को समझाया है।

क्या बार-बार पैनिक अटैक आने से हार्ट को खतरा है?

अगर आप हेल्दी हैं तो कभी-कभार होने वाला पैनिक अटैक दिल का दौरा पड़ने का कारण नहीं बनता, लेकिन डॉक्टर ने इस बात पर जोर दिया है कि लगातार बनी रहने वाली चिंता को नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि बार-बार होने वाले पैनिक अटैक से दिल की बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। और अगर आपको पहले से ही हार्ट की बीमारी है तो इसका असर और भी बढ़ सकता है।

आज का राशिफल

मेष राशि - आज आपको अपने कार्यक्षेत्र में बहुत ही संभलकर और सतर्क रहने की जरूरत है। ऑफिस में किसी भी सहकर्मी या सीनियर के साथ बेवजह न उलझें और न ही किसी प्रकार का अनावश्यक वार्तालाप (फालतू बातचीत) करें, अन्यथा बड़ा विवाद खड़ा हो सकता है। हालांकि, घर-परिवार का माहौल काफी खुशनुमा और हंसी-खुशी से भरा रहेगा।

वृषभ राशि - आज आपको हर परिस्थिति में अपना धैर्य और संयम बनाकर रखने की सख्त आवश्यकता है। कार्यस्थल या परिवार में कुछ ऐसी अप्रत्याशित परिस्थितियां आ सकती हैं, जिनके कारण आप अपना आपा खो सकते हैं। इसलिए आज किसी को भी जवाब देते समय अपनी वाणी पर नियंत्रण रखें और जोखिम भरे कामों से पूरी तरह दूर रहें।

मिथुन राशि - आज आपकी दिनचर्या काफी ज्यादा व्यस्त और भागदौड़ वाली रहने वाली है। इसके साथ ही आज आपकी आर्थिक स्थिति भी थोड़ी डगमगा सकती है, जिससे मानसिक तनाव बढ़ेगा। आज दैनिक आवश्यकताओं की पूर्ति या किसी पुराने बिल का भुगतान करने के लिए आपको किसी करीबी से धन उधार (कर्ज) लेना पड़ सकता है।

कर्क राशि - आज आपके घर-परिवार का माहौल बेहद अनुकूल, शांतिपूर्ण और सुखद रहने वाला है। जो जातक अपने बिजनेस या किसी निजी काम के लिए बड़ी आर्थिक सहायता (लोन या स्पॉन्सरशिप) पाना चाहते थे, उनके लिए आज का समय बहुत भाग्यशाली रहेगा; धन लाभ के अच्छे रास्ते खुलेंगे।

सिंह राशि - नौकरी की तलाश कर रहे जातकों के लिए आज का दिन करियर में बड़ा टर्निंग पॉइंट साबित हो सकता है। आज आपको किसी प्रतिष्ठित कंपनी के इंटरव्यू में शानदार सफलता प्राप्त होगी। ध्यान रहे, आज कार्यक्षेत्र में अति लोभ (ज्यादा लालच) करने से बचें और सेहत के लिहाज से बाहर के खाने-पीने से पूरी तरह परहेज रखें।

कन्या राशि - आपके लिए आज का दिन बेहद ऊर्जावान और सकारात्मक रहने वाला है। आज आपका पूरा दिन परिवार के सदस्यों और पुराने दोस्तों के साथ बहुत ही खुशमिजाज और आनंददायक माहौल में बीतेगा। आज आप खुद के अंदर एक अलग ही स्फूर्ति महसूस करेंगे, जिससे आपके रुके हुए व्यक्तिगत काम तेजी से पूरे होंगे।

तुला राशि-नौकरीपेशा जातकों के लिए आज का दिन करियर के मोर्चे पर शानदार परिणाम देने वाला रहेगा। आज आपको ऑफिस में मनचाही पदोन्नति (प्रमोशन) या बड़ी जिम्मेदारी मिलने के बेहतरीन अवसर मिलेंगे। आज आप अपनी कुशाग्र बुद्धि का इस्तेमाल अपने पक्ष में करके अधिकारियों को प्रभावित करने में पूरी तरह सफल रहेंगे।

वृश्चिक राशि -आज का दिन आपके लिए दोहरी खुशखबरी लेकर आ सकता है। इस राशि के अविवाहित जातकों के लिए विवाह के बेहतरीन और मनचाहे अवसर प्राप्त होंगे। वहीं दूसरी ओर, विद्यार्थियों (छात्रों) के लिए समय काफी अनुकूल रहने वाला है; आज उन्हें अपनी पुरानी किसी परीक्षा या प्रतियोगिता में बड़ी सफलता मिल सकती है।

धनु राशि-वैवाहिक जीवन और प्रेम संबंधों (लव लाइफ) के मामले में आज का दिन मिलाजुला यानी सामान्य रहने वाला है। विद्यार्थी वर्ग आज अपने कीमती समय का सही दिशा में सदुपयोग करने में पूरी तरह सक्षम रहेंगे। मेहनत का पूरा फल मिलेगा और शाम तक कोई बड़ी शैक्षणिक सफलता आपके हाथ लग सकती है।

मकर राशि - आज आपको अपने प्रेम संबंधों (लव लाइफ) के मामले में किसी भी तरह की लापरवाही या पार्टनर की अनदेखी करने से बचने की जरूरत है, अन्यथा आपस में गहरा मनमुटाव उत्पन्न हो सकता है। आपको सलाह दी जाती है कि अपने करियर और बिजनेस की भविष्य की योजनाओं को आज बहुत ही सोच-विचार करके ही फाइनल करें।

कुंभ राशि- आज आपको अपनी आजीविका और रोजगार के क्षेत्र में लाभ कमाने के कई बेहतरीन और नए अवसर मिलने वाले हैं। व्यावसायिक सफलता के लिए आज अपनी वाणी को मधुर और व्यवहार को लचीला रखें। आपके सामाजिक संबंधों में मजबूती आएगी। आलस्य से पूरी तरह बचें, क्योंकि आज किया गया आलस्य आपके महत्वपूर्ण काम बिगाड़ सकता है।

मीन राशि- आज आपकी कड़ी मेहनत और सूझबूझ से आपका कोई बहुत ही महत्वपूर्ण और लंबे समय से अटका हुआ कार्य सार्थक (पूरा) होने के मजबूत योग हैं। जीवनसाथी का भरपूर भावनात्मक सहयोग प्राप्त होगा, जिससे मन प्रसन्न रहेगा। आज किसी बाहरी व्यक्ति या किसी सुदूर स्थान (विदेशी स्रोत) से आपको बड़ा व्यावसायिक लाभ हो सकता है।

फिर से भारतीय छात्रों की पसंद क्यों बनी सिविल इंजीनियरिंग?

आईआईटी में दाखिले का मौजूदा दौर इस बदलाव की पुष्टि करता है। शिक्षाविदों का कहना है कि ऐसा नहीं है कि कंप्यूटर साइंस के प्रति छात्रों की दिलचस्पी में गिरावट आई है। यह अब भी लोकप्रिय है। लेकिन स्थापित मानदंडों के विपरीत इस साल सिविल इंजीनियरिंग भी तेजी से मेधावी छात्रों की पसंद बन कर उभरी है। बीते साल तक इसकी कल्पना तक नहीं की जा सकती थी। उनका कहना था कि बड़ी संख्या में पढ़ाई में तेज छात्र अब ऐसे फैसले ले रहे हैं जो पारंपरिक सोच की बजाय दूरदर्शिता पर आधारित है।

सिविल इंजीनियरिंग की बढ़ती अहमियत

विशेषज्ञों के मुताबिक, भारतीय तकनीकी संस्थानों (आईआईटी) में कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग (सीएसई) के बाद मैथमेटिक्स एंड कंप्यूटिंग (एमएनसी) छात्रों की दूसरी सबसे पसंदीदा ब्रांच रही है। एमएनसी छात्रों में काफी लोकप्रिय है और उनको क्वांटिटेटिव ट्रेडिंग फर्म के अलावा डाटा साइंस और इन्वेस्टमेंट बैंक सेक्टर में मोटे पैकेज वाली बेहतरीन नौकरियां मिलती रही है। वर्ष 2018 में आईआईटी, हैदराबाद ने पहली बार एआई में बीटेक की पढ़ाई शुरू की थी। उसके बाद बीते तीन वर्षों के दौरान पटना, खड़गपुर, मद्रास और मंडी स्थित आईआईटी में एआई और डाटा एनालिटिक्स जैसे नए कोर्स शुरू किए गए हैं।

खासकर आईआईटी की प्रवेश परीक्षा जेईई-एडवांस्ड में पहले सौ स्थानों पर रहने वाले छात्र तो आंख मूंद कर आईआईटी, मुंबई और दिल्ली में कंप्यूटर साइंस का कोर्स ही चुनते रहे हैं। कंप्यूटर साइंस और एआई आधारित दूसरे पाठ्यक्रमों का क्रेज अब भी कम नहीं हुआ है। इसकी वही अहमियत है जो अस्सी-नब्बे के दशक में सिविल इंजीनियरिंग की होती थी। इस साल बदलाव यह है कि सिविल इंजीनियरिंग एक बार फिर मेधावी छात्रों की प्राथमिकता सूची में तेजी से ऊपर चढ़ रही है। बीते दो दशकों के दौरान छात्र बेहद मजबूरी में या आईआईटी के ठप्पे के लिए ही इस शाखा को चुनते थे।

इस साल आईआईटी में दाखिले के पहले दौर से छात्रों की इस बदलती पसंद की पुष्टि होती है। आईआईटी में दाखिले के आंकड़ों को ध्यान में रखें तो बीते साल जहां प्रवेश परीक्षा में 2,666वीं रैंक वाले छात्र ने आईआईटी, बंबई में सिविल इंजीनियरिंग की पढ़ाई चुनी थी वहीं इस साल इसकी ओपनिंग रैंक 385 रही है। दिल्ली के मामले में तो यह बदलाव और स्पष्ट दिख रहा है। यहां बीते साल सिविल इंजीनियरिंग में दाखिले की ओपनिंग रैंक 3,030 थी जो इस साल तेजी से बढ़ कर 179 तक पहुंच गई है। आईआईटी, रुड़की और भुवनेश्वर समेत कई स्थानों पर यही ट्रेंड सामने आ रहा है।

क्या है बदलती पसंद की वजह?

शिक्षाविदों का कहना है कि बीते एक-डेढ़ दशक में कैंपस प्लेसमेंट के दौरान मिलने वाले वेतन का पैकेज ही इंजीनियररिंग की शाखाओं के चयन में सबसे अहम भूमिका निभाता रहा है। कंप्यूटर साइंस इस मामले में सबसे ऊपर रहा है। इसकी पढ़ाई करने वाले छात्रों को 20 से 50 लाख तक के पैकेज मिलते रहे हैं। इसके अलावा हर साल विभिन्न आईआईटी में एक करोड़ या उससे ऊपर के पैकेज भी सुर्खियां बटोरते रहे हैं। इसके उलट आईआईटी से सिविल इंजीनियरिंग की डिग्री हासिल करने वाले छात्रों को शुरुआत में सालाना औसतन आठ से 10 लाख तक के ही पैकेज मिलते हैं। लेकिन अब छात्र पैकेज से ऊपर उठकर करियर के स्थायित्व को ज्यादा अहमियत दे रहे हैं।

धूमधाम से मनाया गया संत कबीर साहेब का 628वां प्रकटोत्सव

उतई। पंथ श्री प्रकाश मुनि नाम साहेब जी एवं पंथ श्री उदित मुनि नाम साहेब जी की असीम कृपा से कबीर पंथी सत्संग समिति एवं अमीन माता महिला मंडली के तत्वावधान में ग्राम पंचायत पतोरा में संत शिरोमणि सद्गुरु कबीर साहेब का 628वां प्रकटोत्सव श्रद्धा, भक्ति एवं उत्साह के साथ धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर दिनभर धार्मिक, आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला आयोजित की गई, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं एवं ग्रामीणजनों ने सहभागिता की।

कार्यक्रम की शुरुआत प्रातःकाल सत्संग एवं कबीर ध्वज वंदन के साथ हुई। इसके पश्चात अमीन माता महिला मंडली द्वारा भव्य कलश यात्रा निकाली गई, जिसमें मातृशक्तियों ने पूरे गांव में भक्तिमय वातावरण निर्मित किया। यात्रा उपरांत संत कबीर साहेब की आरती कर समाज, राष्ट्र एवं समस्त मानव जाति के कल्याण की कामना की गई।

दोपहर में आदर्श गायन भजन मंडली की प्रमुख लोक कलाकार त्रिवेणी साहू द्वारा कबीर पंडवानी की मनोहारी प्रस्तुति दी गई। उन्होंने संत कबीर साहेब के जीवन दर्शन, उपदेशों एवं सामाजिक समरसता के संदेशों को प्रभावशाली शैली में प्रस्तुत किया, जिसे श्रद्धालुओं ने भावविभोर होकर सुना।

भोजन प्रसादी के पश्चात आयोजित सम्मान एवं उद्बोधन कार्यक्रम में सांसद प्रतिनिधि राजेश चंद्राकर, जिला पंचायत सदस्य देवेंद्र चंद्रवंशी, केंद्रीय प्रतिनिधि केवीडी मिशन एवं उपाध्यक्ष कबीर धर्मनगर दामाखेड़ा प्रमोद साहेब जी, जनपद पंचायत सदस्य श्रीमती चंद्रिका देवदास, सरपंच भुनेश्वर साहू, पूर्व मंडी अध्यक्ष अश्वनी साहू, पूर्व सरपंच श्रीमती अंजिता साहू तथा परीक्षेत्रीय साहू संघ अरसनारा के अध्यक्ष किशन हिरवानी सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

अतिथियों ने संत कबीर साहेब के विचारों को वर्तमान समय में अत्यंत प्रासंगिक बताते हुए समाज में सद्भाव, नैतिकता, मानवता एवं सामाजिक एकता को बढ़ावा देने का संदेश दिया। सांसद प्रतिनिधि राजेश चंद्राकर ने ग्राम पतोरा में कबीर कुटीर निर्माण हेतु सहयोग देने की सहमति व्यक्त की, वहीं जिला पंचायत सदस्य देवेंद्र चंद्रवंशी ने सत्संग समिति के लिए कलश एवं पूजन सामग्री उपलब्ध कराने की घोषणा की।

कार्यक्रम में उपाध्यक्ष कबीर धर्मनगर दामाखेड़ा प्रमोद साहेब जी ने उदित मुनि नाम साहेब के चादर तिलक पर प्रकाश डालते हुए कहा कि केवीडी मिशन जीव दया एवं मानव सेवा के सिद्धांतों पर कार्य करते हुए समाज में प्रेम, करुणा, अहिंसा एवं मानव कल्याण का संदेश प्रसारित कर रहा है। उन्होंने सभी को संत कबीर साहेब के बताए मार्ग पर चलने का आह्वान किया।

कार्यक्रम के अंतिम चरण में महंत श्यामसुंदर साहेब जी के सानिध्य में 121 चौका आरती संपन्न हुई। अपने प्रवचन में उन्होंने सत्य, सदाचार, सेवा एवं मानव कल्याण को जीवन का आधार बनाने की प्रेरणा दी। चौका आरती के प्रमुख यजमान प्रकाश साहू एवं लक्ष्मी साहू रहे। इसके पश्चात प्रसाद वितरण एवं विशाल भंडारे का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का सफल मंच संचालन हुगेंद्र साहू द्वारा किया गया। आयोजन को सफल बनाने में शशिभूषण साहू, सुदर्शन साहू, सुकेश्वर साहू, सुखराम साहू, दाऊराम साहू, कमलेश साहू, रूपेंद्र साहू, तोमन साहू, वेदप्रकाश साहू, कौशल साहू, रोशन साहू, महेंद्र गजपाल, नरेश श्रीवास, गैंदलाल साहू, प्रदीप साहू, महेश साहू, राजेंद्र साहू, चुनेश्वर ठाकुर, जीतराम श्रीवास, दुलार यादव, देवचरण, हेमंत साहू, मनोज साहू, बुधराम साहू, नागेंद्र साहू एवं मदन साहू सहित बड़ी संख्या में समाजजनों का विशेष योगदान रहा।

महिला मंडली की ओर से ललिता साहू, देवजानी साहू, सावित्री साहू, सत्यभामा साहू, ऊषा साहू, नोमिन साहू, पूनम, परमेश्वरी एवं अन्य मातृशक्तियों ने भी आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर भाजपा चरोदा मंडल ने किया योगाभ्यास, सैकड़ों कार्यकर्ता हुए शामिल

भिलाई। भारतीय जनता पार्टी प्रदेश संगठन के आह्वान एवं जिला नेतृत्व के मार्गदर्शन में भाजपा चरोदा मंडल द्वारा अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर शनिवार 21 जून को वार्ड क्रमांक-23 स्थित हाउसिंग बोर्ड त्रिदेव मंदिर परिसर के समीप सामूहिक योगाभ्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व मंडल अध्यक्ष ए. गौरीशंकर ने किया। सुबह 6:30 बजे से 7:30 बजे तक आयोजित इस कार्यक्रम में भाजपा पदाधिकारियों, जन प्रतिनिधियों एवं कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए विभिन्न योगासन एवं प्राणायाम का अभ्यास किया। कार्यक्रम का उद्देश्य योग के प्रति जनजागरूकता बढ़ाना तथा स्वस्थ जीवनशैली को प्रोत्साहित करना रहा। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष ए. गौरीशंकर ने कहा कि योग भारत की प्राचीन और अमूल्य धरोहर है, जिसे आज पूरा विश्व अपना रहा है। नियमित योग न केवल शरीर को स्वस्थ रखता है, बल्कि मानसिक शांति, आत्मविश्वास और सकारात्मक ऊर्जा का भी संचार करता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों से योग को वैश्विक पहचान मिली है। हमें अपने दैनिक जीवन में योग को अपनाकर स्वस्थ और सशक्त समाज के निर्माण में योगदान देना चाहिए। कार्यक्रम में मंडल महामंत्री राजेश मौर्य, पूर्णिमा ठाकुर, आशा शर्मा, संयोजक मनोज ओझा, सहसंयोजक, उपनेता प्रतिपक्ष चंद्रप्रकाश पांडेय, राम रेड्डी, प्रमिला टांडी, टी. रमना, दिलीप साहू, तरुण परगनिया, वेद प्रकाश पांडेय, सुजाता डोंगरे, नारायण रेड्डी, रेखा साहू, कुसुम साहू, पूनम श्रीवास्तव, के.के. शर्मा, सर्वेंद्र दुबे, गोपाल तिवारी, धर्मेंद्र मिश्रा, हेमंत पाटिल, आर.के. पांडेय, जी. गंजीर, यशवंत साहू, रविंद्र बेहरा सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थितजनों ने नियमित योग करने तथा स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संकल्प लिया।

स्वच्छता अभियान के नाम पर जनता की गाढ़ी कमाई की बर्बादी कर रही राज्य सरकार - देवेश मिश्रा भगवा पार्टी प्रदेश अध्यक्ष

दुर्ग। भगवा (भारतीय गण वार्ता) पार्टी प्रदेश अध्यक्ष देवेश मिश्रा ने राज्य सरकार द्वारा स्वच्छता अभियान-2026 को लेकर चलाये जा रहे अभियान को सिर्फ दिखावा और जनता की गाढ़ी कमाई की बर्बादी वाला अभियान कहा है। ज्ञात हो कि स्वच्छता अभियान - 2026 को लेकर राज्य सरकार ने पूरे प्रदेश में प्रत्येक नगरीय निकाय क्षेत्र में अभियान छेड़ा हुआ है, जिसके तहत शहर भर की मुख्य दीवारों, बॉउंड्री का भरपूर उपयोग विभिन्न छायाचित्र व स्वच्छता सन्देश के नाम पर किया जा रहा है,जबकि वास्तविक स्थिति कुछ और है,गली मोहल्ले वार्ड शहर गाँवों की ओर रुख करें तो हर जगह गंदगी का साम्राज्य नजर आता है। कई वर्षों से अभी तक कचरों के निष्पादन के लिए व्यवस्थाएं नहीं बन पाई है, शहरों के बीच कचरे डंप हो रहे है। कई क्षेत्रों में गंदे पानी के लिए निकासी हेतु नाली, व पूर्व निर्मित नालियों की सफाई ठप्प है।गलियों में सड़कों की मरम्मत, मुख्य डामर सड़कों की मरम्मत, मूलभूत व्यवस्था ही नहीं हो पा रही है,तो व्यर्थ मुख्य सड़क चौराहों को साफ कर चित्रकारी और स्वच्छता सन्देश लिखना बेमानी है।आज दिनांक तक प्लास्टिक डिस्पोजल,पॉलिथीन का उपयोग बंद नहीं हो पाया है। आज भी विभिन्न अस्पतालों,सरकारी व सार्वजनिक संस्थानों,होटलों, शासकीय कार्यालयों में ही गंदगी पसरी हुई रहती है। देवेश मिश्रा ने कहा कि धरातल पर सफाई व्यवस्था नजर आनी चाहिए। लोगों में जागरूकता लाकर उनमें स्वच्छता की आदत डलवाने की कोशिश होनी चाहिए, अन्यथा सरकार का यह स्वच्छता अभियान हर वर्ष की तरह मात्र खानापूर्ति ही साबित होगा। एक सवाल के जवाब में भगवा पार्टी प्रदेश अध्यक्ष देवेश मिश्रा ने कहा कि जो भी लोग भाजपा सरकार के खिलाफ उनकी नाकामियों को लेकर आवाज बुलंद करे,तो वह हिन्दू धर्म विरोधी कहे जाते है।भाजपा ने ऐसा नेरेटिव सेट कर रखा है, कि जैसे वे ही हिन्दुओं के हितैषी और व ठेकेदार बने बैठे है।मतलब साफ है, भाजपा सरकार चाहे गलत करे, मनमानी करे, जब तक उनके समर्थन में बात करेंगे, आप हिन्दू धर्म समर्थक कहलायेंगे।

वरिष्ठ नागरिक जीवन गौरव सम्मान से हुए सम्मानित

नई पीढ़ी वरिष्ठजनों के अनुभवों से सीख लेकर अपने जीवन को बेहतर बनाएं : घनश्याम देवांगन

भिलाई । वरिष्ठ नागरिक पर्यटन मंच के तत्वावधान में बालाजी होटल कुरूद में सम्मान समारोह का आयोजन कर वरिष्ठ नागरिकों को -जीवन गौरव सम्मान- से सम्मानित किया गया। भिलाई वरिष्ठ नागरिक महासंघ के अध्यक्ष घनश्याम कुमार देवांगन समारोह के मुख्य अतिथि थे। समारोह को संबोधित करते हुए महासंघ अध्यक्ष घनश्याम देवांगन ने कहा कि वरिष्ठ नागरिकों का जीवन अनुभव, संघर्ष, समर्पण और सफल पारिवारिक जीवन का आईना होता है। वरिष्ठ नागरिक हमारे समाज की अमूल्य धरोहर हैं। उन्होंने अपने परिश्रम, त्याग और संस्कारों से परिवार, समाज और राष्ट्र के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। आज हम जिस सामाजिक व्यवस्था और पारिवारिक मूल्यों का लाभ प्राप्त कर रहे हैं, उसकी मजबूत नींव इन्हीं के प्रयासों से रखी गई है। नई पीढ़ी अपने वरिष्ठजनों के अनुभवों से सीख लेकर अपने जीवन को बेहतर बना सकती है। जीवन गौरव सम्मान से सम्मानित होने वाले वरिष्ठ नागरिक हैं- छालीवुड कलाकार लाल बहादुर चंद्रा, हुकुमचंद देवांगन, श्रीमती निरुपा सहारे, श्रीमती बेदू साहू, मुकुंद दास साहू। सभी को अभिनन्दन पत्र, शॉल, श्रीफल एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर किशनलाल सोनी, ताम्रध्वज सहारे, श्रीमती छाया चंद्रा, श्रीमती सावित्री देवांगन, श्रीमती सुनीता सोनी आदि विशेष रूप से उपस्थित थे। संयोजक हुकुमचंद ने जानकारी दी कि वरिष्ठ नागरिकों के लिए धार्मिक एवं ऐतिहासिक पर्यटन स्थलों का सामुहिक भ्रमण कार्यक्रम आयोजित किया जाता है।

बोधघाट परियोजना बस्तर के खनिज संपदा की लूट से स्थापित होने वाले उद्योगों के पानी की जरूरत को पूरा करने के लिए शुरू किया जा रहा है - छत्तीसगढ़ संग्राम परिषद

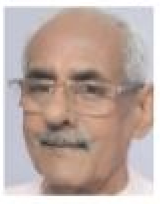

दुर्ग। छत्तीसगढ़ संग्राम परिषद ने 55 साल से बंद पड़े बोधघाट परियोजना को पुनः शुरू करने के सरकार के प्रयासों का पुरजोर विरोध किया है, छत्तीसगढ़ संग्राम परिषद के अध्यक्ष एड राजकुमार गुप्त ने कहा है कि बोधघाट परियोजना 1970 में सिंचाई के लिए इंद्रावती नदी का पानी उपलब्ध करने के लिए बनाया गया था इस परियोजना से 28 गांव पूर्ण डुबान और 28 गांव आंशिक डुबान क्षेत्र के दायरे में आ रहे थे परियोजना से लाभ कम और हानि अधिक होने की संभावना थी प्रभावित गांवों के आदिवासी ग्रामीणों के तीव्र विरोध को देखते हुए परियोजना की फाईल कई साल तक बंद थी, छत्तीसगढ़ संग्राम परिषद के अध्यक्ष ने आरोप लगाया है कि बदली हुई परिस्थितियों का अनुचित लाभ उठाते हुए और बस्तर के खनिज संपदाओं की लूट से स्थापित होने वाले संभावित उद्योगों के पानी की जरूरतों को पूरा करने के लिए बोधघाट परियोजना को पुनः शुरू करने का निर्णय लिया है इससे 56 गांव में खेती किसानी पर गंभीर खतरा उत्पन्न हो जायेगा, 25-30 हजार निवासियों पर विस्थापन की तलवार लटक जायेगा छत्तीसगढ़ संग्राम परिषद ने सरकार को आगाह किया है कि व्यापक जनहानि को ध्यान में रखते हुए और हजारों आदिवासियों के विरोध को नजर अंदाज करते हुए बोधघाट परियोजना को पुनः शुरू न करे।

योग से स्वस्थ तन, शांत मन और सशक्त समाज का निर्माण संभव : इंद्रजीत सिंह 'छोटू'

भिलाई। 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर कोहका स्थित बीरा जी के अंगना में सर्व समाज कल्याण समिति भिलाई एवं पतंजलि योग साधक समिति, कान्हा पार्क कोहका के संयुक्त तत्वावधान में भव्य सामूहिक योगाभ्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में योग साधकों, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर समाजसेवी इंद्रजीत सिंह 'छोटू' ने योग साधकों के साथ विभिन्न योगासन एवं प्राणायाम का अभ्यास किया तथा उपस्थित लोगों को योग को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने का संदेश दिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए इंद्रजीत सिंह 'छोटू' ने कहा कि योग भारत की प्राचीन एवं अमूल्य धरोहर है। यह केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि शरीर, मन और आत्मा को जोड़ने वाली जीवनशैली है। नियमित योगाभ्यास व्यक्ति को स्वस्थ, सकारात्मक और आत्मविश्वासी बनाता है। आज की भागदौड़ भरी जीवनशैली में योग तनावमुक्त एवं संतुलित जीवन का सबसे प्रभावी माध्यम है। यदि प्रत्येक व्यक्ति प्रतिदिन कुछ समय योग के लिए निकाले, तो स्वस्थ समाज और सशक्त राष्ट्र के निर्माण का सपना साकार हो सकता है। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि विश्वभर में योग के प्रति बढ़ती जागरूकता भारत की सांस्कृतिक विरासत की वैश्विक स्वीकृति का प्रतीक है। कार्यक्रम के दौरान योग प्रशिक्षकों ने विभिन्न योगासनों, प्राणायाम एवं ध्यान की विधियों का प्रदर्शन कर उनके स्वास्थ्य लाभों की जानकारी दी। आयोजन में सभी आयु वर्ग के लोगों ने बढ़-चढ़कर सहभागिता निभाई।

महापौर ने उरला पटरी पार क्षेत्र के स्थायी जल समाधान हेतु नए फिल्टर प्लांट की रखी मांग

■ उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण कार्य पूर्ण करने के दिए निर्देश

दुर्ग। नगर पालिक निगम दुर्ग क्षेत्र में संचालित विभिन्न महत्वपूर्ण अधोसंरचना परियोजनाओं का उपमुख्यमंत्री, नगरीय प्रशासन एवं लोक निर्माण मंत्री अरुण साव ने महापौर मती अलका बाघमार, सभापति श्याम शर्मा, लोककर्म प्रभारी देव नारायण चन्द्राकर,जल कार्य प्रभारी मती लीना दिनेश देवांगन कलेक्टर अभिजीत सिंह, आयुक्त सुमित अग्रवाल सहित जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों की उपस्थिति में निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए सभी परियोजनाओं को निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण करने के निर्देश दिए। उपमुख्यमंत्री साव ने प्रयास कन्या विद्यालय एवं छात्रावास के पीछे अधोसंरचना मद से लगभग 1213.98 लाख रुपये की लागत से निर्माणाधीन नालंदा परिसर का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्माण कार्य निर्धारित समय-सीमा में तथा गुणवत्ता के साथ पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस परियोजना के पूर्ण होने से विद्यार्थियों एवं प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवाओं को आधुनिक एवं सुव्यवस्थित अध्ययन सुविधाएं उपलब्ध होंगी, जिससे उनके शैक्षणिक विकास को नई दिशा मिलेगी। नालंदा परिसर के निरीक्षण के पश्चात उपमुख्यमंत्री साव ने महापौर मती बाघमार के साथ पुराना बस स्टैंड स्थित इंदिरा मार्केट में प्रस्तावित मल्टीलेवल पार्किंग निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं निर्माण एजेंसी को निर्देशित करते हुए कहा कि कार्य शीघ्र प्रारंभ कर निर्धारित अवधि में गुणवत्तापूर्वक पूर्ण किया जाए, ताकि नागरिकों को बेहतर पार्किंग सुविधा उपलब्ध हो सके। उन्होंने कहा कि शहर में लगातार बढ़ते यातायात तथा व्यावसायिक क्षेत्रों में पार्किंग की समस्या को देखते हुए यह परियोजना अत्यंत महत्वपूर्ण है। लगभग 17 करोड़ 35 लाख रुपये की लागत से बनने वाली इस महत्वाकां परियोजना की निर्माण अवधि 18 माह निर्धारित की गई है।

शिबानी तिवारी ने नवदृष्टि फाउंडेशन के माध्यम से अपने देहदान की घोषणा की

दुर्ग । डॉ. अजय गोवर्धन की माताजी द्वारा किए गए नेत्रदान एवं त्वचा दान से प्रेरित होकर दीक्षित कॉलोनी/सिंधी कॉलोनी निवासी श्रीमती शिबानी तिवारी ने आज नवदृष्टि फाउंडेशन के माध्यम से अपने देहदान की घोषणा की। इस अवसर पर उन्होंने देहदान की वसीयत नवदृष्टि फाउंडेशन के सदस्य कुलवंत भाटिया, हरमन दुलई, प्रभु दयाल उजाला को सौंपी

रूप में डॉ. अजय गोवर्धन एवं श्री आर.पी. गुप्ता देहदान की इस प्रेरणादायी वसीयत के साक्षी बने . शिबानी तिवारी ने कहा वह डॉ. अजय गोवर्धन को अपना पुत्र मानती हैं एवं उनकी प्रेरणा ही मेरे लिए मार्गदर्शन बनी आज अपनी वर्षों पुरानी देहदान की इच्छा पूर्ण कर मुझे संतुष्टि मिल रही है

डॉ. अजय गोवर्धन ने कहा हम लोगों के इलाज के साथ साथ उन्हें सामाजिक कार्यों हेतु लगातार प्रेरित करते हैं जिसके अब तक बहुत सार्थक परिणाम आए हैं नवदृष्टि फाउंडेशन के सदस्य कुलवंत भाटिया ने कहा डॉ. अजय गोवर्धन हमें हर कदम पर नेत्रदान , देहदान एवं त्वचा दान हेतु सहयोग करते हैं उनके सहयोग से बहुत से परिवारों द्वारा र नेत्रदान , देहदान एवं त्वचा दान कर रहे हैं अब शिबानी तिवारी के ह्दान देहदान का निर्णय सराहनीय है इस निर्णय से समाज में देहदान के प्रति जागरूकता बढ़ेगी हरमन दुलई ने कहा डॉ. अजय गोवर्धन लोगों के इलाज सेवा भावना से करते है उसका ही परिणाम है कि उनका का समाज में गहरा प्रभाव है एवं उनसे लोग नेत्रदान , देहदान एवं त्वचा दान हेतु प्रेरित हो रहे हैं

नवदृष्टि फाउंडेशन की ओर से अनिल बढ़ेवार, कुलवंत भाटिया, राज आढ़तिया, प्रवीण तिवारी, मुकेश आढ़तिया, हरमन दुलई, रितेश जैन , राजेश पारख, जितेंद्र हासवानी, मंगल अग्रवाल, किरण भंडारी, उज्वल पींचा, सत्येंद्र राजपूत, सुरेश जैन, पीयूष मालवीय, दीपक बंसल, विकास जायसवाल, मुकेश राठी, प्रभुदयाल उजाला, प्रमोद बाघ, सपन जैन, यतीन्द्र चावड़ा, जितेंद्र कारिया, बंसी अग्रवाल, अभिजीत पारख ने निर्णय की सराहना की।

मुख्यमंत्री के दौरे से पहले कांग्रेसी नजरबंद, सुबह ही घर-दफ्तर पर पुलिस की दबिश

सीएम विष्णु देव साय को काले झंडे दिखाने की थी तैयारी

राजनांदगांव। सीएम विष्णु देव साय को काले झंडे दिखाकर प्रदर्शन करने की तैयारी कर रहे कांग्रेसियों को पुलिस की टीम ने नजरबंद कर दिया। सुबह होते ही नेताओं को उनके घर और दफ्तर में दबिश देकर पुलिस टीम अपने साथ ले गई। स्टेट स्कूल मैदान में प्रगतिशील किसान सम्मेलन समाप्त होने के बाद उन्हें छोड़ा गया। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के मीडिया पैनलिस्ट अभिमन्यु उदय मिश्रा एवं ब्लॉक युवा कांग्रेस अध्यक्ष संदीप सोनी को उनके साथियों सहित पुलिस द्वारा गिरफ्तार कर बसंतपुर थाना में नजरबंद किया जाना लोकतंत्र की हत्या और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर सीधा हमला है। कांग्रेस कार्यकर्ता जनता के ज्वलंत मुद्दों बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी, बिजली बिलों की लूट, कानून-व्यवस्था की विफलता और भाजपा सरकार की जनविरोधी नीतियों–के खिलाफ शांतिपूर्ण एवं लोकतांत्रिक तरीके से अपना विरोध दर्ज कराना चाहते थे। लेकिन मुख्यमंत्री के आगमन से पहले ही उन्हें संविधान चौक पहुंचने से रोककर गिरफ्तार कर लिया गया। हर्ष खोब्रागढ़े ने कहा कि यह घटना स्पष्ट करती है कि भाजपा सरकार जनता के सवालों और विरोध की आवाज़ से भयभीत है। यदि सरकार ने वास्तव में विकास किया होता और जनता के हित में काम किया होता, तो उसे काले झंडों और नारों से डरने की आवश्यकता नहीं पड़ती। अभिमन्यु और संदीप ने कहा कि विरोध की हर आवाज़ को पुलिस के बल पर दबाने का प्रयास यह साबित करता है कि प्रदेश में लोकतांत्रिक अधिकारों का लगातार हनन हो रहा है। कांग्रेस पार्टी इस अलोकतांत्रिक कार्रवाई की कड़ी निंदा करती है और चेतावनी देती है कि जनता की आवाज़ को पुलिसिया दमन से नहीं दबाया जा सकता। मुख्यमंत्री और भाजपा सरकार को जनता के सवालों का जवाब देना होगा। कांग्रेस कार्यकर्ता जनहित के मुद्दों पर अपना संघर्ष जारी रखेंगे और लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा के लिए हर स्तर पर लड़ाई लड़ेंगे।

कमिश्नर ने किया निरीक्षण, दिखी गंदगी, दुकानदारों पर लगाया जुर्माना

भगत सिंह चौक फ्लाई ओव्हर के नीचे मिली गंदगी, बरती गई सख्ती

राजनांदगांव। सफाई व्यवस्था को लेकर नगर निगम लगातार सख्ती बरतता दिखाई दे रहा है। इसी क्रम में नगर निगम आयुक्त अतुल विश्वकर्मा ने सोमवार को जीई रोड फ्लाई ओव्हर के नीचे साफ-सफाई का जायजा लेकर गंदगी फैलाने वालो पर जुर्माना लगाने के स्वास्थ्य अमला को निर्देश दिए। उन्होंने भगत सिंह चौक फ्लाई ओव्हर के नीचे सफाई का जायजा लेकर उन्होंने होटल एवं ठेला के आस पास साफ सफाई रखने, कचरा फैलाने वालो पर कार्यवाही कर जुर्माना लगाने कहा। विश्वकर्मा ने होटल एवं ठेला के पास गंदगी देख नराजगी व्यक्त करते हुए संबंधित से कहा कि अतिक्रमण कर व्यवसाय न करे और साफ सफाई रखे, अन्यथा जप्ती की कार्यवाही की जाएगी। साफ-सफाई के अभाव में संबंधित से जुर्माना वसूलने के निर्देश दिए। निर्देश के अनुक्रम में सूरज चाय ठेला से 5 सौ रूपये, के.जी.एन. पान सेन्टर एवं सिन्हा चाय ठेला से 2-2 सौ रूपये जुर्माना वसूला गया। आयुक्त ने आस पास के लोगो को साफ-सफाई रखने अतिक्रमण नही करने समझाईस दिए। आयुक्त ने स्वास्थ्य अमला से कहा कि जी.ई.रोड में शहर के अलावा बाहर के लोगों का भी आना जाना लगा रहता है, जहां से हमारे शहर की छवि प्रदर्शित होती है। इसलिए जी.ई.रोड में साफ-सफाई रखे, नाली नालो की सफाई करे, रोड के किनारे के दुकानदारो व ठेला खोमचा वालो को साफ-सफाई रखने समझाईस देवे, अतिक्रमण करते देख हटाने की कार्यवाही करे।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर भिलाई-3 में हुआ भव्य आयोजन जनप्रतिनिधियों ने दिया स्वस्थ जीवन का संदेश

भिलाई-3। 12वें अंतराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर संचालनालय आयुष एवं जिला आयुष अधिकारी दुर्ग के मार्गदर्शन में आयुष योग वेलनेस सेंटर, भिलाई-3 में भव्य योग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, आयुष विभाग के अधिकारियों-कर्मचारियों तथा बड़ी संख्या में योग साधकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथियों में विधायक प्रतिनिधि सतीश साहू, सांसद प्रतिनिधि विपिन चंद्राकर, भाजपा युवा महामंत्री उपकार चंद्राकर, वार्ड पार्षद प्रेमलता चंद्राकर, दिलीप पटेल, खिलावन वर्मा, फिरोज फारूकी सहित अन्य गणमान्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। इस अवसर पर योग प्रशिक्षक डॉ. आकांक्षा मिश्रा ने उपस्थित नागरिकों को विभिन्न योगासन, प्राणायाम एवं ध्यान की विधियों का अभ्यास कराते हुए योग के शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक लाभों की जानकारी दी। उन्होंने नियमित योग को स्वस्थ एवं तनावमुक्त जीवन की कुंजी बताया।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। डाक पंजीयन क्रमांक- सीजी/दुर्ग/लोकतंत्र प्रहरी/2026-28, Email : loktantraprahrinews@gmail.com